



જુદા જુદા ક્ષેત્રોમાં સેવાઓ આપવાના હેતુથી આ સંસ્થાનું નામ બદલવામાં આવ્યું છે. [knowledgely.com/sankarapandit.org](http://www.knowledgely.com/sankarapandit.org)

[illegible]

संस्कार सागर

• वर्ष : 24 • अंक : 252 • अगस्त 2020

• वीर नि.संवत २५४५ • विक्रम सं. २०७४ • शक सं. १९३९

लेख

• वर्षायोग चातुर्मास 2020	11
• दीक्षाये	46
• समाधिमरण	49
• एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद	50
• श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर गतिविधियाँ	51
• श्री दिगम्बर जैन युवक संघ साहित्य सूची	54
• पर्यूषण पर्व पर प्रदेश में बूचड़खाने व मांस विक्रय बंद कराये	58
• कान के बाहरी अवस्था देखकर रोग निर्णय	61
• गौरवान्वित सम्मान से बढ़ जाता है काम करने का जज्बा	80
• प्रतियोगिता क्यों	82
• जैन विद्या संस्कृति प्रश्न मंच	83

बाल कहानी

• अद्भुत भिखारी 125

कविता

• वीर वन्दना	08
• आज में जीना	10
• क्या गजल पढ़ूँ	60
• समता धरो स्वयं जीवन में	65
• जयति जयति जिनमात शारदे	76
• अहिंसा	79

कहानी

• गमछा 73

कोरोना महामारी के कारण संस्कार सागर के अप्रैल, मई, जून, जुलाई, के अंक प्रकाशित एवं वितरित नहीं हो सके सुखद यह है कि अगरस्त का अंक पाठकों के हाथ में बहुत प्रतीक्षा के बाद पहुँच रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे गहन अंधरे के बाद दिव्य प्रकाश आ चुका हो आप और हम पुनः संस्कार सागर की गहराईयों में बैठकर धर्म प्रभावना में भागीदार बने। अप्रकाशन के लिये खेद है।

नियमित स्तंभ

पाती पाठकों की : 5 • भक्ति तरंग : 6 • संस्कार प्रवाह : 9 • संयम स्वास्थ्य योग : 13
चलो देखें यात्रा : 59 आगम दर्शन : 60 • पुराण प्रेरणा : 63 • माथा पच्ची : 63 • कैरियर गाइड : 64
दुनिया भर की बातें : 66 दिशा बोध : 70 • इसे भी जानिये : 71 • आओ सीखें : जैन न्याय : 72
हमारे गौरव : 76 • डाक टिकटो पर जैन इतिहास एवं संस्कृति : 77 • हास्य तरंग : 124
• शरीर विकास के कुछ खेल : 124 • बाल संस्कार डेस्क : 125 • संस्कार गीत व बाल कविता : 126

प्रतियोगिताएं : अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा : 129 : वर्ग पहेली : 130

प्रेरणा - परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री
विद्यासागरजी महाराज के प्रियाग्र शिष्य
ऐलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज

प्रधान संपादक
ब्र. जिनेश मलैया, इन्दौर-89895 05108

प्रबंध संपादक
ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़-94251 41697

कार्यकारी संपादक
ब्र. सुदेश जैन कोठिया इन्दौर-9826548159
एस.एम.एस-9826593159

सलाहकार संपादक
श्री हुकुमचंद सांवला, इन्दौर-95425053111
पं. विनोदकुमार जैन, रजवांस-9575634441
डॉ. मुकेश जैन 'विमल', दिल्ली-9818855130

महिला संपादक
डॉ. ज्योति जैन, खतौली-94128 89449
ब्र. समता जैन मारौरा, इन्दौर-8989845294

अतिथि सम्पादक
डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर-97938 21108
अभिनदन सांधेलीय, पाटन-9425863244
डॉ. पंकज जैन, भोपाल-9584201103
विनीत जैन प्राचार्य, सादूमल-9721419696
अक्षय अलया, ललितपुर - 9453031432

संयोजना
इंजी. अभिषेक जैन 'रिंकू', इन्दौर-9827282170

प्रकाशक
श्री दिगंबर जैन युवक संघ, इन्दौर (म.प्र.)

* आंतरिक सज्जा *
आशीष कुशवाह, इन्दौर 9179169060

- लेखक के विचारों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
- संस्कार सागर में प्रकाशित रचनाएँ बिना आज्ञा, किसी भी प्रकार से उद्धृत नहीं की जाना चाहिए।
- कथा-साहित्य में नाम संस्था काल्पनिक होते हैं। किसी से समानता मिलना संयोग मात्र है।
- पत्रिका संबंधी प्रकरण में न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

*श्री दिगंबर जैन युवक संघ द्वारा श्री दिगंबर जैन पंच बालयति मंदिर, ए.बी. रोड़, इन्दौर-10 से प्रकाशित एवं मोदी प्रिंटर्स (76, बी-1, पोलोग्राउंड, इन्दौर) द्वारा मुद्रित।

कृपया, संस्कार सागर मासिक पत्रिका का बाकी सदस्यता शुल्क जो पत्रिका के लिफाफे पर चिपकी पते की रिलप पर छपा है, अविलंब भेजकर सहयोग करें। बकाया राशि में त्रुटि हो तो सुधार हेतु हमें सूचित करें।	
सदस्यता शुल्क	
-आजीवन	: 2100/- (15 वर्ष)
-संरक्षक	: 5001/- (सदैव)
-परम सम्माननीय	: 11000/- (सदैव)
-परम संरक्षक	: 15001/- (सदैव)
अपने शहर के	
• स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (संस्कार सागर)	
खाता क्र. 63000704338 (IFSC: SBIN0030463)	
• भारतीय स्टेट बैंक (ब्र. जिनेश मलैया)	
खाता क्र. 30682289751 (IFSC: SBIN0011763)	
• ओरिएन्टल बैंक ऑफ कामर्स	
खाता क्र. 07882151004198 (IFSC: ORBC0100788)	
• आईडीबीआई बैंक (श्री दिगंबर जैन युवक संघ)	
खाता क्र. 155104000037022	
• आईसीआईसीआय बैंक (श्री दिगंबर जैन युवक संघ)	
खाता क्र. 004105013575 (IFSC: ICIC0000041)	
में भी अपने पूर्ण पते सहित राशि जमा कर हमारे कार्यालय को सूचित कर सकते हैं।	
** कार्यालय **	
संस्कार सागर	
श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर,	
सत्यम् गैस के सामने, ए.बी. रोड़, इन्दौर-10	
फोन नं. : 0731-2571851, 4003506	
मो. : 89895-05108, 6232967108	
website : www.sanskarsagar.org	
e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in	

• सम्पादक महोदय, नागरिकता संशोधन विधेयक का विरोध संविधान संरक्षण के नाम पर हो रहा परन्तु यह विचारणीय प्रश्न है कि जब संविधान 47वाँ



संशोधन किया गया था जिसके आधार पर विपक्ष के प्रति दमनकारी नीति को प्रभावी बनाया गया था अभिव्यक्ति स्वतंत्रता बाधित हुई तब संविधान संरक्षण की बात क्यों नहीं की गई थी? नागरिकता संशोधन विधेयक के विरोध में एक ही समुदाय के लोग अपनी आवाज बुलंद किये हुए हैं जबकि वे भूल जाते हैं कि वे भारत में सबसे अधिक सुरक्षित हैं एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह ने कई बार कहा है कि किसी की भी नागरिकता नहीं छिनेगी फिर एक समुदाय विशेष को विश्वास क्यों नहीं हो रहा यह समझ के बाहर बात है।

अंशुल पारासर, लटेरी

• सम्पादक महोदय, विगत माह सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अहं फैसलों में सेना में महिलाओं को समान कमान और स्थायी कमीशन का स्थान दिया है। इससे यह सिद्ध हुआ कि भारतीय न्याय में महिलाओं सम के प्रति समता भाव बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है भारत की माटी में नारी सम्मान की जड़ें बहुत गहरी हैं। परन्तु दुर्भाग्य से कई घटनाएँ ऐसी हो जाती हैं जिनसे भारत की महिला सम्मान की छवि को गहरा धक्का पहुँचाता है जिन्हें रोकने का काम शासन प्रशासन एवं समाज का है। समाज में कुछ भटके हुये युवक व्यसन की भंवर से बाहर नहीं निकल पाते और वे अपने पतन का रास्ता स्वयं ही तैयार करते हैं। सोशल मीडिया में पोर्न एप जैसे अश्लील एप की दुष्प्रेरणा से युवक बहुत जल्दी भटकता है और

नारी समाज को अपमानित करने से नहीं चूकता है नारी उत्थान में न्यायालय के ऐसे फैसले अंधेरे में आशा की एक किरण है।

विक्रान्त जैन, सिरोंज

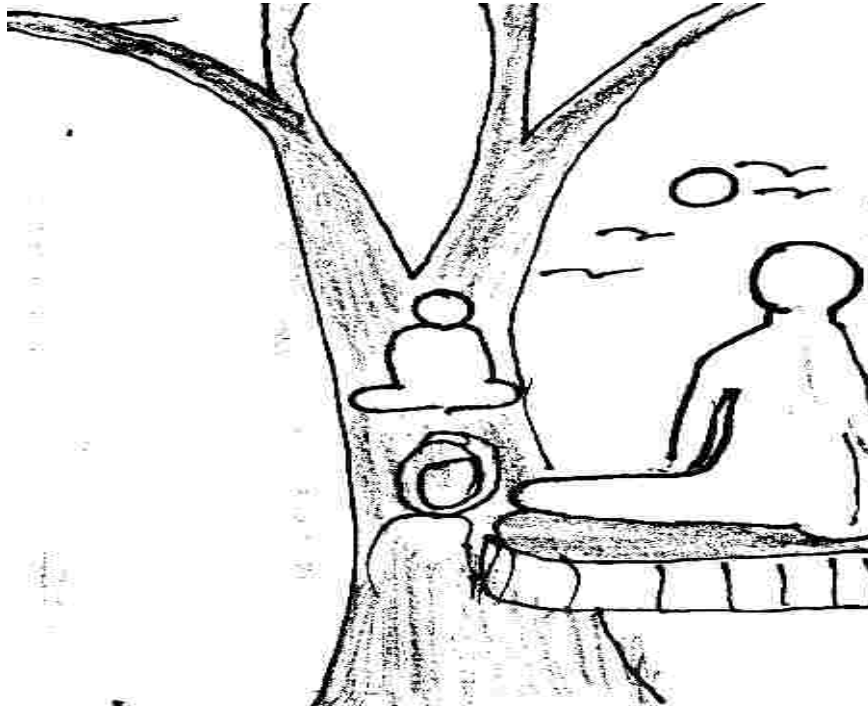
• सम्पादक महोदय, संस्कार सागर के प्रचलित स्तंभ कहानी के अंतर्गत मैंने पारूल की पतंग शीर्षक से कथा साहित्य को पढ़ा मेरा पूरा मन मस्तिष्क आन्दोलित हो गया छोटी सी चूक इतने बड़े हादसे को जन्म दे सकती है कि यह मैं सोच सोचकर ही हैरान हो गया कि तथ्य संलग्न कहानी की रचना करने में सिद्धहस्त ऐलक सिद्धांत सागर जी महाराज की मैं लगभग 250 कहानियाँ पढ़ चुका हूँ किन्तु यह कहानी मुझे सबसे अधिक प्रभावित करने वाली अनुभूत हुई। दुर्घटनाओं में मोबाईल बहुत बड़ा कारण बनता जा रहा है इस तथ्य को इस कहानी में बड़ी ही चतुराई के साथ रेखांकित किया गया है कहानी की शैली समासा और सीधी सपाट है भाषा सरल और सुबोध है।

पारूल जैन, वासातारखेडा

• सम्पादक महोदय, मार्च माह के संस्कार सागर अंक में मुख पृष्ठ का प्रथम अवलोकन करने मात्र से ही मंत्र मुग्ध हो गया ऐसा लगा जैसे मैं सम्मोदशिखर को साक्षात् ही दर्शन कर रहा हूँ। लगातार 3 माह (जनवरी, फरवरी, मार्च) अंक में मात्र शाश्वत तीर्थ की पेन्टिंग देख रहा हूँ। ऐसे ही यदि पेन्टिंग यदि संस्कार सागर में हर अंक के आवरण पृष्ठ पर प्रकाशित किया जाये तो आने वाली पीढ़ी में तीर्थों के प्रति आस्था काफी गहरी होगी तथा तीर्थों को धरोहर मानकर युवा वर्ग में तीर्थ रक्षा की पवित्र भावना का विकास अवश्य होगा तीर्थ रक्षा ही धर्म रक्षा का आधार है।

राजकुमार जैन, इन्दौर

भक्ति तरंग आत्म लखके



पायों जी सुख आत्म लखकै

ब्रह्मा विष्णु महेश्वर को प्रभु, सो हम देख्यो आप हरखकै ।

देखनि जाननि समझ निवाला, जान्यों आपमें आप परखकै ॥

द्यानत सब रस बिरस लगैं हैं, अनुभौ ज्ञानसुधारस चखकै ।

आत्मा को देखकर, पहचानकर, अत्यन्त सुख की प्राप्ति/अनुभूति हुई है।

हमने अपने इस ब्रह्मा, विष्णु, महेश-रूप स्वामी को, प्रभु को देख लिया है, पहचान लिया है और इसे देखकर हम हर्षित हैं, प्रसन्न हैं।

यह ही देखने, जानने और समझने वाला हैं। यह हमने अपने में स्वयं में ही अच्छी तरह परखकर जाँचकर जान लिया है।

द्यानतराय कहते हैं कि अनुभवरूपी ज्ञानामृत को चखने के पश्चात् जगत के सारे अन्य विषयादि रस फीके, नीरस व विपरीत लगने लगते हैं।



माफी नामा पर्याप्त नहीं

पाठ्यक्रमों के निर्धारण हेतु विभिन्न प्रकाशन पुस्तकें प्रकाशित करते रहते हैं इसी क्रम अलंकार प्रकाशन बी. एड. के चौथे सेमेस्टर की पुस्तक प्रकाशित की है। पुस्तक के लेखक ने टी.आर. पी. बढ़ाने के चक्कर कुछ अलग से लिखा। लेखन ने सोचा होगा कि धर्म निरपेक्ष समूह तो उनको जरूर प्रोत्साहन देगा। इसी आशा विश्वास के साथ लेखक ने भारतीय वासना शून्य साधना पद्धति को अनदेखा करते हुए अश्लीलता का विवेचन करते हुए धार्मिक अश्लीलता को अलग से विषय बनाया और लिखा कि

धर्म- अनेक धर्मों में भी अश्लीलता का प्रदर्शन होता है। जैसे दिगम्बर जैन मुनि नग्न अवस्था में रहते हैं। समाज में किसी का नग्न रहना उचित नहीं माना जाता। नागा साधु भी नग्न अवस्था में रहते हैं जो कि सामाजिक दृष्टि से अनुचित है। इस प्रकार की अनेक क्रियाओं पर विचार किया जाए तो धर्म में भी अश्लीलता का प्रदर्शन अनेक स्थानों पर व्यापक रूप से किया जाता है।

प्रस्तुत परिच्छेद में पुस्तक के लेखक एम.पी. कोठारी ने दिगम्बर जैन साधुओं की नग्नता पर आक्षेप करते हुए कहा कि सामाजिक दृष्टि से नग्न रहना किसी का उचित नहीं है। किन्तु वे भूल गये भारतीय समाज त्याग तप को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखती है। नग्नता को अश्लीलता मानना मात्र दृष्टि कोण का भेद है। तथ्यों पर विचार किया जाये तो सच और व्यवहार दोनों ही नग्नता के समर्थक बन जाते हैं। वे तथ्य निम्न है।

1. वासना शून्य शिशु की नग्नता माँ के लिये अश्लीलता जैसी नहीं लगती है। माँ अपने बेटे को खूब अच्छे से नग्न करते नहाती है, परन्तु दोनों के निर्विकार रूप ही रहते हैं। निर्विकार नग्नता कभी भी अश्लीलता की श्रेणी में नहीं आ सकती है।

2. मनुष्य का जन्म नग्न रूप में ही होता है और मरण के बाद वैदिक अंतिम संस्कार पद्धति में मृतक शव का सम्पूर्ण कफन खींच लिया जाता है। और वस्त्रों से विहीन करके हो नग्न रूप में अंतिम संस्कार किया जाता है। क्योंकि वैदिक पुराण शास्त्र का अभिमत है कि जब तक तन पर एक धागा भी रहता है तो वैकुण्ठ की प्राप्ति नहीं होती है। अतः नग्नता मनुष्य के जन्म मरण से गहरा संबंध रखने का कारण प्रकृति का सुन्दर रूप है।

3. दिगम्बर जैन साधु की नग्नता सामाजिक दृष्टि से भी अनुचित नहीं है। क्योंकि निर्विकार नग्नता होने से एक साधना पद्धति का अंग है। साधक जब अंतर्मुखी हो जाता है, तभी वह नग्न रूप धारण कर पाता है अन्यथा नहीं।

4. दिगम्बर शब्द निस्संगता का प्रतीक है, संग से क्रोध की उत्पत्ति होती है, क्रोध से विवेक नष्ट होता है, विवेक नष्ट हो जाने से मति विभ्रम हो जाने के बाद दुर्गति हो जाती है। यह तथ्य श्रीमद् भगवतगीता में स्पष्ट किया गया है। इसीलिये दिगम्बर साधु वातरसना और दिशाओं को ही अम्बर बनाते हुये अपरिग्रह निस्संग रूप को प्राप्त करते हैं।

✳ संग से काम और काम से क्रोध उत्पन्न होता है।

✽ अतः दिगम्बर साधु कामवासना से मुक्त होकर नग्नता धारण करते हैं जिसका अश्लीलता से कोई संबंध नहीं होता।

अतः उक्त तथ्यों के आधार पर दिगम्बर जैन साधु की नग्नता अश्लीलता की परिधी से बाहर रहती है। यह बात अलग है कि हम जिस रंग के चश्मे से देखेंगे वस्तु उसी रंग की दिखेगी यह नीतिकारों की बात है इससे सिद्ध होता है कि लेखक वैदिक, श्रमण रूप भारतीय संस्कृति से कॉफी अनभिज्ञ हैं वे पाश्चात्य दुनिया से प्रभावित होकर भारतीय अश्लीलता की श्रेणी में जबरन डालना चाह रहे हैं।

जैन समाज ने इस पुस्तक का विरोध किया किन्तु माफी नामा लेकर विरोध समाप्त कर दिया परन्तु माफीनामा लेना पर्याप्त नहीं क्योंकि विद्यार्थी पुस्तक को पढ़ेगा माफीनामा को नहीं। इस पुस्तक के विरोध में कानूनी कार्यवाही करके पुस्तक पर प्रतिबंध लगवाना चाहिये ताकि आगे भी कोई इस तरह से लेखन न कर सके। दिगम्बर साधना पद्धति सनातन है जिसे युगों-युगों से सम्मान मिला और भविष्य में भी मिलता रहेगा। समाज जागे और ऐसे लेखकों के प्रति प्रभावी विरोध करें।

कविता

वीर वन्दना

✽ श्रीमती आशा जैन, इन्दौर ✽

शुभ प्रभात की मंगल बेला, प्रभु वन्दन का अर्चन है
चौबीसों जिनदेव प्रभु के, चरणों में अभिनन्दन है
आदि प्रभु श्री वृषभनाथ के चरणों का वन्दन
अजित सम्भव और अभिनन्दन प्रभु मेरा बारम्बार नमन है।
सुमति, पदम, सुपार्श्व चन्द्राप्रभु मेरे मन मंदिर आन बसो
रहे सदा ही ध्यान तुम्हारा, मंगलमय फिर जीवन हो
क्रोध, मान, लोभ, अहंकार की छाया भी मेरे मन में फटके
श्रेयांशनाथ अरू वासुपूज्य विमल अनन्त मम हृदय वसे
धर्मनाथ की धर्म ध्वजा लहराये निरन्तर
विश्व पताका फहराये शांतिनाथ दो शांति अनुपम
मम हृदय की आकुलता मिट जाये
कुन्थु अरह का ध्यान निरन्तर, बना रहे मन मंदिर में
मल्लिनाथ की भक्ति निरन्तर मम मोह मद को चूर करे
मुनि सुव्रतनाथ करो मम रक्षा नेमि नमि प्रभु नित ध्यान बसें
उपसर्ग विजेता श्री पार्श्वप्रभु, वर्धमान महावीर नित हृदय बसें
चौबीसों जिनदेव प्रभु के चरण कमल का वन्दन है
मम हृदय विराजो नाथ मेरा बारम्बार नमन है।



संयोग स्वास्थ्य योग

घृत : अमृत

डॉ. श्रीमति आशा जैन, इन्दौर

वर्तमान में एक आम धारणा बन गई है, कि घी तेल आदि चिकनाई युक्त पदार्थ हानिकारक हैं ये हृदयरोग, कोलॉस्ट्राल, मधुमेह थाइराइड, मोटापा आदि रोगकारक हैं। परन्तु यह धारणा बिल्कुल गलत है। घी तेल आदि स्निग्ध पदार्थ शरीर के लिये अति उपयोगी एवं लाभप्रद हैं व शर्तें उनकी शुद्धता पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

पौष्टिक पदार्थों में घी अपना विशेष महत्व रखता है। बल वीर्य, आयु की वृद्धि एवं स्नायु मंडल को शक्ति देने में घी के बराबर दूसरा कोई शक्तिशाली पदार्थ नहीं है। शाकाहारी भोजन में पोषक तत्वों के रूप में घी अति आवश्यक है दैनिक भोजन में 25 से 30 ग्राम घी नित्य लेने से शरीर को पूर्ण चिकनाई एवं पोषक तत्व मिल जाते हैं। घी युक्त रोटी दाल चावल आदि पावन में श्रेष्ठ होते हैं।

घी में योगवाही गुण होने से जिस वस्तु के साथ प्रयुक्त होता है उसके गुणों को और अधिक बढ़ा देता है।

शुद्ध घी की पहचान :- घी में थोड़ा सा नमक का तेजाब डालने से यदि घी का रंग कुछ लाल हो पाता है तो समझना चाहिये कि उसमें वेजीटेबिल घी की मिलावट है।

देशी गाय का घी :- देशी गाय का दूध गर्म कर दही जमाकर छाछ बनाकर मक्खन से निकाला गया घी तो अमृत के समान है। परन्तु हर समय देशी गाय या देशी भैंस का दूध मिलना सम्भव नहीं है। तो सादे दूध को जमाकर छाछ बनाकर मक्खन से बनाया गया घी भी बहुत उपयोगी होता है।

देशी गाय एवं भैंस के दूध में स्नेह की मात्रा 8 से 10% होती है। दूध से क्रीम निकालकर या या मलाई गर्म कर बनाया गया घी की अपेक्षा मक्खन से बनाये गये घी के गुणों में काफी भिन्नता है।

क्रीम या मलाई से बनाया गया घी ऐनिमल फेट कहलाता है एवं नुकसान दायक है। छाछ बनाकर मक्खन से बनाया गया घी ही उपयुक्त एवं औषधि गुण युक्त होता है।

यह थी सुपाच्य, विटामिन्स युक्त एवं पोषक तत्व युक्त होता है, इसमें केसीन एवं चीज नहीं होता है।

घी के गुण:-

1. आयुर्वेद मतानुसार घी कांति, तेज, लावण्य, ओज, बुद्धि, स्मृति, मेघा, आयु एवं बलवर्धक है।
2. शरीर को उष्णता प्रदान करता है।
3. धातु वृहण, शरीर की क्षतिपूर्ति, स्थैर्य एवं शक्ति संचय में सहायक है।
4. घी में विटामिन ए.बी.ई.सी एवं के होने से अस्थि एवं संधियों को मजबूती प्रदान करता है। जोड़ा (ज्वाइंट्स) एवं घुटनों के दर्द से बचाता है।

5. नेत्र ज्योति वर्धक है।
6. यह एन्टी आक्सीडेंट, एन्टी फंगल, एन्टी वायोटिक एवं एन्टी वायरल भी है। अर्थात् सभी प्रकार के इन्फेक्शन में लाभप्रद है।
7. घी से प्राप्त आमेगा 6 फैटी एसिड चय अपचय की क्रिया (मेटाबॉलिज्म) में वृद्धि कर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी पावर) को बढ़ाता है। एवं रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा नियंत्रित करता है।
8. वसा को घटाकर मोटापा कम करता है।
9. हृदय रोग, कैंसर, डायबिटीज (मधुमेह) आस्थि पोरिसिस एवं एलर्जी से बचाव करता है।
10. घी में ब्यूटिरिक एसिड नामक फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में रहता है जो मस्तिष्क को भली भांति सक्रिय रखकर डिमोशिया (स्मृति भ्रंश) एवं एलजाईमर्स रोगों को बचाता है।
11. बढ़े हुये पित्त का शमन करता है अतः सभी पित्तज रोगों में लाभप्रद है।
12. घी पाचन शक्ति को बढ़ाता है। जिस तरह अग्नि में घी डालने से अग्नि प्रज्वलित होती है, उसी तरह घी के सेवन से पाचनाग्नि प्रज्वलित होकर भोजन का समुचित पाचन करती है।
13. जिन व्यक्तियों को दूध को सेवन सात्म नहीं है। उन्हें गिलास दूध में। चम्मच घी डालकर सेवन करने से लाभ होता है।
14. दो चम्मच घी (कुनकुना) हल्का गर्म कर सुबह सुबह खाली पेट लेने से सम्पूर्ण शरीर की आयुर्विधि कर देता है। शीत ऋतु में विशेष लाभप्रद है।
15. बिना घी की रोटी की अपेक्षा घी लगी रोटियाँ अधिक लाभप्रद एवं सुपाच्य होती है।
16. मक्खन से बने घी में कैसीन एवं चीज नहीं होता है। लेकिन मलाई एवं क्रीम से बने घी में कैसीन एवं चीज की मात्रा सूक्ष्म रूप में रहती है। जो नुकसान दायक है। अतः मलाई, क्रीम एवं बटर से बने घी एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग कम करना चाहिये।

कविता

आज मैं जीना

आँखों में है कैसा पानी, गम से भरी है क्या वो कहसी
पंख फैलाकर चूँ चूँ करती, मुझसे बोली चिड़िया रानी
तुम भी फुदको हम भी फुदकें, गम को भूलें अपने उर के
आ नील गगन में उड़ जायें हम, खुशियाँ मनायें पर फैला यें
छोटी सी जिन्दगी में किसको, हँस ले किस पर हम रो जाये
कोई मिलता बिछड़े कोई, आँखों रहती खोई, खोई खोई
याद करें किसको रोय हम, क्यों नाहक दिल में पलें गम
याद करें क्यों पिछली कहानी, आज मैं जीना खुश जिन्दगानी



वर्षायोग : चातुर्मास-2020

साहित्यमनीषी ज्ञानवारिधि दिगम्बर जैनाचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के द्वारा शिक्षित-दीक्षित जैन श्रमण-परंपरा के आदर्श, संत शिरोमणि जैनाचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज तथा उनके द्वारा दीक्षित शिष्यों का वीर निर्वाण संवत् 2545 विक्रम संवत् 2076 सन् 2020 का चातुर्मास विवरणः

(1) संत शिरोमणि 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज : 53वाँ वर्षायोग

पाटोदी 7389901818, मनोज वाकलीवाल 9826253841,

मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज, मुनिश्री दुर्लभसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्दोषसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्लोभसागरजी महाराज, मुनिश्री निरागसागरजी महाराज, मुनिश्री निरामयसागर जी महाराज, मुनिश्री निरापदसागर जी महाराज, मुनिश्री निराकुलसागरजी महाराज, मुनिश्री निरुपमसागरजी महाराज, मुनिश्री शीतलसागरजी महाराज, मुनिश्री श्रमणसागरजी महाराज, मुनिश्री संधानसागरजी महाराज, कुल : 13 (आचार्यश्रीजी+ 12 मुनिराज तथा ब्रह्मचारीगण)

* इन्दौर में आवास शुद्ध भोजन हेतु ब्र. जिनेश मलैया पंचबालयति मंदिर मो6232967108

* आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के द्वारा दीक्षित प्रायः सभी साधुगण बाल ब्रह्मचारी हैं। जैन श्रमण परंपरा के ज्ञात इतिहास-ज्ञानकारी में यह प्रथम संघ हो सकता है, जिसमें दीक्षित 416 साधु एवं आर्यिकाएँ भी प्रायः बाल ब्रह्मचारिणी हैं।

(2) पूज्य निर्यापक मुनिश्री समयसागरजी महाराज : मुनिश्री प्रशस्तसागरजी महाराज, मुनिश्री मल्लिसागरजी महाराज, मुनिश्री आनंदसागरजी महाराज, मुनि श्री निर्ग्रन्थ सागर जी महाराज, मुनि श्री निभ्रांतसागर जी महाराज, मुनि श्री निरालससागर जी महाराज, मुनि श्री निराश्रवसागर जी महाराज, मुनि श्री निराकार सागर जी महाराज, मुनि श्री निश्चितसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्माणासागर जी महाराज, मुनि श्री निशंकसागर जी महाराज, मुनि श्री निरंजनसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लेपसागर जी महाराज कुल : 14 (14 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)

* आचार्यश्री की आज्ञानुसार देश के विभिन्न नगरों में लगभग 300 बाल ब्रह्मचारी भाई एवं 700 बाल ब्रह्मचारिणी बहनें भी चातुर्मास कर रही हैं।

चातुर्मास स्थली : श्री अतिशय क्षेत्र बीनाबारह जिला सागर (म.प्र.) 470226 सम्पर्क : 9425182108, 9425425370 7000976469

* आचार्यश्रीजी प्रतिदिन संघस्थ साधुओं के लिए प्रातः 7.00 बजे राजवार्तिक का स्वाध्याय, होता है।

(3) पूज्य निर्यापक मुनिश्री योगसागरजी महाराज, मुनि श्री अक्षयसागरजी महाराज, मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज, मुनि श्री नेमीसागर जी महाराज, मुनि श्री अतुल सागर जी महाराज, मुनिश्री निरसीमसागरजी महाराज, मुनिश्री शाश्वतसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री समताभूषण जी महाराज कुल : 8 (7 मुनिराज, 1क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण) चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर हिंगोली महाराष्ट्र 431513

* प्रतिदिन प्रातः 9 बजे आचार्य श्री पूजन एवं आशीर्वचन होता है।

* वर्तमान में आचार्यश्री से दीक्षित शिष्यों के मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, आदि राज्यों में चातुर्मास हो रहे हैं।

* चातुर्मास स्थली : तीर्थोदय धाम सर्वतोमुख बहुमुखी जिनालय प्रतिभा स्थली रेवतीरेज इन्दौर 425001

सम्पर्क : अजय भैया : 9960558608 ब्र. जय वर्मा : 7028849108, प्रवीण 7588919327, 8830192377

संजय मेक्स 9425053521, सिम्पल 9479445990, सचिन 9425316916, कमल अग्रवाल 9425316858, अर्पित

(4) पूज्य निर्यापक मुनिश्री नियमसागरजी महाराज : मुनिश्री वृषभसागरजी महाराज, मुनिश्री अभिनंदनसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री संयमसागर जी महाराज कुल : 4 (3 मुनिराज,

- 1 कुल्लक, ब्रह्मचारीगण) 591115
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर तिगडोली
जिला बेलगांव कर्नाटक
सम्पर्क : सुकमाल पाटील : 7019512827
ब्र. बाहुबली : 7744886511, 72
भरतेश : 9945990152
- (5) मुनिश्री गुप्तिसागरजी महाराज
(उपाध्याय पद आचार्यश्री विद्यानंदजी
महाराज)
कुल : 1 मुनिराज (ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर निर्माण
विहार दिल्ली 110092
सम्पर्क : सुमन दीदी : 9813967999
- (6) पूज्य निर्यापक मुनिश्री सुधासागरजी महाराज :
मुनि महासागर जी, मुनिश्री निष्कम्पसागरजी,
कुल्लक श्री गंभीर सागरजी, कुल्लक श्री
धैर्यसागरजी
कुल : 5 (3 मुनिराज, 2 कुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री 1008 पार्श्वनाथ दि. जैन
तपोदय अतिशय तीर्थक्षेत्र विजोलिया जि.
भीलवाड़ा (राज.) 311602
सम्पर्क : सुरेश पटवारी : 9982222466
सुरेश लुहाड़िया : 9649031693, संजीव
मेनेजर : 7230855743
- (7) मुनिश्री समतासागरजी महाराज : एक श्री
निश्चयसागरजी महाराज,
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 ऐलक, ब्रह्मचारी गण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन शीतलधाम
परिसर हरिपुरा विदिशा (म.प्र.) 464001
सम्पर्क : डॉ. राजीव चौधरी : 9425432280,
बसंत जैन : 7024138500
- (8) मुनिश्री सरलसागरजी महाराज,
कुल : 1 मुनिराज (1 मुनि)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर बबीना केन्ट
जिला ललितपुर (उ.प्र.) 284401
सम्पर्क : अविनाश : 9425684433, संजय
मामा : 9425640700
- (9) मुनिश्री प्रमाणसागरजी, मुनिश्री अरहसागरजी
महाराज कुल : 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : उदयमान तीर्थ, दयोदय पशु
सेवा केंद्र गौशाला, कटनी (म.प्र.) 483501
सम्पर्क : बबलू : 9425158631 प्रेमचंद नेमी:
9425174433 रूपेश : 9116737525
- (10) मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज : (आचार्यपद
सीमन्धरसागरजी) मुनिश्री महानसागरजी,
मुनिश्री भाग्यसागरजी, मुनिश्री महकसागरजी,
मुनिश्री विलोक सागरजी, मुनिश्री
विदितसागरजी, मुनिश्री विवोधसागर जी,
मुनिश्री विभोरसागरजी
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन अभिनंदननाथ
मंदिर स्टेशन रोड क्षेत्रपाल जी ललितपुर (उ.प्र.)
284122
सम्पर्क : अक्षय अलया 9453031432,
राजेन्द्र घनवारा 9415112287, ब्र. सीमा
दीदी 8303520182
कुल : 8 (8 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
- (11) मुनिश्री मार्दवसागरजी महाराज,
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन सिद्धांचल
वैजयन्तिगिरि सिद्धक्षेत्र पानीगांव तह. कन्नोद
जि. देवास (म.प्र.) 455332
सम्पर्क : राजेन्द्र भैया : 6264249728
- (12) मुनिश्री पवित्रसागरजी, मुनिश्री प्रयोगसागरजी,
कुल : 2 (2 मुनिराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. अनेकान्त स्वाध्याय
मंदिर महावीर जैन वर्धा (महा.) 442001
सम्पर्क : जयेश 9738245777, नितिन
7972666347, प्रज्वल 8793284912
- (13) मुनिश्री पावनसागरजी महाराज, कुल : 1 (1
मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन पाशवोदय तीर्थ
वहरोज जि. अलवर (राज.) 301701
सम्पर्क : दीपेश : 8878265055,
9929596299
- (14) मुनिश्री सुखसागरजी महाराज,
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर कुडची
जिला बेलगांव कर्नाटक 591311
सम्पर्क : महावीर अन्ना : 9980373852
- (15) मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज, मुनिश्री
निर्वणसागरजी, कुल्लक देवानन्द सागर जी,
कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 कुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दि. जैन मंदिर के
सामने संतभवन मेडीकल के बाजू में पथरिया
जिला दमोह (म.प्र.) 470666
सम्पर्क : दीपक : 9340853195

- (16) मुनिश्री विनीतसागरजी, मुनिश्री
चंद्रप्रभासागरजी
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर गायत्रीनगर
जयपुर (राज.) 302018
सम्पर्क : जिनेश : 8619506979
महावीर पाटनी : 9414047344
कैलाशचन्द्र छाबड़ा : 8003699001
- (17) मुनिश्री निर्णयसागरजी महाराज, एक श्री
क्षीरसागर जी महाराज कुल : 2 (1 मुनिराज, 1
ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन गंज मंदिर
अशोकनगर (म.प्र.) 473338
सम्पर्क : रमेश चौधरी : 9425132055
महेन्द्र कडेसरा : 9415196170
- (18) मुनि प्रबुद्धसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन विश्वभवन
श्रीधाम गोटेगांव जि. नरसिंहपुर (म.प्र.)
487118
सम्पर्क : राजकुमार अध्यक्ष : 9425467951
- (19) मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज,
कुल : 1 (1 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर तालुका
शिगाँव अरटाल जिला हांवैरी कर्नाटक
581205
सम्पर्क : 7760324008
- (20) मुनिश्री पायसागरजी महाराज, मुनि श्री
सम्यक्सागरजी महाराज
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 कुल्लक,
ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर
बननिकोप्पा जिला गदग कर्नाटक 582112
सम्पर्क : अजित भैया 9343164713
- (21) मुनिश्री प्रसादसागरजी महाराज, मुनि श्री
उत्तमसागर जी महाराज, मुनि श्री पुराणसागर
जी महाराज मुनिश्री शैलसागर जी महाराज,
मुनिश्री निकलक सागरजी महाराज,
कुल : 5 (5 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन शीतलनाथ
मंदिर मुंगावली (म.प्र.) 473443
सम्पर्क : विजय पट्ट अध्यक्ष : 7879708063
संजय सिंघई 8770724080, नीलू सराफ
9425762173,
Email: anjali hondao@gmail.com
- (22) मुनिश्री अभयसागरजी महाराज, मुनिश्री प्रभात
सागरजी महाराज, मुनिश्री निरीहसागरजी
महाराज, कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री नियमसागर संत निवास
दि. जैन बड़ा मंदिर आरोन जि. गुना
(म.प्र.) 473101
सम्पर्क : देशराज कलेशिया 9926237033
राजीव कांसल 9993810411
कार्यालय : 9755828518
- (23) मुनिश्री प्रबोधसागरजी, मुनिश्री
सुपार्श्वसागरजी,
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर भौसे जिला
सांगली (महाराष्ट्र) 416419
सम्पर्क : मो. 9422616167, ब्र. अभयजी
9518342163
- (24) मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज, मुनिश्री चन्द्र
सागरजी महाराज कुल : 2 (2 मुनिराज,
ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : जैन साधु भवन जैन मिलन
विहार, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)
251001
सम्पर्क : प्रमोद जैन अध्यक्ष : 921966208,
सतीशचंद्र संयोजक : 8433239929
- (25) मुनिश्री अजितसागरजी, ऐलकदयासागरजी,
ऐलक विवेकानंदसागरजी, कुल : 3 (1
मुनिराज, 2 ऐलक)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर
दिव्योदय तीर्थ क्षेत्र किला आष्टा जिला सीहोर
(म.प्र.) 466116
सम्पर्क : यतेन अध्यक्ष 7694094006,
पल्लव 9630140044
- (26) मुनिश्री संभवसागरजी महाराज, मुनि श्री
विराटसागर जी महाराज, मुनि श्री विशदसागर
जी महाराज, मुनिश्री निर्मोहसागरजी महाराज,
मुनिश्री निष्पक्षसागरजी महाराज, मुनिश्री
निष्पन्दसागरजी महाराज, मुनिश्री निष्काम
सागर जी महाराज, मुनिश्री नीरजसागरजी
महाराज, मुनिश्री निरसंगसागरजी महाराज,
मुनिश्री समरससागरजी महाराज, मुनिश्री
संस्कार सागरजी महाराज,
चातुर्मास स्थली : श्री चमत्कारी पार्श्वनाथ दि.
अतिशय क्षेत्र अकोदिया मंडी जि. शाजापुर
(म.प्र.) 465223
सम्पर्क : देवेन्द्र : 9424074330 प्रकाश:
7000380627, जयकुमार : 9893705587
- (27) मुनिश्री पद्मसागरजी महाराज कुल : 1 (1
मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर
चंदेरी जिला अशोकनगर (म.प्र.) 473446

- सम्पर्क : प्रदीप चौधरी : 9425761710
अविनाश सराफ : 9009167555
- (28) मुनिश्री श्रेयांससागरजी महाराज, क्षुल्लक निजात्मसागरजी
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर सानोधा जि. सागर (म.प्र.) 470021
सम्पर्क : मो. 8770386280, 9981742402 धमेन्द्र : 9981379395
- (29) मुनिश्री विमलसागरजी महाराज, मुनिश्री अनंतसागरजी महाराज, मुनिश्री धर्मसागरजी महाराज, मुनिश्री अचलसागरजी महाराज, मुनिश्री भावसागरजी महाराज
कुल : 5 (5 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दि. जैन चौबीसी जिनालय बड़ी बजरिया बीना जि. सागर (म.प्र.) 470113
सम्पर्क : अक्षय जैन (ईलु) 8889961116
भानु (भाग्य श्री) : 7999904904
अंकित मोदी : 7828005005
- (30) मुनिश्री कुंथुसागरजी महाराज, ऐलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज
महाराज कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दि. जैन मंदिर नेहानगर मकरोनिया सागर (म.प्र.) 470005
सम्पर्क : ब्र. धीरज : 9131119085, सतीश : 9826092225, नीलेश : 9893204355, 9179425918
- (31) मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज
कुल 1 (1 मुनिराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन छत्री मंदिर ए.बी. रोड शिवपुरी (म.प्र.) 473551
सम्पर्क : राजेश : 9425137665, 9179993108 प्रकाश : 9425764448
- (32) मुनिश्री वीरसागरजी महाराज, मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज, मुनिश्री धवलसागरजी महाराज कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पद्मप्रभ दि. जैन बड़ा मंदिर सरधना (उ.प्र.) 250342
सम्पर्क : आन्तिक भैया 9691979875, 7999102050, विवेक 9654048793
- (33) मुनिश्री आगमसागरजी महाराज, मुनिश्री पुनीतसागरजी महाराज, मुनिश्री सहजसागरजी महाराज कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर मानगांव

- जिला कोल्हापुर (महा.) 402104
सम्पर्क : अक्षय भैया 9097171008
- (34) मुनिश्री अविचलसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी सोनागिर जि. दतिया (म.प्र.) 475685
- (35) मुनिश्री विनम्रसागरजी महाराज, मुनिश्री निःस्वार्थसागरजी महाराज, मुनिश्री निष्पृह सागरजी महाराज, मुनिश्री निश्चलसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्भीकसागरजी महाराज, मुनिश्री निरोगसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्मदसागरजी महाराज, मुनिश्री निसर्गसागरजी महाराज, मुनिश्री ओंकारसागरजी महाराज
कुल : 9 (9 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर खातेगांव जि. देवास (म.प्र.) 455336
सम्पर्क : जय बाकलीवाल 9893607369, जम्बू सेठी अध्यक्ष : 9826947555, अक्षय बाकलीवाल 9755789944
- (36) आर्थिकाश्री गुरुमति माताजी : आर्थिकाश्री उज्ज्वलमतिजी, आर्थिकाश्री चिन्तनमतिजी, आर्थिकाश्री सूत्रमतिजी, आर्थिकाश्री शीतलमतिजी, आर्थिकाश्री सारमतिजी, आर्थिकाश्री साकारमतिजी, आर्थिकाश्री सौम्यमतिजी, आर्थिकाश्री शांतमतिजी, आर्थिकाश्री सुशांतमतिजी, आर्थिकाश्री जागृतमतिजी, आर्थिकाश्री कर्त्तव्यमति, आर्थिकाश्री निष्काममति, आर्थिकाश्री विरतमतिजी, आर्थिकाश्री तथामतिजी, आर्थिकाश्री चैत्यमतिजी, आर्थिकाश्री पुनीतमतिजी, आर्थिकाश्री उपशममतिजी, आर्थिकाश्री ध्रुवमतिजी, आर्थिकाश्री परमतिजी, आर्थिका आगतमतिजी, आर्थिका श्रुतमतिजी माताजी। कुल : 22 (22 आर्थिकाएँ एवं बा.ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर परवारपुरा नागपुर (महाराष्ट्र) 440001
सम्पर्क : शीतलचंद्र : 9421778089
सनत : 9373582422, अरुण अनन्तपुरा : 8830289491
- (37) आर्थिकाश्री वृद्धमतिजी : आर्थिकाश्री पावनमतिजी, आर्थिकाश्री साधनामतिजी, आर्थिकाश्री विलक्षणमतिजी, आर्थिकाश्री वैराग्यमतिजी, आर्थिकाश्री अकलंकमतिजी,

- आर्थिकाश्री निकलंकमतिजी, आर्थिकाश्री आगममतिजी, आर्थिकाश्री स्वाध्यायमतिजी, आर्थिकाश्री प्रशममतिजी, आर्थिकाश्री मुदितमतिजी, आर्थिकाश्री सहजमतिजी, आर्थिकाश्री संयममतिजी, आर्थिकाश्री सत्यार्थमतिजी, आर्थिकाश्री सिद्धमतिजी, आर्थिकाश्री समुन्नतमतिजी, आर्थिकाश्री शास्त्रमति माताजी, आर्थिकाश्री तथ्यमतिजी, आर्थिकाश्री वात्सल्यमतिजी, आर्थिकाश्री पथ्यमतिजी, आर्थिकाश्री संस्कारमतिजी, आर्थिकाश्री विजितमतिजी, आर्थिकाश्री आप्तमतिजी, आर्थिकाश्री स्वभावमतिजी, आर्थिकाश्री धवलमतिजी, आर्थिकाश्री समितिमतिजी, आर्थिकाश्री मननमतिजी।
कुल : 27 (27 आर्थिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर गढ़ा जबलपुर (म.प्र.) - 482003
सम्पर्क : मट्टू जैन : 9425026812, 9518633242
- (38) आर्थिका श्री मृदुमतिजी, आर्थिकाश्री निर्णयमति जी, कुल : 2 (2 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन बड़ा मंदिर सभा भवन पिडरई जि. मंडला (म.प्र.) 481668
सम्पर्क : बसंत 9425164719, 9479730897, प्रमोदजैन : 9425483511
- (39) आर्थिकाश्री ऋजुमतिजी : आर्थिकाश्री सरलमतिजी, आर्थिकाश्री शीलमतिजी, आर्थिकाश्री असीममतिजी, आर्थिकाश्री गौतममतिजी, आर्थिकाश्री निर्वाणमतिजी, आर्थिकाश्री मार्दवमतिजी, आर्थिकाश्री मंगलमतिजी, आर्थिकाश्री चारित्र्यमतिजी, आर्थिकाश्री श्रद्धामतिजी, आर्थिकाश्री उत्कर्षमति माताजी। कुल : 11 (11 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जि. दमोह (म.प्र.) 470772
सम्पर्क : संतोष सिंघई : 9425611762
दिलीप : 9009709206, विनय सुनवाहा : 9425141638
- (40) आर्थिका तपोमतिजी : आर्थिकाश्री सिद्धांतमतिजी, आर्थिकाश्री नम्रमतिजी, आर्थिकाश्री विनम्रमतिजी, आर्थिकाश्री अतुलमतिजी, आर्थिकाश्री अनुगममतिजी, आर्थिकाश्री उचितमतिजी, आर्थिकाश्री विनयमतिजी, आर्थिकाश्री संगतमतिजी,
- आर्थिकाश्री लक्ष्यमतिजी माताजी।
कुल : 10 (10 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर डोंगरगढ़ प्रतिभास्थली छत्तीसगढ़ 491445
सम्पर्क : 9425563160, 9301001473, 9425555520
- (41) आर्थिका सत्यमतिजी, आर्थिका हेमश्रीजी, कुल : 2 (2 आर्थिका, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर पहाड़ी (निवारी) जि. कटनी (म.प्र.) 483442
सम्पर्क : आस्था : 7974604119
- (42) आर्थिकाश्री गुणमतिजी, आर्थिकाश्री ध्येयमतिजी, आर्थिकाश्री आत्ममतिजी, आर्थिका संयतमति माताजी।
कुल : 4 (4 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर शाहपुर जिला सागर (म.प्र.) 470669
सम्पर्क : मुन्ना भैया : 7415636167
- (43) आर्थिकाश्री प्रशांतमतिजी : आर्थिकाश्री विनतमतिजी, आर्थिकाश्री विशुद्धमतिजी कुल : 3 (3 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दि. जैन सिंघई मंदिर शाहगढ़ (म.प्र.) 470339
सम्पर्क : नरेन्द्र 9425437400
- (44) आर्थिका श्री पूर्णमतिजी : आर्थिकाश्री शुभ्रमतिजी, आर्थिकाश्री साधुमतिजी, आर्थिकाश्री विशदमतिजी, आर्थिकाश्री विपुलमतिजी, आर्थिकाश्री मधुरमतिजी, आर्थिकाश्री कैवल्यमतिजी, आर्थिकाश्री सतर्कमतिजी,
कुल : 8 (8 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर कुण्डलपुर 470772
सम्पर्क : संतोष सिंघई : 9425611762
दिलीप : 9009709206, विनय सुनवाहा : 9425141638
- (45) आर्थिकाश्री अनंतमति माताजी, आर्थिकाश्री विमलमतिजी, आर्थिकाश्री निर्मलमतिजी, आर्थिकाश्री शुक्लमतिजी, आर्थिकाश्री आलोकमतिजी, आर्थिकाश्री संवेगमतिजी, आर्थिकाश्री निर्वेगमतिजी, आर्थिकाश्री सविनयमतिजी, आर्थिकाश्री समयमतिजी, आर्थिकाश्री शोधमतिजी, आर्थिकाश्री शाश्वतमतिजी, आर्थिकाश्री सुशीलमतिजी, आर्थिकाश्री सुसिद्धमतिजी, आर्थिकाश्री सुधारमतिजी, आर्थिकाश्री उदारमतिजी,

- आर्थिकाश्री संतुष्ट मतिजी, आर्थिकाश्री निकटमतिजी, आर्थिकाश्री अमितमतिजी, आर्थिकाश्री निसर्गमतिजी।
कुल : 19 (19 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर वंडा जि. सागर (म.प्र.) 470335
सम्पर्क : ब्र. विनय भैया वंडा 9406567789
- (46) आर्थिका भावनामतिजी : आर्थिकाश्री सद्यमतिजी, आर्थिका भक्तिमति माताजी
कुल : 3 (3 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर वंडा जि. सागर (म.प्र.) 470335
सम्पर्क : अध्यक्ष अशोक : 9300057199
उमेश : 9399531168
- (47) आर्थिका कुशलमतिजी, कुल : 1 (1 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर तह. सीहोरा खितौला जि. जबलपुर (म.प्र.) 483225
सम्पर्क : मनोज : 9893625600
- (48) आर्थिका श्री धारणामति माताजी, आर्थिका श्री शैलमति माताजी
कुल : 2 (2 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर करपुर जिला सागर (म.प्र.) 470337
सम्पर्क : मनोज जी 9893625600
- (49) आर्थिकाश्री प्रसन्नमति माताजी,
कुल : 1 (1 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र सुमति सागर छात्रा वास सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 475685
- (50) आर्थिकाश्री आदर्शमतिजी : आर्थिकाश्री दुर्लभमतिजी, आर्थिकाश्री अंतरमति, आर्थिकाश्री अनुनयमति, आर्थिकाश्री अनुग्रहमति, आर्थिकाश्री अक्षयमतिजी, आर्थिकाश्री अमूर्तमतिजी, आर्थिकाश्री अखण्डमति जी, आर्थिकाश्री अनुपममतिजी, आर्थिकाश्री अनर्घमतिजी, आर्थिकाश्री अनुभवमति जी, आर्थिकाश्री आनंदमतिजी, आर्थिकाश्री अधिगममतिजी, आर्थिकाश्री अमंदमतिजी, आर्थिकाश्री अभेदमतिजी, आर्थिकाश्री श्वेतमतिजी, आर्थिकाश्री उद्योतमतिजी, आर्थिकाश्री स्वस्थमतिजी, आर्थिकाश्री गन्तव्यमतिजी, आर्थिकाश्री पृथ्वीमतिजी, आर्थिकाश्री निर्मदमतिजी, आर्थिकाश्री विनीतमतिजी, आर्थिकाश्री मेरुमतिजी,

- आर्थिकाश्री परमार्थमति जी, आर्थिकाश्री ध्यानमति माताजी, आर्थिकाश्री विदेहमतिजी, आर्थिकाश्री अवायमतिजी, आर्थिकाश्री अदूरमति माताजी।
कुल : 29 (29 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)+ 406 प्रतिभामंडल की ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र पपोरा जी टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001
सम्पर्क : विजय तेवरैया : 9893916688
- (51) आर्थिकाश्री अपूर्वमतिजी, आर्थिकाश्री अनुत्तरमतिजी, आर्थिकाश्री अगाधमति माताजी
कुल : 3 (3 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन चन्द्रप्रभ जिनालय मंदिर सिरोंज (म.प्र.) 464228
सम्पर्क : डॉ. राजीव बंटी : 9826754411
- (52) आर्थिकाश्री पुराणमति माताजी, आर्थिकाश्री दिव्यमति माताजी
कुल : 2 (2 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रेमपुरी मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)
सम्पर्क : 9433239929
- (53) आर्थिकाश्री सकलमतिजी, कुल्लिका शिवमति जी, कुल्लिका सुन्दरमतिजी, कुल : 3 (1 आर्थिका, 2 कुल्लिका, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : विद्या श्रीमी आश्रम वसुन्धरा मधुवन होम्स के वाजू में दमोह (म.प्र.) 470661
सम्पर्क : रश्मि : 8178978288
- (54) आर्थिकाश्री उपांशमतिजी, आर्थिकाश्री ओंकारमतिजी, आर्थिकाश्री परममतिजी, आर्थिकाश्री चेतनमति माताजी
कुल : 4 (4 आर्थिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर कुण्डलपुर 470772
सम्पर्क : संतोष सिंघई : 9425611762
दिलीप : 9009709206, विनय सुनवाहा : 9425141638
- (55) आर्थिकाश्री अकंपमतिजी : आर्थिकाश्री अमूल्यमतिजी, आर्थिकाश्री आराध्यमतिजी, आर्थिकाश्री अचिन्त्य मतिजी, आर्थिकाश्री अलोल्यमति, आर्थिकाश्री अनमोलमतिजी, आर्थिकाश्री आज्ञामतिजी, आर्थिकाश्री अचलमतिजी माताजी,
कुल : 8 (8 आर्थिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दि. जैन बड़ा मंदिर करेली जि. नरसिंहपुर (म.प्र.) 487221
सम्पर्क : आशीष : 9425467816, 9424635212, 9425169812

- (56) ऐलकश्री संपूर्णसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन नवग्रह अहिंसा तीर्थक्षेत्र सेफई रोड कुनेरा जिला इटावा (उ.प्र.) 206002
सम्पर्क : सुष्मा दीदी : 9559127397
- (57) ऐलकश्री नम्रसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर परोपकारधाम (पिपलेश्वर)
सम्पर्क : चंदी दीदी : 9406747865
- (58) क्षुल्लकश्री ध्यानसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन श्रवणबेलगोल 573135
सम्पर्क : ब्र. प्रदीप भैया : 9826144654
- (59) क्षुल्लकश्री नयसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री चन्द्रप्रभ दि. जैन मंदिर पीपलू जिला टोंक (राज.) 304801
सम्पर्क : संतभवन : 9414555729, 7791031611, अभिषेक : 8114470158
मनीष : 9784497204
- (60) मुनिश्री समाधिसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर (उ.प्र.) 250404
सम्पर्क : मुकेश : 9412551909
- (61) मुनिश्री मंगलानंदसागरजी महाराज, क्षुल्लक सहजसागरजी,
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : तीस चौबीसी जिनालय तीर्थ क्षेत्र बड़ा मंदिर बड़ागांव खेकड़ा जि. बागपथ (उ.प्र.) 250101
सम्पर्क : नीलेश : 7509757381
- (62) मुनि श्री नमितसागर जी, मुनि श्री भास्वतसागर जी (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर धर्म समाज विकास टस्ट मलकापुर जिला बुलढाना (महा.) 443101
सम्पर्क : सचिन : 9028694415
सुहास चवरे : 9028293521
- (63) मुनि श्री विशोधसागर जी, क्षुल्लकश्री प्रशमसागरजी कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर

अशोका गार्डन भोपाल (म.प्र.)

ब्र. विकास भैया : 7974004290

- (64) आर्थिकाश्री विज्ञानमती माताजी, आर्थिकाश्री आदित्यमती माताजी, आर्थिकाश्री संभवमति माताजी, आर्थिकाश्री शरदमति माताजी, आर्थिकाश्री चरणमतिजी, आर्थिकाश्री उदितमति माताजी आर्थिकाश्री शरणमतिजी, आर्थिकाश्री सुवीरमतिजी, आर्थिकाश्री सुयशमति माताजी, आर्थिकाश्री रजतमति माताजी,
कुल : 10 (10 आर्थिकाएँ) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री चन्द्रप्रभ दि. जैन अतिशय क्षेत्र तिजारा जि. अलवर (राज.) 301411
सम्पर्क : डॉ. नम्रता दीदी : 9993967184
फोन : 01469-262119
कवि-कमलेश बसंत 9414726039
पण्डित रमेशचंद जैन : 9057894282
- (65) आर्थिकाश्री पवित्रमती माताजी, आर्थिकाश्री वरदमती माताजी, आर्थिकाश्री करणमति माताजी, कुल : 3 (3 आर्थिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर आदिनाथ कॉलोनी जयपुर रोड मदनगंज किशनगढ़ (राज.) 305801
सम्पर्क : अजय सोनी : 9414011422,
- (66) आर्थिकाश्री प्रतिभामतिजी आर्थिकाश्री सुयोगमतिजी, महाराज,
कुल : 5 (3 मुनिराज, 2 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर बाहुबली कॉलोनी ललितपुर (उ.प्र.) 284122
सम्पर्क : संजीव सोरया 9839489687
- (67) क्षुल्लकश्री हर्षितसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक)
चातुर्मास स्थली : श्री दि. जैन मंदिर सुल्तानगंज तह. बेगमगंज जिला रायसेन (म.प्र.) 813213
सम्पर्क : चक्रेश जैन : 9981233880

वर्तमान में आचार्य श्री

विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित शिष्य

107 मुनिराज, 160 आर्थिका माताजी, 7 ऐलक, 4 क्षुल्लक, कुल : 278
अन्य : 14 मुनिराज + 17 आर्थिका माताजी + 7 क्षुल्लक + 2 क्षुल्लिका कुल : 38
(1 आचार्य, 120 मुनिराज, 177 आर्थिका, 7 ऐलक, 11 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका) कुल : 318

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	आचार्य आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज मुनिश्री अनुपमसागरजी महाराज मुनिश्री आत्मीयसागरजी महाराज मुनि श्री आत्मासागर जी महाराज आर्यिकाश्री सुदर्शनमति माताजी आर्यिकाश्री अभेदमति माताजी आर्यिकाश्री अजितमति माताजी एलकश्री अभिक्षणसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुकल्याणमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज आचार्यश्री गयासागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर भवन मिहिजाम नगर झारखंड 815354 कार्तिक भैया : 8290886514 8252634199 कुल - 9 1 आचार्य 3 मुनिराज 3 आर्यिका माता जी 1 एलक, 1 क्षुल्लिका
(2)	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनि अनुकरणसागर जी महाराज मुनि अनुचरणसागर जी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री प्रज्ञामति माताजी आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री सुहृदमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशस्तमति माताजी आर्यिकाश्री शशांकमति माताजी क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज मुनिश्री दयासागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लोहारिया (राज.) 327605 मो. 9122017361 मो. 9712381722 कुल - 10 1 आचार्य, 3 मुनि, 1 गणिनी आर्यिका 4 आर्यिका, 1 क्षुल्लिका
(1)	मुनि स्वयंभूसागर जी महाराज मुनि श्री अनुशरणसागर जी महाराज	आचार्य योगेन्द्रसागर जी महाराज आचार्य अनुभवसागर जी महाराज	श्री दि. जैन मंदिर विजयनगरगुजरात 383460
(2)	आर्यिका अनुप्रेक्षामति माताजी आर्यिका अनुश्रुतमति माताजी आर्यिका अनुभूतमति माताजी	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नातेपोते जिला सोलापुर महाराष्ट्र 413109 डॉ. तेजश 9890097813
(3)	मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अजेयसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर नगरा झांसी उ.प्र. 284001 पास : 9336004021
(3)	आचार्य श्री आदर्शसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सिद्धसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अर्हत्सागरजी महाराज	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य आदर्शसागरजी महाराज आचार्य आदर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तैरापंथी कोठी सोनागिर 825329
(1)	मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आर्यिका प्रवेशमति माताजी आर्यिका सुप्रज्ञा माताजी आर्यिका स्वर्णश्री माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री सुकमालनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चंदुजी का गढ़ा जिला बांसवाड़ा (राज.) 327021
(2)	आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चिखली डुंगरपुर राजस्थान 331803
(4)	आचार्यश्री आनंदसागरजी म. 'मौनप्रिय'	आचार्यश्री मुनिसुव्रतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन ध्यानतीर्थ बसंतकुंज दिल्ली 110070
(5)	आचार्यश्री अनुभवनंदीजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर
(6)	आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज ऐलाचार्यश्री क्षमाभूषणजी महाराज मुनिश्री भव्यभूषणजी महाराज	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मवाना मेरठ (उ.प्र.) 250401
(1)	मुनिश्री निर्वाणभूषणजी महाराज मुनिश्री भावभूषणजी महाराज	आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज	प्राचीन दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) मुकेश: 9412551909
(7)	आचार्य चंद्रसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुनिधीमति माताजी आर्यिका सिद्धांतमति माताजी आर्यिका श्री शरयमति माताजी आर्यिका श्री शीतलमति माताजी क्षुल्लक श्री सुदर्शनसागर जी महाराज क्षुल्लिका रिद्धिमति माताजी क्षुल्लिका सुशान्तमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी आचार्यश्री कनकनंदी महाराजजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र बरसी तह. सलुम्बर जिला उदयपुर राजस्थान 313027 मो. 8949684195 कुल - 8 1 आचार्य, 4 आर्यिका, 1 क्षुल्लक 2 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	आर्यिकाश्री चिन्मयमति महाराज क्षुल्लिकाश्री चैत्यमति माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसियाजी रेवाड़ी हरियाणा 123401 सुनील सराफ 9416882301
(2)	आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी क्षुल्लिका सुभ्रममति माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री सुपाश्वसागरजी महाराज	श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोला जिला हासन कर्नाटक 571606
(3)	एलकश्री आदर्शसागरजी महाराज	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैसीनगर जिला सागर (म.प्र.) 470125
(8)	आचार्य श्री क्षीरसागरजी महाराज (आचार्य पद केचनसागर जी महाराज)	आचार्यश्री सन्मानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बिहारी कॉलोनी दिल्ली 110032
(9)	आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज मुनिश्री एकत्वसागरजी महाराज आर्यिका पावापुरीमति माताजी आर्यिका श्री शाश्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री स्वात्ममति माताजी क्षुल्लिका श्री समकितश्री माताजी क्षुल्लिका श्री पुरुषार्थमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज	श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन प्राचीन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404 मुकेश: 9412551909 कुल - 7 1 आचार्य, 1 मुनि, 3 आर्यिका 2 क्षुल्लिका
(10)	आचार्यश्री दयासागरजी महाराज क्षुल्लकश्री योगभूषणजी महाराज क्षुल्लकश्री हर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री नेमीसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री कुमुदन्दीसागरजी महाराज	श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेमगिरी बंडा जिला सागर (म.प्र.) 470335
(11)	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज 2 मुनिश्री सुपाश्वसेन जी महाराज 3 मुनिश्री अमितसेन जी महाराज 4 मुनिश्री दिव्यसेन जी महाराज 5 आर्यिकाश्री विशालमति माताजी 6 आर्यिका सुवर्णमति माताजी 7 क्षुल्लक श्री मल्लिसेनजी महाराज 8 क्षुल्लक श्री भद्रसेनजी महाराज 9 क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्य सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर आचार्यश्री शान्तिनाथजी अनाथ छात्रावास रत्नत्रयपुरी सेडवाल तालुका कागवाड़ा जिला बेलगांव कर्नाटक 591223 मो. 8431211008 मो. 9448271008 कुल - 9, 1 आचार्य, 3 मुनि 2 आर्यिका, 2 क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
(1)	मुनिश्री वज्रसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नंदगांव तालुका हथनी जिला बेलगांव कर्नाटक 591304
(2)	मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर निडोणि तह बबलेश्वर जिला विजयापुर कर्नाटक 586113
(3)	मुनिश्री वृषभसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर सनाल तालुका जमखंडी जिला बागलकोट कर्नाटक 587301
(4)	क्षुल्लिकाश्री वृषभमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री शान्तिनाथ दि. जैन मंदिर नादनी तालुका सिरोल जिला सोलापुर महाराष्ट्र 416102
(5)	मुनिश्री महिमासागरजी महाराज मुनि श्री समाधिसेनजी महाराज गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी आर्यिकाश्री महोत्सवमति माताजी आर्यिका श्री निर्जामति माताजी आर्यिका श्री निरुप्रहमति माताजी क्षुल्लकश्री निर्मोहसागर महाराज	आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज आचार्य श्री गुलाबभूषण जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी मुनिश्री महिमासागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर आचार्यश्री देशभूषण आश्रम गुरुकुल कोथली कुपनवाडी तालुका चिक्कोडी जिला बेलगांव कर्नाटक 591287 मो. 9108558103 मो. 9900108703 कुल - 8, 2 मुनि, 1 गणिनी आर्यिका, 4 आर्यिका, 1 क्षुल्लक

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(6)	आर्यिका अजितमति माताजी आर्यिका सुमतिमती माताजी आर्यिका सुवर्णमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज मो. 6363238529	श्री वासुपूज्य दि. जैन मंदिर काडापुर तालुका चिकोडी जिला बेलगांव कर्नाटक 591247 मो. 9845975748
(7)	मुनिश्री मुक्तिसागरजी महाराज	मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज मो. 9986471488	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अक्कोल तह चिकोडी जिला बेलगांव कर्नाटक 591124
(8)	मुनिश्री ज्ञानभूषणसागरजी महाराज	मुनिश्री अर्हतबलि महाराज जी मो. 7022631348	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चडचन जिला बीजापुर कर्नाटक 588101 मो. 9448141473
(12)	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज मुनिश्री सिद्धकीर्तिजी महाराज मुनिश्री उत्कर्षकीर्तिजी महाराज मुनिश्री आर्षकीर्तिजी महाराज आर्यिकाश्री स्वयंश्री माताजी क्षुल्लिका सुशीलश्री माताजी क्षुल्लिका सुलभश्री माताजी क्षुल्लिका श्रेयसश्री माताजी क्षुल्लिका सुपद्ममति माताजी क्षुल्लिका चारित्र्यश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नवकार तीर्थ जैन नॉलेज सिटी मालखेनी चांदवा हाईवे नं. 3 जिला नासिक महाराष्ट्र 423117 मो. 9404006108 मो. 9420079319 मो. 9860544906 कुल- 10, 1 आचार्य, 3 मुनि 1 आर्यिका, 5 क्षुल्लिका
(1)	मुनिश्री मनमितसागरजी महाराज	उपाध्याय मयंकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चिम्पेश्वर महाराष्ट्र
(2)	मुनिश्री सिद्धांतकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लोहा जिला
(3)	मुनिश्री पावनकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जयनगर 3 ब्लॉक बैंगलोर कर्नाटक 560041
(4)	मुनिश्री शुभमकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पारले पाईट सूरत (गुजरात) 395007
(5)	मुनिश्री अमरकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अमोघकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मदारगिरि जिला हासन कर्नाटक 560090
(6)	मुनिश्री यशकीर्तिसागर जी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चिंचवाड जिला सांगली महाराष्ट्र 410596
(7)	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज मो. 9588888838	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिशयक्षेत्र गजपंथा जिला नासिक महाराष्ट्र 422004
(8)	मुनिश्री दिव्यसागरजी महाराज	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेनूर जिला मंगलूर कर्नाटक 560002
(9)	मुनिश्री अमितनजयकीर्तिजी महाराज क्षुल्लकश्री सुदर्शनसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री जिनकीर्तिजी महाराज क्षुल्लकश्री सुविद्यान्दीजी महाराज	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री शिवसागरजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शांतिसागर आश्रम भूतवाल बीजापुर कर्नाटक 588101
(10)	मुनिश्री सकलकीर्तिजी महाराज क्षुल्लक अर्ककीर्तिजी महाराज मो. 9829011196	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज मो. 9024111321	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर बरकतनगर जयपुर राजस्थान 302015
(11)	आर्यिका सम्यकश्री माताजी क्षुल्लिका विनयश्रीमाताजी	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कवदहल्ली जिला हासन कर्नाटक 573201
(12)	आर्यिका कांतिश्री माताजी आर्यिका स्वस्ति श्री माताजी	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेझ जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416504

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(13)	आर्यिकाश्री सुज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री प्रज्ञाश्री माताजी	आचार्य देवन्दीजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बोरीबली ईस्ट मुंबई 400092
(14)	क्षुल्लिका सुलब्धश्री माताजी	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गजपंथा जिला नासिक महाराष्ट्र 422004
(13)	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज	आचार्यश्री अर्हतबलिजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी सोनागिर जिला दतिया म.प्र.
(14)	आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज मुनिश्री शांतिसेनजी महाराज गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी गणिनी आर्यिकाश्री मुक्तिलक्ष्मी माताजी आर्यिकाश्री निर्वाणलक्ष्मी माताजी गणिनी आर्यिकाश्री धर्मेश्वरी माताजी क्षुल्लिका मंगलमती माताजी क्षुल्लिकाश्री चन्द्रमतिजी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्वाणलक्ष्मी माताजी आचार्यश्री अर्हतबलिजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री देशभूषणजी महाराज	श्री धर्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्यागी तपोवन धर्मनगर नेमिश्रीरगांव तालुका सिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416101 रुनेह दीदी : 9604318208 मो. 9552768108 सुरेश पाटील: 9511296741
(15)	बालाचार्य सिद्धसेनजी महाराज एलकश्री शांतिसेनजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हलगा जिला बेलगांव कर्नाटक 590001
(16)	बालाचार्य जिनसेनजी महाराज मुनिश्री अजितसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री पद्मकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज बालाचार्य जिनसेन जी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुगनोली जिला बेलगांव कर्नाटक 416406 सुभाष पाटील : 9762911008
(17)	आचार्यश्री धर्मानंदजी महाराज मुनिश्री पार्श्वसेनजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुंभोज बाहुबली महाराष्ट्र 416110 मो. 8055781131
(18)	आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज क्षुल्लक योगेश्वरजी महाराज क्षुल्लक विमलेश्वजी महाराज क्षुल्लिका विशुद्धमतिजी	आचार्यश्री बाहुबलीजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऐनापुर जिला बेलगांव कर्नाटक 591303
(1)	आर्यिकाश्री सुप्रभामति माताजी	आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज	श्री दि. जैन मंदिर मानगांव जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 402104
(2)	आर्यिकाश्री श्रुतदेवी माताजी आर्यिकाश्री सुज्ञानी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टपुकड़ा जिला अलवर राजस्थान 301707 मो. 6360774591
(3)	गणिनी आर्यिका शांतिमति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पंडरपुर जिला सोलापुर महाराष्ट्र 413304
(4)	आर्यिका श्री धर्ममति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज मो. 8263984270	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हुपरी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416203
(5)	आर्यिकाश्री सुभद्रामति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन समेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 815301
(20)	आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज क्षुल्लिकाश्री ज्ञानगंगा माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवर्षा माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवाणी माताजी	आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फिरोजपुर झिरका जिला नूह हरियाणा 122104 भारती दीदी: 9654607811 सतीश: 9316476614
(21)	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज मुनिश्री गेयसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री अक्षतमति माताजी	आचार्यश्री सुमत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री कुन्दकुन्द आचार्य शांतिनाथ दि जैन अतिशय क्षेत्र नसिया बारा राजस्थान 325205 अनिता दीदी: 9399685919
(1)	आर्यिकाश्री कुमुदमति माताजी	आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजगढ़ तह. तिजारा जिला अलवर राजस्थान

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(2)	आर्थिकाश्री अंतसमति माता जी आर्थिकाश्री विजितमति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र चमत्कारजी आलनपुर सवाईमाधेपुर राजस्थान 322021
(22)	आचार्यश्री गुलाबभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज ब्र. प्रदीप भैया: 9826144654	श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोल जिला हासन कर्नाटक 573135
(23)	ऐलाचार्य त्रिलोकभूषणजी महाराज गणिनी आर्थिका श्री मुक्तिभूषण माताजी गणिनी आर्थिका श्री दृष्टिभूषण माताजी गणिनी आर्थिका श्री अनुभूति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ा गांव तह. खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) 251201 नवीन भैया : 9899595584 8392841885
(24)	ऐलाचार्यश्री प्रभावनाभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर मंदिर मंडी बाभोरा जिला सागर (म.प्र.) 464240
(25)	ऐलाचार्य अतिवीरसागरजी महाराज क्षुल्लक प्रारंभसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर घीयागंज मथुरा (उ.प्र.) 281001
(26)	आचार्यश्री मेरूभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एम.डी. जैन कॉलेज हरी पर्वत आगरा (उ.प्र.) 282002
(27)	आचार्यश्री पारससागरजी महाराज उपाध्याय अभिनंदसागरजी महाराज मुनिश्री सुधर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री मेरूभूषणजी महाराज आचार्यश्री पारससागर जी महाराज आचार्यश्री पारससागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरी जिला छतरपुर (म.प्र.) 400702 मो. 7725057314
(1)	मुनिश्री शिवभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ठाकुर द्वार मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 251001
(2)	गणिनी आर्थिकाश्री सरस्वतीभूषण माताजी क्षुल्लिका शांतिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गली नं 2 कैलाशनगर दिल्ली 110031
(3)	गणिनी आर्थिकाश्री लक्ष्मीभूषणमति माताजी आर्थिकाश्री आश्रमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नलखेड़ा जिला आगरा (म.प्र.) 465445 मो. 8889975669
(4)	गणिनी आर्थिकाश्री सुष्टिभूषणमति माताजी क्षुल्लिका तृप्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोसीकलां जि. मथुरा (उ.प्र.) 281403 नेहा दीदी : 9660403861
(5)	गणिनी आर्थिकाश्री स्वस्तिभूषणमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अर्हमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज प्रिया दीदी : 9782063107	श्री मुनिसुब्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सन्मति नगर स्वस्तिधाम जहाजपुर जिला भीलवाड़ा राजस्थान 311201
(6)	क्षुल्लक ध्यानभूषण जी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर किरि मोहल्ला विदिशा (म.प्र.) 464001
(7)	क्षुल्लिका पूजाभूषण माताजी क्षुल्लिका भक्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र चौबीस समोशरण पूजाभक्ति तीर्थ सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 475685
(28)	आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज मुनिश्री नेमिसागरजी महाराज मुनि श्री नमनसागर जी महाराज आर्थिकाश्री नम्रमति माताजी आर्थिकाश्री नूतनमति माताजी आर्थिकाश्री नयनमति माताजी आर्थिकाश्री नीतिमति माताजी क्षुल्लकश्री नमिसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सत्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नमनमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नयचक्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नवमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सत्यमति माताजी	गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नवग्रह तीर्थ बरूर तालुका हुवली जिला धारवाड़ कर्नाटक 577431 मो. 9901555454 मो. 9900978748 मो. 8970186960 कुल- 13 1 आचार्य, 2 मुनि, 4 आर्थिका 1 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(29)	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज मुनिश्री विमलगुप्तसागर जी महाराज मुनिश्री विनयगुप्तसागर जी महाराज आर्थिकाश्री आस्थाश्री माताजी क्षुल्लकश्री धर्मगुप्तजी महाराज क्षुल्लकश्री शांतिगुप्तजी महाराज क्षुल्लिका धन्यश्री माताजी क्षुल्लिका तीर्थश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री कुंथुनाथ दिगम्बर जैन मंदिर धर्मतीर्थ कचनेर जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र 431105 नितिन भैया : 9422147288 8100133333 कुल-8 1 आचार्य, 2 मुनि, 1 आर्थिका 2 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
(1)	मुनिश्री सुयशगुप्तजी महाराज मुनिश्री चन्द्रगुप्त जी महाराज आर्थिका सुग्रीवमति माताजी आर्थिका सुनीतिमति माताजी क्षुल्लिका सुगन्धमति माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आर्थिका श्री श्रेयांशमति माताजी आचार्य सुविधिसागर जी महाराज आर्थिका सुग्रीवमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मठ नादनी तालुका सिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102 मो. 6361220978 मो. 9970814977
(30)	आचार्यश्री गिरनारसागरजी महाराज मो. 9029942061	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज लक्ष्मी दीदी: 6305369360	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अदवास तह. सराड़ा जिला उदयपुर राजस्थान 313703
(31)	आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आर्थिका आदित्यश्री माताजी आर्थिका विशाश्री माताजी आर्थिका दीप्तिश्री माताजी आर्थिका भित्तश्री माताजी	आचार्य श्री गुणनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चंदूर तालुका इचलकरंजी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416116
(32)	आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज मुनिश्री क्षमानंदीजी महाराज मुनि श्री निपुणनंदी जी महाराज मुनिश्री निर्भयनंदी जी महाराज आर्थिकाश्री मुक्तिश्री माताजी आर्थिकाश्री कनकश्री माताजी आर्थिका जयश्री माताजी आर्थिका शुद्धश्री माताजी क्षुल्लक विनम्रनंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री समकितसागरजी महाराज क्षुल्लिका संयमश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र ताखड़ा जिला टोंक राजस्थान 304001 ब्र. मनोरमा दीदी: 8696376131 कुल-10 1 आचार्य, 3 मुनि, 4 आर्थिका 1 क्षुल्लक, 1 क्षुल्लिका
(33)	आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आर्थिकाश्री पावनश्री माताजी आर्थिकाश्री पवित्रश्री माताजी क्षुल्लिका दिव्यश्री माताजी	आ. सन्मत्तिसागरजी म. (तपस्वी सम्राट) आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेड़िया जिला पंचमहल गुजरात 251201 मो. 9909055505
(34)	गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज मुनि श्री अनुपमकीर्तिजी महाराज मुनि श्री विश्वतीर्थसागर जी महाराज मुनिश्री अभयनंदीजी महाराज मुनिश्री शांतिनंदीजी महाराज गणिनी आर्थिका क्षेमश्री माताजी आर्थिकाश्री मुक्तिमति माताजी आर्थिकाश्री कीर्तिवाणी माताजी आर्थिकाश्री चिंतनश्री माताजी आर्थिकाश्री नयनमति माताजी आर्थिकाश्री कुसुमश्री माताजी आर्थिकाश्री दर्शनश्री माताजी आर्थिकाश्री सुदीक्षाश्री माताजी आर्थिकाश्री रिद्धिश्री माताजी क्षुल्लकश्री अभिनंदननंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री सुनिश्चय नंदी जी महाराज	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्य श्री कुशागनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री सौभाग्यमति माताजी आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामलिंगरोड दहेम श्रीनगर कुंथुगिरि जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416123 ब्र. विमल भैया : 9922415108 घासीराम : 7350395908 54वें वर्षयोग कुल-20, 1 आचार्य, 4 मुनि, 1 गणिनी आर्थिका, 8 आर्थिका 2 क्षुल्लक, 4 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
17	क्षुल्लिका श्री सुमैत्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
18	क्षुल्लिका श्री सुमित्रमाताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
19	क्षुल्लिका श्री सिद्धिमाताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
20	क्षुल्लिका गुणश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
(1)	मुनि श्री श्रुतधरनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दि. जैन मंदिर भहिंदर मुंबई 401101
(35)	आचार्यश्री कर्मविजयनंदी जी महाराज क्षुल्लक श्री सुविधि सागर जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बोरीबली मुंबई महाराष्ट्र 400092 मनेजर : 7700937286
(1)	गणिनी आर्थिका सम्मेशिखर माताजी क्षुल्लिका संयममति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज	श्री दि. जैन मंदिर थानागाजी जिला अलवर राजस्थान 301022
(36)	आचार्यश्री निश्चयसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र निश्चयगिरि कर्नाटक हाडवे 1115
(37)	आचार्य श्री नवीनसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सम्भवनंदी जी महाराज	आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज मनोज गंगवाल: 9422261604	श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्राचीन तीर्थ क्षेत्र अंजनगिरी जिला नासिक महाराष्ट्र 420003
(1)	आर्थिका चिन्मयश्री माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कतार गांव सूरत गुजरात 395004
(38)	आचार्यश्री कुमुदनंदीजी महाराज उपाध्याय श्री आदीशसागरजी महाराज उपाध्याय श्री रविनंदी जी महाराज आर्थिका सुनंदामति माताजी क्षुल्लिका सुलोचनामति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुमुदनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्य श्री सुवाहुसागरजी महाराज आचार्यश्री सुवाहुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गजपंथा जिला नासिक महाराष्ट्र 422004 मो. 8770278892
(39)	आचार्यश्री कंचनसागरजी महाराज	आचार्यश्री कनकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर उनयारा खुर्द तह. मालपुर जिला टोंक राजस्थान 304024
(40)	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज मुनिश्री अध्यात्मनंदीजी महाराज मुनिश्री सुविधसागरजी महाराज आर्थिका सुवत्सलमति माताजी आर्थिका सुवात्सल्यमति माताजी क्षुल्लिका सुविक्षमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुविक्षमति माताजी क्षुल्लिकाश्री शांतिश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री श्रेयांसश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गलियाकोट पुनर्वास कॉलोनी सांगवाड़ा जिला डूंगरपुर राजस्थान 314025 सोहनलाल: 9351665465 कुल-9 1 आचार्य, 2 मुनि, 2 आर्थिका 4 क्षुल्लिका
(41)	आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज मुनिश्री अजयश्री महाराज क्षुल्लक अरहतश्री महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पारस बिहार मुहाना मंडी जयपुर राजस्थान मो. 9021761555
(42)	आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदीजी महाराज मुनिश्री उत्कर्षसागरजी महाराज मुनिश्री बाहुबलिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री दर्शनकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन कल्पवृक्ष कलशाकार तीर्थ फर्दापुर ताड़ा तातुका सेरांग जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र 431120 सपना दीदी: 9372053006
(43)	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज मुनि श्री नयनसागर जी महाराज मुनिश्री धरसेनसागरजी महाराज आर्थिकाश्री निर्लेपमति माताजी क्षुल्लकश्री अजितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी (भिण्ड) आचार्य श्री निर्मलसागर जी महाराज आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र विश्वशांती निर्मल ध्यान केन्द्र रूपायतन रोड भावना तलेटी गिरनारजी जिला जूनागढ़ सौराष्ट्र 362004 ब्र. सुमत भैया : 9426717901
(44)	आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज क्षुल्लिका मनोमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति मंदिर सुसनेर जिला शाजापुर (म.प्र.) मो. 9424578955

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	क्षुल्लकश्री समर्पणसागरजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजगंज गंगा बिहार मुरादाबाद (उ.प्र.) 244001 मो. 9258058080
(45)	आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज आर्थिकाश्री विरागमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र उमटा तह. बिसनगर जिला मेहसाड़ा गुजरात 484320
(46)	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज मुनिश्री शिवदत्तसागरजी महाराज मुनि श्री हेमदत्त सागर जी महाराज मुनिश्री सुदत्तसागरजी महाराज मुनि श्री सोमदत्तसागर जी महाराज मुनि श्री गुरुदत्तसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री चंद्रदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लक विभद्रसागर जी महाराज क्षुल्लक सुभद्रसागर जी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नन्हे मंदिर धर्मशाला आसादीवाड़ दमोह (म.प्र.) 470661 ब्र. सुनील भैया : 8989045490 मो. 7906244838 मो. 7887426601 कुल-9 1 आचार्य, 5 मुनि, 3 क्षुल्लक
(1)	क्षुल्लकश्री सूर्यदत्तसागर जी महाराज	आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सुमतिसागर आश्रम सोनागिर जिला दतिया म.प्र.
(2)	क्षुल्लकश्री जिनदत्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नांदेड महाराष्ट्र
(47)	आचार्य नमोस्तु सागरजी महाराज	आचार्यश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुण्यस्थली मुरादनगर (उ.प्र.) 201206
(48)	आचार्य श्री निशंकभूषण जी महाराज	आचार्य श्री धर्मभूषण जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बिजनौर उ.प्र. 244602
(1)	आचार्यश्री नेमिसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दण्डकारण्य जिला सांगली महाराष्ट्र
(49)	आचार्यश्री निरंजनसागर महाराज मुनिश्री लोकेशसागरजी महाराज आर्थिका श्रेयांसमति माताजी आर्थिका भुवंपंचमीमति माताजी आर्थिका श्रद्धेमति माताजी आर्थिका सुरलमति माताजी आर्थिका विश्वधर्मश्री माताजी आर्थिका श्री सौभाग्यमति माताजी ऐलक स्वस्तिसागर जी महाराज क्षुल्लक चेतननंदी जी महाराज क्षुल्लिका चेतन्यमति माताजी क्षुल्लिका श्रवणमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री पार्श्वसागर जी महाराज आचार्य श्री भरतसागर जी महाराज आर्थिका श्रेयांसमति माताजी आचार्य धर्मसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलिसागर जी महाराज मुनि श्री सन्मत्यसागर जी महाराज आचार्य कुमुदनंदी जी महाराज आचार्य कुंथुसागर जी महाराज आर्थिका श्रेयांसमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोटी मधुवन सम्मेशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 सुधाकर अन्न दांतेर 9860016913 मो. 8789828700 चौगले : 6200428054 कुल-11 1 आचार्य, 1 मुनि, 5 आर्थिका 1 ऐलक, 1 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
(50)	आचार्यश्री प्रसन्नश्री जी महाराज आचार्यश्री पुण्यमति माताजी आर्थिकाश्री पुण्यमति माताजी क्षुल्लक विचक्षणसागर जी महाराज क्षुल्लिका पारणात्मि माताजी क्षुल्लिका प्रेरणामति माताजी	आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नश्री जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नश्री जी महाराज आचार्यश्री शिवसागर जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नश्री जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नश्री जी महाराज	श्री शंकट हरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऋषीतीर्थ एम.एस.जे हाउस लसुडिया परमार ए.वी.रोड इन्दौर 453771 दिलीप जैन: 9009101008 9424631008
(51)	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आर्थिकाश्री पवित्रश्री माताजी आर्थिकाश्री विजयश्री माताजी आर्थिकाश्री धैर्यश्री माताजी आर्थिका श्री व्याख्या श्री माताजी आर्थिका श्री वार्तिक श्री माताजी आर्थिकाश्री प्रशांतश्री माताजी आर्थिकाश्री कुन्दनश्री माताजी आर्थिकाश्री करुणाश्री माताजी आर्थिकाश्री दयाश्री माताजी आर्थिकाश्री दिव्यश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समनेबाडी जिला बेलागांव कर्नाटक 591214 कुल- 10 1 आचार्य, 10 आर्थिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(52)	आचार्यश्री पंचकल्याणकसागर जी महाराज	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेनगढ़ नागपुर महाराष्ट्र 440001
(53)	आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज एलकशी सुशान्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जितूर जिला परभंडी महाराष्ट्र 9527612466
(54)	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज मुनिश्री सौरभसागर जी महाराज आर्थिका श्री पूर्णमति माताजी क्षुल्लकश्री पर्वसागरजी महाराज क्षुल्लिका प्रशांतश्री माताजी 9425048162,	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज 9425306488, 9425306499	श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र पुष्पगिरि भोपाल हाईवे सोनकच्छ जिला देवास (म.प्र.) 4554118 07272290270 9425048187
(55)	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज मुनिश्री पियूषसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री पर्वसागर जी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज	श्री दि. मन्सापूर्ण महावीर क्षेत्र गंग नहर मुरादनगर (उ.प्र.) 201206 मो. 8758590385
(56)	आचार्य प्रमुखसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री पुष्करसागरजी महाराज क्षुल्लिका प्रतीक्षाश्री माताजी क्षुल्लिका प्रीतिश्री माताजी क्षुल्लिका परीक्षाश्री माताजी क्षुल्लिका प्रेक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जावरा जिला रतलाम (म.प्र.) 457001
(1)	मुनिश्री प्रज्ञासागरजी महाराज क्षुल्लक पूज्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भोजग्राम जिला बैलगांव कर्नाटक 591263 सोनु : 7670910521
(2)	मुनिश्री अरुणसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आराध्यधाम सेक्टर 88 फरीदाबाद हरियाणा 121002
(3)	मुनिश्री प्रभावसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र शिकोहपुर गुडगांव हरियाणा
(57)	आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री प्रथमसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सनावद जिला खरगोन (म.प्र.) 450554
(1)	मुनिश्री प्रबलसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिथयक्षेत्र भातकुली महाराष्ट्र 494721
(58)	आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज मुनिश्री प्रणीतसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज अंकित : 9810900399	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली कॉलोनी बांसावाड़ा राजस्थान 327032
(1)	मुनिश्री प्रतीकसागरजी महाराज आर्थिका पूर्णश्री माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र भडारक जी की नसियां सोनागिरि जि. दतिया (म.प्र.) 475685 मो. 7389355743
(2)	मुनि प्रगल्भसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जवाहर बाजार बदनावर जि. धार (म.प्र.) 454660
(3)	मुनिश्री प्रार्थनासागरजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज कपिल : 7389346146	श्री दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र महावीर जी जिला सवाईमाधेपुर राजस्थान 322001
(4)	मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दि. जैन मंदिर बरूर तालुका हुबली जिला धारवाड़ कर्नाटक 590009
(5)	क्षुल्लकश्री प्रारब्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र स्यादवाद शिक्षण 22 नं. सोनागिरि जिला दतिया म.प्र.

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(59)	आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज मुनि श्री स्वयंभूसागर जी महाराज मुनि श्री अर्णसागर जी महाराज मुनिश्री अनुकंपासागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अनुपेक्षासागरजी महाराज क्षुल्लकश्री प्रसिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री दयासागरजी महाराज आचार्य श्री योगेन्द्र सागर जी महाराज आचार्य श्री रयणसागर जी महाराज आचार्य श्री रयणसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आनंदपुर कालू (पाली) राजस्थान 306301 कुल-6 1 आचार्य, 3 मुनि, 2 क्षुल्लक
(60)	आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज बालाचार्यश्री मोक्षसागरजी महाराज मुनिश्री समयसागरजी महाराज आर्थिका चैत्यमति माताजी क्षुल्लिका पुण्यमति माताजी क्षुल्लिका पूज्यमति माताजी	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र त्रियोग आश्रम मधुवन शिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329 प्रदीप भैया : 8780369409 कुल-6, 1 आचार्य, 1 बालाचार्य 1 मुनि, 1 आर्थिका, 2 क्षुल्लिका
(61)	उपाध्याय आत्मसागर जी महाराज उपाध्याय विप्रणतसागर जी महाराज आर्थिका चेतनमति माताजी आर्थिका विजयमति माताजी क्षुल्लक श्रुतसागर जी महाराज क्षुल्लक अचलसागरजी महाराज क्षुल्लक प्रमेयसागरजी महाराज क्षुल्लिका विजयश्री माताजी	आचार्य श्री संभवसागर जी महाराज आचार्यश्री विवेकसागर जी महाराज आचार्य श्री कुमुदन्दी जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज उपाध्यायश्री विप्रणतसागर जी महाराज उपाध्यायश्री विप्रणतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर सिद्ध क्षेत्र सुमतिसागर त्यागीव्रती आश्रम सम्मंद शिखर मधुवन जिला गिरिडीह झारखंड 8255329 आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज उपाध्यायश्री विप्रणतसागर जी महाराज 2 उपाध्याय, 2 आर्थिका, 3 क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
(62)	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्य सुरेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री स्वरूपसागरजी महाराज मुनिश्री सुतीर्थसागरजी महाराज आर्थिका सुबुद्धिमति माताजी क्षुल्लक सौहार्दसागरजी महाराज क्षुल्लक सुश्रेष्ठसागरजी महाराज क्षुल्लिका अश्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन महामृत्युंजय तीर्थ चम्बल तट उदी जिला इटावा (उ.प्र.) 200001 मो. 9074501986 अनुराग जैन : 7500404018 कुल-8 2 आचार्य, 2 मुनि, 1 आर्थिका 2 क्षुल्लक, 1 क्षुल्लिका
(63)	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज मुनिश्री वृषभसागरजी महाराज मुनि श्री विदेह सागर जी महाराज मुनि श्री गुणसागर जी महाराज मुनि श्री श्रुतसागर जी महाराज मुनि श्री निर्भयसागर जी महाराज मुनि श्री सुपार्श्वसागर जी महाराज मुनिश्री अजयसागर जी महाराज मुनिश्री अभयसागर जी महाराज मुनिश्री अचलसागर जी महाराज मुनिश्री अविचलसागर जी महाराज एलकश्री नेमिसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागर जी महाराज	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर अहिंसा चौक सतना (म.प्र.) 485001 सिद्धार्थ : 9893147222 रमेश जैन अध्यक्ष: 9752449155 दिनेश: 9425330695 आनंद जैन: 8839332256 कुल- 12 1 आचार्य, 10 मुनि, 1 एलक
(64)	आचार्य चन्द्रप्रभासागरजी महाराज मुनि श्री सरलसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य चन्द्रप्रभासागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नातेपोते जिला सोलापुर महाराष्ट्र 413109
(1)	मुनिश्री विद्यासागरजी महाराज मुनिश्री शांतिसागरजी महाराज मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन सिटी रोड मदनगंज किशनगढ़ जि. अजमेर राजस्थान, 305801 मो. 9314916778
(2)	मुनि श्री समर्पणसागर जी महाराज मुनिश्री पावनसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बसगढ तालुका पलुम जिला सांगली महाराष्ट्र शीतल: 8007229329
(3)	मुनिश्री वीरसागरजी महाराज	आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मंदशिखर निमिया घाट जिला गिरिडीह झारखंड 825329

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनि श्री स्वभावसागर जी महाराज मुनि श्री पार्श्वसागरजी महाराज मुनिश्री अजिंसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुम्भोज बाहुबली जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416110
(4)	मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज ऐलक श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धर्मगिरि बाटेयांव जिला सांगली महाराष्ट्र 415410
(65)	आचार्य श्री कुलरत्नभूषण जी महाराज	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हलीघडी तालुका जमखंडी जिला बालकोट कर्नाटक 58730
(66)	आचार्य श्री शीतलसागरजी महाराज मुनि श्री प्रशमसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीयागंज जिला मुर्शादाबाद पश्चिमबंगाल 742122
(1)	आर्थिकाश्री श्रुतमति माताजी आर्थिकाश्री स्नेहमति माताजी आर्थिकाश्री वात्सल्य मति माताजी आर्थिकाश्री चंदनमति माताजी आर्थिकाश्री स्वभावमति माताजी आर्थिकाश्री समिति मति माताजी आर्थिकाश्री समतामति माताजी	आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महवीर भवन बारामती महाराष्ट्र 413102 मो. 9970000046
(67)	आचार्यश्री सच्चिदानंदजी महाराज गणिनी आर्थिका क्षमाश्री माताजी क्षुल्लिका काव्यश्री माताजी क्षुल्लिका निकांक्षश्री माताजी	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज गणिनी आर्थिका क्षमाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अडुल जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र 431121 मो. 8830169798
(68)	आचार्य सुवीरसागर जी महाराज आर्थिका श्री सुपाश्वर्यमति माताजी क्षुल्लक श्री सुप्रयत्नसागर जी महाराज क्षुल्लिका श्री सुधैर्यमति माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर नागक्षणा बरूर जिला धारवाड कर्नाटक 581207
(69)	आचार्यश्री सूर्यसागरजी अरगकर	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दि. जैन मंदिर लोकर तालुका कागवाड जिला बेलगांव कर्नाटक
(70)	आचार्यश्री सुरदेवसागरजी महाराज आर्थिका केवल्यश्री माताजी क्षुल्लिका कर्तव्यश्री माताजी	आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन वर्द्धमान तीर्थक्षेत्र आड रोड सिसावा जिला सिरोंही राजस्थान 307026
(71)	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनिश्री संतोषसागरजी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री समतामति माताजी गणिनीश्री समर्थमति माताजी आर्थिकाश्री संस्कारमति माताजी आर्थिकाश्री सूर्यमति माताजी क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुयश माताजी क्षुल्लिकाश्री सुगर्भमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनंदामति माताजी क्षुल्लिकाश्री सक्षममति माताजी	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गणधर तीर्थ बेला तह. पटेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470772 मो. 7869880859 मो. 9131536214 आर.के. जैन इन्वैर: 9425074522 कुल - 12, 1 आचार्य, 2 मुनि, 2 गणिनी आर्थिका, 2 आर्थिका 1 क्षुल्लक, 4 क्षुल्लिका
(72)	आचार्यश्री समतासागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज कन्हैयालाल दोशी: 9413017957	आचार्यश्री विद्यासागर संयम भवन जैन नोहरा बागीचोरा जिला बांसवाड़ा राजस्थान 327601
(73)	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज मुनि श्री शुभसागर जी महाराज मुनिश्री शुभकीर्तिसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुविमलसागर जी महाराज क्षुल्लिका श्री शुभारंभमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुभाशीषमति माताजी क्षुल्लिकाश्री शुभकामनामति माताजी क्षुल्लिकाश्री शुभयोगमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ग्रीन पार्क एक्सटेंशन दिल्ली 110016 सतीश जैन: 9810317440 कुल - 8, 1 आचार्य, 2 मुनि 1 क्षुल्लक, 4 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(74)	आचार्यश्री शशांकसागरजी महाराज मुनि श्री संदेशसागर जी महाराज मो. 7062772602	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज मो. 7891307208	श्री मुनिसुव्रतनाथ दि. जैन पंचायति मंदिर मदनगंज किशनगंज जिला अजमेर राजस्थान शैलेष: 9829086412
(1)	मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कर्नाटक
(2)	आर्थिकाश्री सरसमति माताजी आर्थिकाश्री सुबोधमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मदशिखर नीमियाघाट जिला गिरिडीह झारखंड
(3)	गणिनी आर्थिकाश्री संगममति माताजी आर्थिकाश्री संयोगमती माताजी क्षुल्लिकाश्री सुकौशलमति माताजी क्षुल्लिका श्री संपर्कमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्थिका संगममती माताजी आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्थिका संगममती माताजी	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरि सांवेर जिला अजमेर राजस्थान 302029 मो. 7742787161
(4)	गणिनी आर्थिका सौभाग्यमति माताजी आर्थिकाश्री शिक्षामति माताजी आर्थिकाश्री संक्षेपमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुव्रतामति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्थिका सौभाग्यमति माताजी गणिनी आर्थिका सौभाग्यमति माताजी गणिनी आर्थिका सौभाग्यमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ईसरी बाजार पार्श्वनाथ स्टेशन जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(5)	गणिनी आर्थिका सौहार्दमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरसाड जिला थाने मुम्बई महाराष्ट्र. मो. 9575872330
(6)	आर्थिकाश्री सौरभमति माताजी आर्थिकाश्री सूक्ष्ममति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समनेवाडी महाराष्ट्र
(7)	आर्थिकाश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज क्षुल्लिका बेलामति माताजी क्षुल्लिका तीर्थमति माताजी	आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सन्मत्ति भैया: 7385842939
(8)	क्षुल्लकश्री श्रुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मदशिखर मधुवन जिला गिरिडीह झारखंड
(9)	क्षुल्लकश्री सोपानसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेडकीहॉल जिला बेलगांव कर्नाटक
(10)	क्षुल्लिका संतोषमति माताजी	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन साधुव्रती आश्रम बड़ा गांव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) 250101
(75)	आचार्यश्री सुधर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नागल्या वीलवा टोंक रोड जयपुर राजस्थान 302005
(1)	आर्थिका मुक्तिश्री माताजी	आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जोधपुर राजस्थान
(76)	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज मुनिश्री सुनप्रसागरजी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री सुविधिमति माताजी आर्थिकाश्री सुस्नेहमति माताजी आर्थिका श्री सुप्रभातमति माताजी आर्थिका श्री सुतीर्थमति माताजी आर्थिका श्री सुसमयमति माताजी आर्थिका श्री सुकल्पमति माताजी आर्थिकाश्री सुभयमति माताजी क्षुल्लिका सुधैर्यमती माताजी	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पुडल चेन्नई 600005 मो. 9443063186 मो. 8072400153 मो. 9850441255 कुल - 10 1 आचार्य, 1 मुनि, 1 गणिनी आर्थिका 6 आर्थिका, 1 क्षुल्लिका
(1)	मुनि श्री धैर्यनंदी जी महाराज आर्थिका श्री सुखदमति माताजी	मुनि श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर गैवराई जिला वीड महाराष्ट्र.
(2)	मुनिश्री सुमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री नमनसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुबाहुमति माताजी	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आर्थिका श्री सुविधिमति माताजी	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर टेम्पूर्ण जिला सोलापुर महाराष्ट्र मो. 9420601556 मो. 9552864676

[illegible][illegible]

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	मुनिश्री सुहितसागरजी महाराज मुनिश्री सुयशसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुम्भोज बाहुबलि महाराष्ट्र 416111
(2)	मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर किल्लोशकरवाडी जिला सांगली महाराष्ट्र 416308 मो. 9405601008
(83)	आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन कुंदकुंद भारती 18 इंडस्ट्रीज एरिया कटोरिया सराय दिल्ली 110001
(84)	आचार्यश्री सम्मानसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर (उ.प्र.) 208001
(85)	आचार्य सुबल सागर जी महाराज मुनि श्री अंसंग सागर जी महाराज मुनि श्री अनंग सागर जी महाराज ऐलक श्री अकम्प सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री अनमोल सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री अगम्य सागर जी महाराज	आचार्य सन्मति सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टिकेत नगर जिला बांरावकी (उ.प्र.) 225415 अशोक भैया: 9993719419 गुंजा दीदी: 8085615471 कुल-6, 1 आचार्य, 2 मुनि 1 ऐलक, 2 क्षुल्लक
(86)	आचार्यश्री तीर्थनंदीजी महाराज मुनि श्री भावन्दी जी महाराज	आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य श्री तीर्थनंदी जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गोरेगांव जवाहर नगर मुम्बई 400104
(87)	मुनिश्री तन्मयसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तन्मय भवन सम्पदेशिखर मधुवन जिला गिरिडिह झारखंड 825329 मो. 9425072541
(88)	आचार्यश्री युधिष्ठिरसागरजी महाराज संजय भैया: 8708135851	आचार्यश्री योगेन्द्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु महिला आश्रम महावीरजी जिला करौली राजस्थान 322234
(89)	आचार्य यतिन्द्र सागर जी महाराज	आचार्यश्री योगेन्द्र सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डबरा जिला दतिया (म.प्र.) 425110
(1)	मुनिश्री यादवेन्द्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री योगेन्द्रसागरजी महाराज	
(2)	मुनिश्री संस्कारसागर जी महाराज	आचार्यश्री योगेन्द्रसागर जी महाराज	
(3)	मुनि श्री युक्तिसागर जी महाराज आर्यिका युक्तिमति माताजी	आचार्यश्री योगेन्द्रसागर जी महाराज आचार्यश्री योगेन्द्रसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शीतल धाम रतलाम (म.प्र.) 462047 सविता दीदी: 9425355741
(90)	आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज मुनिश्री भद्रसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री उपासनामति माताजी क्षुल्लिकाश्री उत्तोराममति माताजी	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज उपाध्याय उदारसागरजी महाराज मुनिश्री पावनसागरजी महाराज उपाध्याय उदारसागरजी महाराज उपाध्याय उदारसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अमृत तीर्थधाम कटंगी रोड करमेता जबलपुर (म.प्र.) 482002 मुकेश: 9300011610 संजय: 9907138025
(91)	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज 2 मुनिश्री चिन्मयसागरजी महाराज 3 मुनिश्री अपूर्वसागरजी महाराज 4 मुनिश्री अपितसागरजी महाराज 5 मुनिश्री हितेन्द्रसागरजी महाराज 6 मुनिश्री क्षेमसागरजी महाराज 7 मुनिश्री देवप्रसागरजी महाराज 8 मुनिश्री देवधसागरजी महाराज 9 मुनिश्री अतिशयसागरजी महाराज 10 मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज 11 मुनिश्री प्रभवसागरजी महाराज 12 मुनिश्री श्रेयसागरजी महाराज 13 मुनिश्री पञ्चसागरजी महाराज 14 मुनिश्री चित्तसागरजी महाराज 15 मुनि श्री मुक्तिसागर जी महाराज 16 मुनि श्री महितसागर जी महाराज 17 मुनि श्री मर्यादासागर जी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर माणिकबाग बोडिंग बेलागांव कर्नाटक 591345 पुनम दीदी: 8982981008 9844111008 9448191108 9886331163 कुल-40, 1 आचार्य, 16 मुनि 21 आर्यिका, 2 क्षुल्लक 52वां वर्षयोग

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
18	आर्यिकाश्री शीतलमति माताजी	आचार्यकल्प श्री श्रुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
19	आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
20	आर्यिकाश्री निर्मलमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
21	आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
22	आर्यिकाश्री वत्सलमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
23	आर्यिकाश्री विलोकमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
24	आर्यिकाश्री ज्योतिमती माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
25	आर्यिकाश्री दिव्यमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
26	आर्यिकाश्री चर्यामति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
27	आर्यिकाश्री दिव्यांशुमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
28	आर्यिकाश्री पूर्वमति माताजीमाताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
29	आर्यिकाश्री पूर्णमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
30	आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
31	आर्यिकाश्री विलक्षणमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
32	आर्यिकाश्री निर्मुक्तमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
33	आर्यिकाश्री विनम्रमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
34	आर्यिकाश्री चैतन्यमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
35	आर्यिकाश्री दर्शनामति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
36	आर्यिकाश्री देशनामति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
37	आर्यिका श्री महायशमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
38	आर्यिकाश्री चेतनामति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
39	क्षुल्लकश्री विशालसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
40	क्षुल्लकश्री दिव्यागारजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
(1)	*आर्यिकाश्री अमूर्तमति माताजी आर्यिकाश्री समर्पितमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
(2)	मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज मुनिश्री दशितसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज
(3)	आर्यिका श्री देवयशमति माताजी आर्यिका श्री देवनाममति माताजी आर्यिका श्री देवधर्ममति माताजी क्षुल्लकश्री महोदयसागरजी महाराज	आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अणिन्द्रा तह. वल्लभनगर जिला उदयपुर राजस्थान 313602 ब्र. नमन भैया: 9784355108 दीपक: 9950738047
(92)	आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मजदेवाडी तालुका सिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102
(93)	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	आचार्यश्री पार्श्वसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन कमल मंदिर गंभीर नदी के पास अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी राजस्थान 322201 मो. 9414434750
(94)	आचार्यश्री विज्ञानभूषणजी महाराज (आचार्य पद आचार्य विमलसागरजी) क्षुल्लकश्री विसोमसागर जी महाराज क्षुल्लिका ज्ञानमति माताजी क्षुल्लिकाश्री कुशलवाणी माताजी	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषण जी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र तिजारा जिला अलवर राजस्थान 301411, मो. 8755814147
(95)	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज 2 मुनिश्री विहितसागरजी महाराज 3 मुनिश्री विवर्धनसागरजी महाराज 4 मुनिश्री विश्वविदसागरजी महाराज 5 मुनि श्री विश्वाक्षरसागर जी महाराज 6 मुनि श्री विश्वनायकसागर जी महाराज 7 मुनि श्री विकोशलसागर जी महाराज 8 मुनि श्री विधुवसागर जी महाराज 9 मुनि श्री विश्वदक्षसागर जी महाराज 10 मुनि श्री विश्वभानुसागर जी महाराज 11 मुनि श्री विश्वहितसागर जी महाराज 12 मुनि श्री विश्वधीरसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय मंदिर बताशा बाजार भिण्ड (म.प्र.) 477001 9826244355, 7000535488 मीना दीदी: 7048971961 9009462216 कुल-40, 1 आचार्य, 16 मुनि, 13 आर्यिका, 2 क्षुल्लक 9 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
13	मुनि श्री विश्वभद्रसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन शाश्वत सिद्धक्षेत्र वीसपथी कोठी मधुवन श्री सम्मदशिक्षर झारखंड 825329
14	मुनि श्री विनिवेशसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
15	मुनि श्री विश्वाननसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
16	मुनि श्री विश्वानुत्तरसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
17	मुनि श्री विनिबोधसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
18	आर्यिकाश्री विशिष्टाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
19	आर्यिकाश्री विविक्तश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
20	आर्यिकाश्री विमुक्तश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
21	आर्यिकाश्री विजेताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
22	आर्यिकाश्री विप्राश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
23	आर्यिकाश्री वियोजनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
24	आर्यिकाश्री विरक्षणाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
25	आर्यिकाश्री विदितश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
26	आर्यिकाश्री विदिताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
27	आर्यिकाश्री विभक्तश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
28	आर्यिकाश्री विसुवताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
29	आर्यिकाश्री विजितश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
30	शुल्लक विश्वबंधुसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
31	शुल्लक विश्वज्ञेयसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
32	शुल्लिका विजिताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
33	शुल्लिका विभूषणा माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
34	शुल्लिका विप्रदाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
35	शुल्लिका विसुदुदश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
36	शुल्लिका विश्वशांताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
37	शुल्लिका विरोचनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
38	शुल्लिका विपदमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
39	शुल्लिका विश्वसिद्धि माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
40	शुल्लिका विश्वनेहाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
(96)	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	भगवान महावीर जन्मभूमि बासोकुण्ड वैशाली (बिहार) जि. मुजफ्फरपुर 844128 सम्पर्क : 94316-03200 7544003396 कुल-24, 1 आचार्य, 22 मुनिराज, 1 एलक
2	मुनि श्री विश्रुतसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
3	मुनि श्री सुव्रतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
4	मुनि श्री अनुत्तरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
5	मुनि श्री अनुपम सागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
6	मुनि श्री प्रणेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
7	मुनि श्री प्रणुतसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज	
8	मुनि श्री सर्वार्थसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
9	मुनि श्री साम्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
10	मुनि श्री समत्वसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
11	मुनि श्री सम्पूर्णसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
12	मुनि श्री सत्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
13	मुनि श्री संकल्पसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज	
14	मुनि श्री सौम्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
15	मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज	
16	मुनि श्री सदाभावसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
17	मुनि श्री सजयंतसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
18	मुनि श्री संयतसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
19	मुनि श्री साक्ष्यसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	
20	मुनि श्री अनंगसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागर जी महाराज	
21	मुनि श्री यशोधरसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज	
22	मुनि श्री योग्यसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज	
23	मुनि श्री यतीन्द्रसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज	
24	एलक श्री यल्लसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज	
(1)	मुनि श्री मनोज्ञसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(2)	मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री सुयशसागरजी महाराज मुनिश्री अरिजितससागरजी महाराज मुनिश्री प्रणवसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री सम्मदशिक्षर जी मधुवन झारखंड निहारिका, वात्सल्य भवन 825329 सम्पर्क : 9407001551 कैलाश पाटनी : 7987009399
(3)	मुनिश्री सुप्रभ सागरजी महाराज मुनिश्री प्रणतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अटा मंदिर ललितपुर (उ.प्र.) 284403 साकेत जी : 9822193108
(4)	मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज मुनिश्री अप्रमितसागरजी महाराज मुनिश्री सहजसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर छतरपुर (म.प्र.) 471001 रीतेश जैन : 7000459433
(5)	मुनिश्री आस्तिक्यसागरजी महाराज मुनिश्री प्रणीतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर ग्राम गुमौर जि. पन्ना (म.प्र.) 488442 नवल जैन : 9977347803
(6)	मुनिश्री आराध्यसागरजी महाराज मुनिश्री प्रणुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दि. जैन आदिनाथ मंदिर फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.) 456006 मो. 9406625591
(97)	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज (आचार्य पद आचार्य भरतसागरजी द्वारा मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज आर्यिकाश्री भक्तिभारतीश्री शुल्लक विसौमसागरजी महाराज शुल्लिका वात्सल्यभारतीश्री	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री विमलनाथ दिगम्बर जैन तीर्थ कम्पेलजी जिला फरुक्काबाद (उ.प्र.) 452020 पुष्पराज : 9336035595 पलमकान्त : 9457025975 सपना दीदी : 9829127533 ज्योति दीदी : 9829076085
(98)	आचार्यश्री विभक्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर गाजियाबाद (उ.प्र.) 500003, मो. 8877172544
(1)	शुल्लकश्री विगुणसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पार्श्वनाथ जिनालय सुमति सागर छात्रावास सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 462022
(99)	आचार्यश्री विबुद्धसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वभिक्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज मुनिश्री तन्मयसागर जी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर चौधरी बाजार कटक उड़ीसा 753001
(100)	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज मुनि श्री विभारवरसागर जी महाराज मुनि श्री अर्हतसागरजी महाराज मुनि श्री शुद्धात्मसागर जी महाराज मुनि श्री सिद्धात्मसागर जी महाराज शुल्लक श्रीसिद्धसागरजी महाराज शुल्लिका ह्रीं श्री माताजी शुल्लिका आराधनाश्री माताजी शुल्लिका सिद्धश्री माताजी शुल्लिका संस्तुतिश्री माताजी शुल्लिका अद्योमश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री 1008 वासुपुज्य दिगम्बर जैन मंदिर सदर बाजार घाटो जिला बांसवाड़ा राजस्थान 327023 ब्र. अभिनंदन 7477061202 अजित जैन : 9928190361 कुल-11, 1 आचार्य, 4 मुनि 1 शुल्लक, 5 शुल्लिका
(1)	मुनिश्री आचारसागरजी महाराज मुनि श्री शुद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अरूना जिला बांसवाड़ा राजस्थान 327032
(2)	मुनिश्री आचरणसागरजी महाराज मुनिश्री अध्यापनसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री कलिकुण्ड पार्श्वनाथ सेतवाल एन9 एन2 दिगम्बर जैन मंदिर सिद्धको औरंगाबाद महाराष्ट्र 431003
(3)	मुनिश्री अध्ययनसागरजी महाराज आर्यिका विदक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र वावनगजा बड़वानी (म.प्र.) 451551 इन्द्रजीत : 9425090384
(4)	मुनि श्री विकसंतसागर जी महाराज मुनिश्री आवश्यकसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गीगला जि. उदयपुर (राज.) 305002

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(5)	आर्यिकाश्री ओमशी माताजी आर्यिका संस्कृति श्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज संज्ञय दोषी: 9460379221	श्री 1008 नेमाना दिगम्बर जैन मंदिर परतापुर जिला वाँसवाड़ा राजस्थान 327022
(6)	आर्यिकाश्री अहैशी माताजी आर्यिका संस्कृतशी माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मंगलधाम तिलकांज सागर म.प्र. मो. 9131505517
(101) 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज मुनिश्री विचिंत्यसागरजी महाराज मुनिश्री विजेयसागरजी महाराज मुनिश्री विशवार्थसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वाससागरजी महाराज मुनि श्री विशुभ्रसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वांकसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वार्कसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वाम्यसागर जी महाराज आर्यिकाश्री विद्यान्तरी माताजी आर्यिकाश्री विल्मान्तरी माताजी आर्यिकाश्री विक्रान्तरी माताजी आर्यिकाश्री विश्वान्तरी माताजी आर्यिकाश्री विद्वान्तरी माताजी आर्यिकाश्री विजयान्तरी माताजी आर्यिकाश्री विभ्रात्तरणी माताजी आर्यिका श्री विजितान्तरी माताजी ऐलकशी विश्वज्ञसागरजी क्षुल्लकशी विश्वभाषसागरजी महाराज क्षुल्लिकारी विदेहान्तरी माताजी क्षुल्लिका श्री विप्रान्तरी माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर वाराणसी (उ.प्र.) 225001 अंकित भैया: 9966089871 कमलेश जैन: 9415142563 9839378786 कुल-25, 1 आचार्य, 11 मुनि, 9 आर्यिका, 1 ऐलक, 1 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
(1)	मुनि श्री विश्वाक्षसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज मो. 9977246615	श्री पार्षनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बाजना जिला छतरपुर (म.प्र.) 471311
(102)	आचार्यश्री विहर्यसागरजी महाराज मुनिश्री विजयेष्ठासागरजी महाराज क्षुल्लकशी विश्वोत्तरसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन भगवान महावीर धर्मशाला चम्पाबाग खालियूर (म.प्र.) 474001 डॉ वीरेन्द्र गंगवाल: 9425110813
(103)	आचार्यश्री विनिशचयसागरजी महाराज मुनि श्री नेमीसागर जी महाराज मुनिश्री पांचलसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवीरसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवरसागरजी महाराज मुनिश्री प्रत्यक्षसागरजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञानसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री वीरसागर जी महाराज क्षुल्लकशी प्रजांशसागरजी महाराज क्षुल्लकशी प्रकीर्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री सुमतिसागर जी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री कल्याणसागर जी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र दरगुवा जी जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) 842010 श्रीपाल भैया: 9893996131 राजू चाचा: 9098785203 सतीश चाचा: 9926859560 कुल-10, 1 आचार्य, 6 मुनि 3 क्षुल्लक
(1)	मुनिश्री संस्कारसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अशोक गार्डन भोपाल (म.प्र.) 462023
(104)	आचार्यश्री विमदासागरजी महाराज मुनिश्री प्रक्षालसागरजी महाराज मुनिश्री परमार्यासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री परिणामसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदासागरजी महाराज आचार्यश्री विमदासागरजी महाराज आचार्यश्री विमदासागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर साठ घर का नोहरा गाँव शाला रोड़ रतलाम (म.प्र.) 457001 8200895135, 9571314090

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	आर्यिकाश्री समर्थश्री माताजी आर्यिकाश्री सार्थकश्री माताजी	आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हिम्मतनगर गुजरात 383001
(105)	आचार्य विनम्रसागरजी महाराज मुनिश्री विज्ञसागरजी महाराज मुनि श्री विनन्दसागर जी महाराज मुनि श्री विनृतसागर जी महाराज आर्यिकाश्री विमलश्री माताजी आर्यिकाश्री वितपश्री माताजी आर्यिकाश्री विपुलश्री माताजी आर्यिका श्री विश्वेश्री माताजी एलक श्री विप्रसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एम.डी. कॉलेज हरिपर्वत आगरा (उ.प्र.) 282002 महिला: 9412331629 राजकुमार जैन: 9837046484 कुल-9, 1 आचार्य, 3 मुनि 4 आर्यिका, 1 ऐलक, बा. ब्र. श्रेया दीदी: 8770458508
(1)	मुनिश्री विनृतसागरजी महाराज मुनिश्री विनयसागरजी महाराज एलक विश्वकुंदसागर जी महाराज बा. ब्र. श्रेया दीदी: 8770458508	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मथुरा चौरासी (उ.प्र.) 281001 विजय: 8279925929 9305782223
(2)	आर्यिकाश्री विनेहश्री माताजी आर्यिकाश्री विरामश्री माताजी आर्यिका श्री विमुदश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विराजश्री माताजी	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन राजाखेड़ा जिला धोलपुर राजस्थान 328025 बा.ब्र. श्रेया दीदी: 8770458508
(106)	आ. श्रीप्रज्ञसागरजी महाराज (विकल्पसागर)	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मो. 9582403008	श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रीतमपुरा एक 1 यू, दिल्ली 110034 मो. 8287595961
(1)	मुनि श्री प्रथमानंद सागर जी महाराज क्षुल्लिकाश्री प्रयागमति माताजी	आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज	श्री रत्नय दिगम्बर जैन मंदिर द्वारका सेक्टर 10 दिल्ली 110075
(2)	मुनि श्री प्रतिज्ञानंद जी महाराज	आचार्य श्री प्रज्ञसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मिलापनगर उत्तमनगर दिल्ली 110059
(3)	मुनि श्री विश्वयशसागर जी महाराज मुनिश्री विदाम्बसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सौरभंचल मधुवन सम्मंदे शिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 भानु जैन: 9430350101
(4)	मुनि श्री विश्वलोचनसागर जी महाराज मुनि श्री विश्ववीरसागर जी महाराज मुनि श्री विधेहसागर जी महाराज मुनि श्री विनयन्धरसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र दिल्ली वाली धर्मशाला सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 475685 डॉ पदमजैन: 9868373634 मो. 9871940639
(5)	मुनि श्री विशोकसागर जी महाराज क्षुल्लक विश्वरक्षसागर जी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर करहल रोड मेनपुरी (उ.प्र.) 205001 अनंत: 969954818
(6)	मुनिश्री विनिश्चलसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मुनिश्री विनिश्चलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नई बस्ती गांधी नगर ललितपुर (उ.प्र.) 284001 रचना: 9630534205
(7)	मुनिश्री विश्वेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चम्पापुर भागलपुर बिहार 812002
(8)	मुनिश्री विशेषसागरजी महाराज क्षुल्लक विश्वमार्दवसागर जी महाराज रवि: 9850174230	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज हिरालाल: 9623402890	श्री संभवनाथ पाश्र्वनाथ तीर्थ क्षेत्र पुसेगांव तालुका सेनागांव जिला हिमाचली महााष्ट 431513
(9)	मुनि श्री मनोजसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वलोकेशसागर जी महाराज आर्यिका श्री विश्वधर्मश्री माताजी	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मंदेशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(10)	मुनिश्री विभंजनसागरजी महाराज मो. 9654793524	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मो. 8851693108	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नियर एन11 यू.के. नरिसिंह हेम विक्रमपुरी नई दिल्ली 110018

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(11)	मुनि श्री विश्वाससागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शुक्लारी सुसनेर जिला शाजापुर (म.प्र.) 465447
(12)	मुनिश्री विहसंतसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वसूर्यसागर जी महाराज मुनिश्री विनियोगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बरहीपुरा इटावा (उ.प्र.) 206001 मनोज : 9368025138 दिलीप जैन : 9412616555
(13)	मुनिश्री विश्रान्तसागरजी महाराज क्षुल्लक विविक्षितसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री वासुपुज्य दिगम्बर जैन मंदिर गैता रोड इटावा जिला कोटा राज. 825004 केशरीलाल: 9414558016 यशवंत: 9926898844
(14)	मुनि श्री विशौयसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोटी मधुवन सम्मदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(15)	मुनिश्री विकसंतसागरजी महाराज मुनिश्री आवश्यकसागरजी महाराज मुनिश्री सुदिन्द्रसागरजी महाराज आचार्यश्री सभित्तिश्री माताजी क्षुल्लिका साधनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गीगला जिला उदयपुर राजस्थान 373706 6361357122, 9799854271
(16)	मुनि श्री विश्वदृगसागर जी महाराज मुनि श्री विरंजनसागर जी महाराज क्षुल्लक विसौम्यसागर जी क्षुल्लिका विशीलाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री वासुपुज्य दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गुब्ब ललितपुर (उ.प्र.) 284405 अनुराग: 9450032853 सुनील: 9450032212
(17)	मुनिश्री विश्वविजयसागर जी महाराज मुनि श्री सत्तासागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर जिला उदयपुर राजस्थान
(18)	मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज मुनिश्री विनिशोधसागरजी महाराज क्षुल्लक विसौम्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गया बिहार 823001 मधुवन काला: 9430072198
(19)	गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी आर्यिकाश्री विपश्यनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विमुक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विदशनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विशुद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री विसिद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री विशुचिरी माताजी आर्यिकाश्री विश्रुतिश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विभ्रतश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी	श्री खण्डेलवारल दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर राजाबाजार औरंगाबाद (महाराष्ट्र) 431213 ललित गदानी: 9422707651 मंत्री : 982283845 कुल-9, 1 गणिनी आर्यिका, 7 आर्यिका, 1 क्षुल्लिका
(20)	गणिनी आर्यिकाश्री विभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विनयश्री माताजी आर्यिकाश्री सर्वश्री माताजी आर्यिकाश्री शुभश्री माताजी आर्यिकाश्री सिद्धश्री माताजी आर्यिकाश्री संयमश्री माताजी आर्यिकाश्री साम्यश्री माताजी आर्यिकाश्री समयश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री शीलश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी	श्री मकराना दिगम्बर जैन साढ़े सोला पंथी मंदिर बाजर बाड़ा रोड नागौर राज. 341001 संगीता जैन : 7737447736 विक्री जैन : 7737408832 कुल-9, 1 गणिनी आर्यिका, 7 आर्यिका, 1 क्षुल्लिका
(21)	गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी आर्यिकाश्री विद्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपर्वश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मारवाड़ी ठाकुवाड़ी ए.टी. रोड जोरहाट आसाम 785001 जी.के. जैन: 9207000001 अरवन्दि झांडरी: 6000784964 कुल-6, 1 गणिनी आर्यिका, 3 आर्यिका, 1 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(22)	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आर्यिकाश्री विकक्षाश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञानश्री माताजी आर्यिका ज्ञाताश्री माताजी आर्यिका ज्ञानेश्वरी माताजी आर्यिका ज्ञेयश्री माताजी आर्यिका ज्ञेयकश्री माताजी क्षुल्लिका विभद्राश्री माताजी आर्यिका ज्ञातिश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर राजबाजार फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान 303338 कैलाश विमाडा 9414516668 राकेशजी 9414378149 संघरथ दीदी: 9602652047 9784727100, 8209502115 कुल-9, 1 गणिनी आर्यिका, 7 आर्यिका, 1 क्षुल्लिका
(23)	आर्यिकाश्री विदुषीश्री माताजी आर्यिकाश्री विनोतश्री माताजी आर्यिकाश्री विकम्पाश्री माताजी आर्यिकाश्री विरतश्री माताजी आर्यिकाश्री विरदश्री माताजी आर्यिकाश्री विनोदश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मैन बंगोई गांव (आसाम) 783380 विजयकुमार जैन: 6001967474 कमलकुमार जैन: 9101239585 कुल-6, 6 आर्यिका
(24)	आर्यिकाश्री विबोधश्री माताजी आर्यिकाश्री विवक्षाश्री माताजी आर्यिकाश्री विप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विचछणाश्री माताजी आर्यिकाश्री विमोचनाश्री माताजी क्षुल्लिका विभूषाश्री माताजी क्षुल्लिका विभाषाश्री माताजी क्षुल्लिका विक्षमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायत महासभा श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ जैन भवन सेक्टर-6 भिलाई छत्तीसगढ़ 490006 ज्ञानचन्द्र बाकलीवाल: 8349261909 प्रशान्त जैन: 9407983729 कुल-8, 5 आर्यिका, 3 क्षुल्लिका
(25)	आर्यिकाश्री विश्वासश्री माताजी आर्यिकाश्री विकुन्दनश्री माताजी आर्यिकाश्री विजिगिमाश्री माताजी क्षुल्लिका विकटश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मौ जिला भिण्ड (म.प्र.) 477222 राजीव जैन: 9754531356 राजकुमार जैन: 8926579857
(26)	आर्यिकाश्री विनतश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विक्रमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज महेश जैन: 9977944528	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बम्होरी जिला छतरपुर (म.प्र.) 471510 अशोक जैन 9893101626
(27)	आर्यिकाश्री विशाखाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विरजाश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तेरहपंथी कोटी मधुवन सम्मदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(28)	आर्यिकाश्री विरम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विसंयोजनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विजिज्ञासाश्री माताजी क्षुल्लिका विज्ञप्तिश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन समाज रफीगंज औरंगाबाद बिहार 824125 स्वरूपचंद जैन: 9934476971 अनिलकुमार जैन: 910214264
(29)	आर्यिकाश्री विकाम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विगुंजनश्री माताजी क्षुल्लिका विरजश्री माताजी क्षुल्लिका विचिन्तनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विकाम्याश्री माताजी	श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सारावगती टोला मेहमूदाबाद जिला सीतापुर (उ.प्र.) 261203 8839017577, 97956766433
(30)	आर्यिकाश्री ज्ञेयश्री माताजी	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मु. व.पो. कवनूर तह. इचलकरंजी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416116 संजय निगोड़ 8805234815
(31)	आर्यिकाश्री विनिर्मिताश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर इचलकरंजी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416116
(32)	क्षुल्लकश्री विश्वप्रभुसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिरमालपुरा राजस्थान
(33)	क्षुल्लिका विरिमताश्री माताजी क्षुल्लिका विगम्याश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देवेन्द्रनगर जिला पन्ना (म.प्र.) 488333 प्रेमचन्द्र जैन: 9470766545 कमलेश जैन: 9425833122

[illegible]

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चार्तुर्मास स्थल / सम्पर्क
9	मुनिश्री ध्यानानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	
10	मुनिश्री पुष्पायनन्दजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	
11	आर्यिकाश्री वर्धस्वन्दनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
12	आर्यिकाश्री वर्धस्व नन्दनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
13	आर्यिकाश्री श्रेयानन्दनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
14	आर्यिकाश्री सुरम्यनन्दनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
15	आर्यिकाश्री यशोनन्दनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
16	क्षुल्लक श्री विशंकरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
17	क्षुल्लिकाश्री भव्यनन्दनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
18	क्षुल्लिका श्री तीर्थनन्दनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
(1)	मुनिश्री नेमिसागरजी महाराज मुनि श्री सहजानन्दसागर जी महाराज मुनिश्री शिवानंदजी महाराज मुनिश्री प्रहसानंदजी महाराज ऐलक श्री विज्ञानसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री अनंतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री भरतसागरजी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज मुनिश्री उपशमसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिथयक्षेत्र जय शांतिसागर निकेतन मंडोला जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) 201102 मो. 9719323429 मो. 9690042294
(2)	मुनिश्री श्रद्धानंदजी महाराज मुनिश्री पवित्रानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धोलपुर राज. 328001
(3)	गणिनी आर्यिका गुरुनंदनी माताजी आर्यिकाश्री ब्रह्मानंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रीनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रबोधनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रकाशम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री देवनंदनी माताजी आर्यिकाश्री भूमिनंदनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आचार्यश्री कुंदकुंद स्वामी विदेह क्षेत्र गमनस्थली तीर्थक्षेत्र पौन्नरमल (वंदवासी) तमिलनाडु 604408 ब्र. संजय भैया: 8178070451
(4)	आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री वीरनंदिनीजी माताजी आर्यिकाश्री सुयोग्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री श्रुतनंदिनी जी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गनौडा जिला बांसवाड़ा राजस्थान 327021 7904165960
(5)	आर्यिका पद्मनंदनी माताजी आर्यिका सुपाश्वर्यमति माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जुरहरा जिला भरतपुर राजस्थान 321023
(6)	क्षुल्लक श्री नित्यानंद जी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री शांतिसागर समाधिसाधना सेवा केन्द्र जयपुर राजस्थान 302018 मो. 9982411171
(112)	<u>आचार्यकल्प/बालाचार्य /ऐलाचार्य</u> ऐलाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंतुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मध्यलोक मधुवन समदेशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(113)	ऐलाचार्य कीर्तिसागरजी महाराज	आचार्यश्री कर्मविजयनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर म्हासवड़ जिला सतारा महाराष्ट्र 415509
(114)	<u>उपाध्याय</u> <u>उपाध्यायश्री मयंकसागरजी महाराज</u> मुनिश्री मोक्षसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री नमिमति जी महाराज क्षुल्लिका श्री धर्ममति माताजी क्षुल्लिका श्री विमलमति माताजी	आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज उपाध्यायश्री मयंकसागरजी महाराज उपाध्याय श्री शांकासागरजी महाराज उपाध्याय श्री मयंकसागर जी महाराज उपाध्याय श्री मयंकसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर तपोभूमि उज्जैन (म.प्र.) 461990 आदिश: 7790954523 इन्दरमल: 7000344413
(115)	<u>उपाध्याय ऊर्जयंत सागरजी महाराज</u> विजय पाल: 9827733000	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज राजेश पांड्या: 9425057758	श्री दिगम्बर जैन बीसपंथी मंदिर मल्हारगंज इन्दौर 452002

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	मुनि मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनि श्री धैर्यसागरजी महाराज मुनिश्री अर्धसागरजी महाराज मुनिश्री अमोघसागरजी महाराज मुनिश्री अंतरंगसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन धारियावास उदयपुर राजस्थान 313001 गौरव: 7906819107 मोनिट: 7559368946 कुल - 5 मुनि
(2)	मुनिश्री वैराग्यसागरजी महाराज मो. 9425494932	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज मो. 8426850588	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुनिसंघ समिति बड़नगर जिला उज्जैन (म.प्र.) 456771
(3)	मुनिश्री अनुमानसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अविरलसागरजी महाराज	आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज सुरेश: 8860331315	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर 10 फुटा रोड चांबला कालोनी वल्लभगढ़ दिल्ली 121004
(4)	मुनिश्री भूतबलिसागरजी म. (ससंघ) मुनिश्री मोनसागरजी महाराज मुनिश्री मुनिसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्तिसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज	श्री श्रेयांशनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सदरबाजार जालना महाराष्ट्र 431203 अजित छाबड़ा 9423156025 माणिकचन्द: 9403494666
(5)	मुनि श्री शिवसागर जी महाराज	आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोदीनगर जिला गाजियाबाद उ.प्र. 201201
(6)	मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री हर्षेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री महोत्सवसागरजी महाराज मुनिश्री उदितसागरजी महाराज मुनि श्री उत्सवसागर जी महाराज आर्थिकाश्री सौरभमति माताजी आर्थिकाश्री हर्षितमति माताजी आर्थिकाश्री पर्वमति माताजी आर्थिकाश्री उत्साहमति माताजी आर्थिकाश्री उदितमति माताजी आर्थिकाश्री मुदितमति माताजी	आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मध्यलोक मधुवन श्री सम्मेश्वर जिला गिरीडीह झारखंड 824053 दीपा दीदी: 910629009 प्रज्ञा दीदी: 8534007194 कुल - 12, 4 मुनि, 7 आर्थिका
(7)	मुनिश्री स्वात्मनंदीजी महाराज	आचार्य आत्मनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चिखली जिला बुलढाना महाराष्ट्र
(8)	मुनिश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज शैलेश चन्देरिया 9826671112	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विद्यांचल कालोनी रामचन्द्र नगर के पास इन्दौर
(9)	मुनिश्री विद्याभूषणजी महाराज		श्री 1008 शांतिनाथ तीर्थकर बसदि कडहटि जिला बेलगांव कर्नाटक 643005
(10)	मुनिश्री सुदर्शनसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज मो. 8085120910	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चांदपुर जहाजपुर ललितपुर उ.प्र.
(11)	मुनिश्री पुण्यनंदीजी महाराज	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज ब्र. प्रदीप भैया: 9826144654	श्री दिगम्बर जैन अतिशयक्षेत्र श्रवणबेलगोल जिला हासन कर्नाटक
(12)	मुनिश्री चिन्मयनंदीजी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशयक्षेत्र महावीर जी जिला सवाईमाधोपुर राजस्थान
(13)	मुनिश्री सरलसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर तलौत गुजरात
(14)	मुनिश्री धैर्यनंदीजी महाराज आर्थिकाश्री सुखदमति माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गेवराई महाराष्ट्र
(1)	गणिनी आर्थिकाएँ गणिनी आर्थिका ज्ञानमती माताजी आर्थिकाश्री चंदनामति माताजी आर्थिकाश्री सुव्रतमती माताजी आर्थिकाश्री सुदृढमती माताजी	आचार्य वीरसागरजी महाराज गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन जम्बूद्वीप मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) डॉ.जीवनप्रकाश: 9411025124 कुल - 9, 1 गणिनी आर्थिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
5	आर्थिकाश्री स्वर्णमति माताजी	गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी	6 आर्थिका, 1 क्षुल्लक, 1 क्षुल्लिका
6	आर्थिकाश्री मुदितमति माताजी	गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी	
7	आर्थिकाश्री भक्तिमति माताजी	गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी	
8	क्षुल्लकश्री प्रशांतसागरजी महाराज	गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी	
9	क्षुल्लिकाश्री पुण्यमति माताजी	गणिनी आर्थिका श्री ज्ञानमति माताजी	
(2)	गणिनी आर्थिकाश्री विद्याश्री माताजी	गणिनी पद (आचार्यश्री विद्यानंदजी) आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज इन्द्रकुमार: 9412782716	श्री दिगम्बर जैन अतिवीर विद्याश्री संस्थान रामराज रोड हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
(3)	गणिनी आर्थिका सुप्रकाशमति माताजी आर्थिकाश्री सुहितमति माताजी आर्थिका भावनामती माताजी आर्थिका सुगीतमती माताजी आर्थिका सुदेगमति माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज आर्थिका सुप्रकाशमति माताजी आर्थिका सुप्रकाशमति माताजी आर्थिका सुप्रकाशमति माताजी आर्थिका सुप्रकाशमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ध्यानोदयतीर्थ बलीचा उदयपुर राजस्थान 313604 संघ: 6375420874 कार्यालय: 7742615168
(4)	गणिनी आर्थिकाश्री सम्मेश्वर माताजी आर्थिकाश्री पूर्वमति माताजी	आचार्यश्री कुंथसागरजी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री सम्मेश्वर माताजी	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर देवपुरी देरोल गुजरात 361210
(5)	गणिनी आर्थिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्थिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी आर्थिकाश्री विष्णुप्रभाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विनतप्रभा माताजी क्षुल्लिकाश्री विजितप्रभा माताजी	गणिनी आर्थिका श्री विजयमति माताजी आर्थिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्थिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्थिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्थिकाश्री विमलप्रभा माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तलहटी मंदिर गिरनारजी जिला जूनागढ़ सौराष्ट्र 362004
(6)	आर्थिकाश्री नमनप्रभा श्री माताजी आर्थिकाश्री विजयप्रभा श्री माताजी	गणिनी आर्थिका श्री विजयमति माताजी गणिनी आर्थिका श्री विजयमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर
(7)	आर्थिकाश्री दक्षमति श्री माताजी आर्थिकाश्री चन्द्रमति श्री माताजी	आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज आचार्य कल्प सन्मतिसागर जी महाराज मो. 9871849204	श्री दिगम्बर जैन लाल मंदिर चांदनी चौक दिल्ली 110006 011-23280942
(8)	गणिनी आर्थिका विशुद्धमति माताजी आर्थिकाश्री विशिष्टमति माताजी आर्थिकाश्री विभूषणमती माताजी आर्थिकाश्री विष्णुमती माताजी आर्थिकाश्री विशोर्मती माताजी आर्थिकाश्री विजितमती माताजी आर्थिकाश्री विदितमती माताजी आर्थिकाश्री विराटमती माताजी आर्थिकाश्री विकर्ममती माताजी आर्थिकाश्री विलोचनमति माताजी आर्थिकाश्री विप्रभमति माताजी आर्थिकाश्री विदर्शमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विदूषीमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्रुतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विलोक्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विपुलमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसियांजी टोंक राजस्थान 304001 प्रियंका दीदी: 8107672986 मो. 9414228033 मो. 9928538511 कुल - 16, 1 गणिनी आर्थिका, 11 आर्थिका, 4 क्षुल्लिका
(9)	आर्थिकाश्री विशेषमती माताजी	गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी कल्पना दीदी: 8005813186	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेनवा जिला बंदी राजस्थान 323801
(10)	आर्थिकाश्री विजयमति माताजी	गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर जयपुर राजस्थान
(11)	गणिनी आर्थिका यशस्विनी माताजी	आर्थिका स्याद्वादमतिजी माताजी 9414963849, 9414439774	श्री मुनिसुव्रत दिगम्बर जैन मंदिर संत निवास डिग्गी तह. मालपुरा जिला टोंक राजस्थान 304502
(12)	गणिनी आर्थिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी आर्थिकाश्री गिरनारमति माताजी आर्थिकाश्री भव्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री चित्तमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्यामनगर जयपुर राजस्थान 302019 रोहित: 9983810549

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(13)	गणिनी आर्थिका श्री गौरवमती माताजी आर्थिका श्री गुप्तिमति माताजी कुल्लिका श्री श्र्यांसमति माताजी कुल्लिका श्री पद्ममति माताजी	आर्थिका श्री सुपाश्वरमति माताजी गणिनी आर्थिका गौरवमति माताजी गणिनी आर्थिका गौरवमति माताजी गणिनी आर्थिका गौरवमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाड़ा पदमपुरा जयपुर राजस्थान 303903
(14)	गणिनी आर्थिका सरस्वती माताजी	आचार्य सन्मत्तिसागरजी महाराज मो. 8178197912, 9718889930	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पद्मावती धाम निर्भय एनक्लेव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) 250101
(15)	गणिनी आर्थिका श्री सुविश्वसमति माताजी आर्थिका श्री नेमिमति माताजी	आचार्य श्री सन्मत्तिसागरजी महाराज मो. 6375206046	श्री पार्श्वनाथजी अधीनस्त जी परोदिया मंदिर धारकीगुणी आगरा रोड जयपुर राजस्थान
(16)	गणिनी आर्थिका श्री सोहार्दमति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरसाड़ मुम्बई महाराष्ट्र
(1)	आर्थिकाएँ आर्थिका श्री चन्द्रमति माताजी	आचार्य श्री सुमत्तसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन चन्द्रांचल आश्रम बड़ागांव खेकड़ा जिला बागपत उ.प्र.
(2)	आर्थिका श्री प्रारभ्यमति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर चिखली जिला डूंगरपुर राजस्थान
(3)	आर्थिका श्री विनम्रमति माताजी	आचार्य श्री सन्मत्तिसागरजी महाराज सुजाता शाह: 9822027336	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर माणिकबाग सिंहगढ़ रोड पुणे महाराष्ट्र 411004
(4)	गणिनी आर्थिका श्री सुभूषणमति माताजी आर्थिका श्री सुआद्यमति माताजी आर्थिका श्री अंशभारती माताजी आर्थिका श्री दर्शभारती माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज गणिनी आर्थिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्थिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्थिका सुभूषणमाताजी	श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर इंडर गुजरात 383430
(5)	आर्थिका श्री सुदृष्टिमति माताजी	आचार्य श्री श्र्यांससागर जी महाराज महेन्द्र पाटोदी: 9425948714	श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गंधवानी जिला धार (म.प्र.) 454446
(6)	आर्थिका श्री उद्धारमति माताजी	आचार्य श्री भरतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर निमगांव जिला पूना महाराष्ट्र
(7)	आर्थिका सुज्ञान श्री माताजी आर्थिका प्रज्ञाश्री माताजी	आचार्य वैराग्यनंदी महाराजजी	श्री आदिनाथ बाहुबली मंदिर बोरीबली वेस्ट मुंबई 400092
(1)	एलक एलक श्री गोशल सागर जी महाराज	मुनि श्री समन्वयसागर जी महाराज मो. 7978942061	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र भुवनेश्वर खण्डगिरि उड़ीसा 751030
(2)	एलक श्री विजयभूषणजी महाराज	आचार्य श्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मंथला लोनी जिला गाजियाबाद (उ.प्र.)
(3)	एलक श्री बाहुबलिसागरजी महाराज मो. 9827727841	मुनिश्री उपशमसागरजी महाराज मो. 797429201	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समर्पण तीर्थ अलिमिली तह. चौरई जिला छिंदवाडा (म.प्र.) 480115
(1)	कुल्लक कुल्लक श्री तारणसागर जी महाराज	आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हरिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
(1)	कुल्लिकाएँ कुल्लिका चंद्रमति माताजी	आचार्य श्री भरतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मदसुई तालुका हथनी जिला बेलगांव कर्नाटक
(2)	कुल्लिका सरलमति माताजी	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज मो. 9936032825	श्री दिगम्बर जैन अतिथयक्षेत्र करगुंवा झांसी (उ.प्र.) 284301
(3)	कुल्लिका विशुद्धमति माताजी कुल्लिका अमरज्योति माताजी	आचार्य श्री ज्ञानेश्वरजी महाराज गणिनी आर्थिका जिनवाणीमति माताजी ब्र. प्रदीप भैया: 9826144654	श्री दिगम्बर जैन अतिथयक्षेत्र श्रवणवेलगोल जिला हासन कर्नाटक 573135
	कुल्लिका वीरमति माताजी	आचार्य श्री अमृतसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तवड़जी तालुका जमखंडी जिला बागलकोट कर्नाटक

वर्ष 2001 से वर्ष 2020 तक साधनारत श्रमण श्रमणियों का सांख्यिकीय विश्लेषण

वर्ष 2001 से वर्ष 2020 तक साधनारत श्रमण श्रमणियों का सांख्यिकिय विश्लेषण																				
वर्षअ	िचार्यअ	िचार्यकल्प	बालाचार्यए	स चार्यउ	पाध्याय	मुनि राज	गणिनीआदिभ्रए	आर्थिकाँए	लक	क्षुल्लक	क्षुल्लिकाँए	गे								
2001	51	4	1	4	20	305	8	325	29	93	62	902								
2002	49	3	1	4	15	272	8	320	24	71	53	820								
2003	55	5	1	5	17	291	8	359	33	94	60	928								
2004	55	1	1	1	14	336	10	358	33	101	72	982								
2005	62	1	1	4	13	338	11	356	34	108	80	1008								
2006	57	1	1	3	13	355	10	418	32	102	83	1075								
2007	70	1	1	2	18	398	14	408	31	93	93	1129								
2008	66	-	1	3	15	340	19	405	43	100	78	1070								
2009	65	-	1	5	12	361	30	426	38	110	93	1141								
2010	71	2	4	6	18	385	21	458	50	142	109	1266								
2011	77	2	8	1	15	401	20	464	39	161	107	1295								
2012	77	-	3	14	16	399	21	468	30	150	117	1295								
2013	78	-	3	14	15	404	22	507	36	143	128	1350								
2014	85	-	4	10	15	434	22	534	30	165	173	1472								
2015	97	-	4	9	11	466	27	512	30	183	180	1519								
2016	104	-	4	7	9	455	33	519	28	168	170	1497								
2017	95	-	5	7	8	437	37	527	28	142	174	1460								
2018	97	-	6	7	9	485	55	530	28	145	176	1538								
2019	95	-	4	4	9	480	60	520	28	150	170	1520								
2020	106	-	4	6	9	472	41	427	26	120	179	1391								

दीक्षाएँ

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत दीक्षाएँ वर्ष 2019-2020

(आषाढ शुक्ल चतुर्दशी, सोमवार, 15 जुलाई 2019, वी.नि.सं. 2545, विक्रम संवत् 2076, से
आषाढ शुक्ल चतुर्दशी, शनिवार, 4 जुलाई 2020, वी.नि.सं. 2546, विक्रम संवत् 2077, के
दौरान संपन्न दीक्षाएँ ज्ञात जानकारीयों के आधार पर विवरण

क्र.	दीक्षा उपरान्त नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता
1.	आर्यिका रिद्धित्री माताजी	ब्र. मोनिका जैन, दिल्ली	16.06.2019	कुंथुगिरि	आचार्यश्री कुंथुसागरजी
2.	आर्यिका सिद्धित्री माताजी	ब्र. किरण देवी पाटनी, इचलकरंजी	16.06.2019	कुंथुगिरि	आचार्यश्री कुंथुसागरजी
3.	क्षुल्लिकाश्री पुरुषार्थमति जी	श्रीमति बीना जैन, करौली म.प्र.	18.07.2019	आगरा, उ.प्र.	आचार्य चैत्यसागर जी महाराज
4.	आर्यिकाश्री विश्वश्री माताजी	क्षुल्लिकाश्री विश्वश्री जी	25.07.2019	अलवर, राजस्थान	आचार्य विनम्रसागरजी महाराज
5.	मुनिश्री विश्वपुण्यसागरजी	श्री ललित कुमार कासलीवाल	02.08.2019	कोलकाता, प.बंगाल	गणाचार्य विरागसागरजी महाराज
6.	आर्यिकाश्री ज्ञातज्ञात्री जी	ब्र.श्री स्वरूपा दीदी	05.08.2019	मदनगंज किशनगढ़	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी
7.	आर्यिकाश्री सुसमयमति माता	क्षुल्लिकाश्री श्री सुसमयमति	07.08.2019	पाण्डुचेरी	गणिनी आर्यिकाश्री सुविधिमतिजी
8.	आर्यिकाश्री सुकल्पमति माता	क्षुल्लिकाश्री श्री सुकल्पमति	07.08.2019	पाण्डुचेरी	गणिनी आर्यिकाश्री सुविधिमतिजी
9.	आर्यिकाश्री सुभद्रमति माता	क्षुल्लिकाश्री श्री सुभद्रमति	07.08.2019	पाण्डुचेरी	गणिनी आर्यिकाश्री सुविधिमतिजी
10.	आर्यिका विनिग्रहश्री माताजी	क्षुल्लिका विनिग्रहश्री माताजी	08.08.2019	कोलकाता	आचार्यश्री विरागसागरजी
11.	मुनिश्री स्वीकारनन्दी जी	एलकश्री स्वीकारसागर जी	15.08.2019	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री वैराग्यनन्दी जी
12.	मुनिश्री वत्सनन्दी जी महाराज	ब्र. रोहित भैया, औरंगाबाद	15.08.2019	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री वैराग्यनन्दी जी
13.	आर्यिकाश्री शुभमश्री जी	क्षुल्लिका श्री शुभमश्री माताजी	15.08.2019	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री वैराग्यनन्दी जी
14.	क्षुल्लकश्री संवेगनन्दी जी	श्री सूरजमलजी, केसरिया	15.08.2019	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री वैराग्यनन्दी जी
15.	आर्यिकाश्री अमलमति माताजी	क्षुल्लिकाश्री अमलमति माताजी	13.09.2019	सागवाड़ा, राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
16.	आर्यिकाश्री अमेयमति माताजी	क्षुल्लिकाश्री अमेयमति माताजी	15.09.2019	सागवाड़ा, राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
17.	मुनिश्री विनृतसागर जी	एलकश्री विनृतसागरजी	30.09.2019	अलवर, राजस्थान	आचार्यश्री विनम्रसागर जी
18.	एलकश्री विश्वकुन्दसागरजी	क्षुल्लकश्री विश्वकुन्दसागर	30.09.2019	अलवर, राजस्थान	आचार्यश्री विनम्रसागर जी
19.	एलकश्री विश्वप्रवसागरजी	ब्र. दीपक भैया जी	30.09.2019	अलवर, राजस्थान	आचार्यश्री विनम्रसागर जी
20.	क्षुल्लिकाश्री विराजश्री जी	ब्र. सरोज दीदी	30.09.2019	अलवर, राजस्थान	आचार्यश्री विरागसागरजी
21.	मुनिश्री विशलसागरजी	ब्र. विशल्य भारती,	13.10.2019	कोलकाता	आचार्यश्री विरागसागरजी
22.	मुनिश्री विनिबोधसागरजी	ब्र. प्रदीपभैया, इन्दौर	13.10.2019	कोलकाता	आचार्यश्री विरागसागरजी
23.	मुनिश्री विनिशोधसागरजी	ब्र. धन्यकुमार भैया, सलेहा	13.10.2019	कोलकाता	आचार्यश्री विरागसागरजी
24.	क्षुल्लकश्री मार्दवसागरजी	ब्र. महेश भैया, ग्वालियर	13.10.2019	कोलकाता	आचार्यश्री विरागसागरजी
25.	मुनिश्री विमलगुप्ति जी	क्षुल्लकश्री श्रवणगुप्ति जी	08.10.2019	औरंगाबाद, महाराष्ट्र	आचार्यश्री गुप्तिनंदी जी महाराज
26.	मुनिश्री विनयगुप्ति जी	क्षुल्लकश्री विनयगुप्तिजी	08.10.2019	औरंगाबाद, महाराष्ट्र	आचार्यश्री गुप्तिनंदी जी महाराज
27.	मुनिश्री विलोकसागरजी	ब्र. चक्रेश जैन	11.10.2019	भोपाल, म.प्र.	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
28.	मुनिश्री विशोधसागरजी	ब्र. श्री किरण कुमार जी जैन	11.10.2019	भोपाल, म.प्र.	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
29.	मुनिश्री विबोधसागर जी	ब्र. डॉ. राजकुमार जी जैन	11.10.2019	भोपाल, म.प्र.	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
30.	मुनिश्री विदितसागरजी	ब्र. श्री चन्द्रराज जी जैन	11.10.2019	भोपाल, म.प्र.	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
31.	एलकश्री वर्धनसागरजी	ब्र. श्री सतीश जी जैन	11.10.2019	भोपाल, म.प्र.	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
32.	मुनिश्री शुद्धसागरजी महाराज	ब्र.वीरेंद्र भैया, सागर म.प्र.	11.10.2019	निवाई टोंक, राज.	आचार्यश्री विभवसागरजी
33.	क्षुल्लकश्री शुभमसागरजी	ब्र.श्री श्रेणिक जी दोशी	13.10.2019	अहमदाबाद, गुजरात	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
34.	क्षुल्लिकाश्री शुभमुक्ति जी	ब्र. श्री प्रभादेवी जी, अहमदाबाद	13.10.2019	अहमदाबाद, गुजरात	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
35.	क्षुल्लिकाश्री सुमुक्तिमति जी	ब्र. उर्मिलादेवी जी, अहमदाबाद	13.10.2019	अहमदाबाद, गुजरात	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
36.	क्षुल्लिकाश्री सुयुक्तिमति जी	ब्र. शशिबहन जी, अहमदाबाद	13.10.2019	अहमदाबाद, गुजरात	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी

37.	मुनिश्री अजयसागरजी	ब्र. राकेश भैया, गोटेगांव म.प्र.	30.10.2019	सांगली महाराष्ट्र	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी दक्षिण
38.	मुनिश्री अजितसागरजी	ब्र. कच्छेरीलालजी, अशोकनगर	30.10.2019	सांगली महाराष्ट्र	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी दक्षिण
39.	मुनिश्री अभयसागरजी	ब्र. व्रतीचन्द्रजी जैन, दमोह	30.10.2019	सांगली महाराष्ट्र	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी दक्षिण
40.	मुनिश्री अचलसागरजी महाराज	ब्र. सुकमाल हांवडे, आलते	30.10.2019	सांगली महाराष्ट्र	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी दक्षिण
41.	मुनिश्री अविचलसागरजी	ब्र. माणिकचंद हांवडे, आलते	30.10.2019	सांगली महाराष्ट्र	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी दक्षिण
42.	मुनिश्री विगम्यसागरजी महाराज	ब्र. अंकित भैया, अशोकनगर	03.11.2019	दुर्ग, छत्तीसगढ़	आचार्यश्री विमर्शसागरजी
43.	क्षुल्लिकाश्री विदेहान्तश्री जी	ब्र. भगवती दीदी, टीकमगढ़	03.11.2019	दुर्ग, छत्तीसगढ़	आचार्यश्री विमर्शसागरजी
44.	क्षुल्लिकाश्री विप्रान्ताश्री जी	ब्र. सुमन दीदी, सर्वाईमाधोपुर	03.11.2019	दुर्ग, छत्तीसगढ़	आचार्यश्री विमर्शसागरजी
45.	मुनिश्री कल्पवृक्षसागरजी	ब्र. विजयकान्त, कोल्हापुर महा.	10.11.2019	धूलियान प.बंगाल	आचार्यश्री शीतलसागरजी
46.	मुनिश्री परमार्थसागरजी	एलकश्री सुधावसागरजी महाराज	10.11.2019	प्रतापगढ़, राजस्थान	आचार्यश्री विमर्शसागरजी
47.	मुनिश्री सुदत्तसागरजी महाराज	एलकश्री सुदत्तसागरजी	10.11.2019	सागर, म.प्र.	आचार्यश्री निर्भयसागरजी
48.	मुनिश्री सोमदत्तसागरजी	ब्र. विनोद भैया, बनारस उ.प्र.	10.11.2019	सागर, म.प्र.	आचार्यश्री निर्भयसागरजी
49.	क्षुल्लिकाश्री गुणश्री माताजी	ब्र. सरिता दीदी, इचलकरंजी	10.11.2019	कुंथुगिरि	आचार्यश्री कुंथुसागरजी
50.	आर्यिका सुयोगमति माताजी	क्षुल्लिका संभवमति माताजी	10.11.2019	अहमदाबाद	गणिनी आर्यिका शुभमतिजी
51.	आर्यिकाश्री पूर्णमति माताजी	श्रीमति विमला जैन, दिल्ली	13.11.2019	दिल्ली	मुनिश्री प्रथमानन्द जी महाराज
52.	आर्यिका निर्जामति माताजी	ब्र. सुरेखा पाटील, सांगली	19.11.2019	कुपनवाडी, कर्नाटक	ग. आर्यिकाश्री सरस्वतीमाताजी
53.	आर्यिका निरुहमति माताजी	ब्र. सोनकाच चौगले, महाराष्ट्र	19.11.2019	कुपनवाडी, कर्नाटक	ग. आर्यिकाश्री सरस्वतीमाताजी
54.	क्षुल्लकश्री निर्मोहसागरजी	ब्र. हरिशचंद, कर्नाटक	19.11.2019	कुपनवाडी, कर्नाटक	मुनिश्री महिमासागरजी
55.	क्षुल्लिकाश्री प्रशान्तश्री जी	ब्र. श्री अंगूरी दीदी	29.11.2019	पुष्पगिरि, देवास	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी
56.	क्षुल्लकश्री प्रथमसागर जी	ब्र. प्रभास भैया	29.11.2019	पुष्पगिरि, देवास	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी
57.	क्षुल्लिका श्री प्रतीक्षाश्री जी	ब्र. दीक्षा दीदी	29.11.2019	पुष्पगिरि, देवास	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
58.	क्षुल्लिका श्री प्रीतिश्री जी	ब्र. राखी दीदी	29.11.2019	पुष्पगिरि, देवास	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
59.	क्षुल्लिका श्री परीक्षाश्री जी	ब्र. शिवानी दीदी	29.11.2019	पुष्पगिरि, देवास	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
60.	क्षुल्लिका प्रेक्षाश्री माताजी	ब्र. नेहा दीदी	29.11.2019	पुष्पगिरि, देवास	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
61.	क्षुल्लिका श्री ज्ञानवर्षाजी	ब्र. कृष्णा दीदी, राजस्थान	03.11.2019	मनोकीधाम मेरठ उ.प्र.	आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी
62.	क्षुल्लिकाश्री ज्ञानवाणी जी	ब्र. कुसुम दीदी, हथिन हरियाणा	03.11.2019	मनोकीधाम मेरठ उ.प्र.	आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी
63.	क्षुल्लकश्री बाहुबलिसागरजी	ब्र. विकास भैया,	01.12.2019	घनसौर सिवनी, म.प्र.	मुनिश्री उपशमसागर जी
64.	क्षुल्लकश्री भरतसागरजी	ब्र. सुरेन्द्र भैया,	01.12.2019	घनसौर सिवनी, म.प्र.	मुनिश्री उपशमसागर जी
65.	क्षुल्लक सुतत्त्वसागरजी	बाबरमल जी, अहमदाबाद	02.12.2019	अहमदाबाद	गणिनी आर्यिका शुभमति माताजी
66.	मुनिश्री समर्थसागर महाराज	क्षुल्लक समर्थसागरजी महाराज	06.12.2019	मोहनकॉलोनी बांसवाड़ा	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
67.	मुनिश्री सुध्यानसागर महाराज	क्षुल्लक सुधीरसागरजी महाराज	06.12.2019	मोहनकॉलोनी बांसवाड़ा	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
68.	मुनिश्री समर्थसागर महाराज	क्षुल्लक समर्थसागरजी महाराज	06.12.2019	मोहनकॉलोनी बांसवाड़ा	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
69.	मुनिश्री सगेयसागर महाराज	क्षुल्लक शैलेन्द्रसागरजी महाराज	06.12.2019	मोहनकॉलोनी बांसवाड़ा	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
70.	मुनिश्री मार्दवसागरजी महाराज	क्षुल्लक मार्दवसागर जी महाराज	01.01.2020	सुसनेर शाजापुर	आचार्यश्री दर्शनसागरजी
71.	मुनिश्री विश्वभूषण जी	क्षुल्लकश्री विश्वभूषण जी	05.01.2020	मधुवन, झारखंड	गणाचार्य विरागसागरजी
72.	आर्यिका विश्रमाश्री जी	क्षुल्लिकाश्री विश्रमाश्री जी	08.01.2020	मधुवन, झारखंड	गणाचार्य विरागसागरजी
73.	मुनिश्री मार्दवन्दी महाराज	क्षुल्लक मार्दवन्दी जी महाराज	11.01.2020	कुंथुगिरि	आचार्यश्री कुंथुसागरजी
74.	आर्यिका स्वभावमति माताजी	क्षुल्लिका स्वभावमति माताजी	12.01.2020	अहमदाबाद	गणिनी आर्यिका शुभमति माताजी
75.	एलक सुतत्त्वसागरजी महाराज	क्षुल्लक शैलेषसागरजी महाराज	20.01.2020	मोहनकॉलोनी बांसवाड़ा	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
76.	मुनिश्री शुभसागरजी महाराज	एलकश्री विदक्षसागरजी	23.01.2020	रोहिणी दिल्ली	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
77.	क्षुल्लकश्री शुभकामनासागर	ब्र. कन्हैयालालजी, राजस्थान	23.01.2020	रोहिणी दिल्ली	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
78.	क्षुल्लिकाश्री शुभयोगमति जी	ब्र. कमलेशजी, रोहिणी दिल्ली	23.01.2020	रोहिणी दिल्ली	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
79.	मुनिश्री आत्मीयसागरजी	ब्र. नवीन गंगवाल, मुम्बई	23.01.2020	मधुवन, झारखंड	आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी
80.	एलकश्री अभिक्षणसागरजी	क्षुल्लकश्री सत्यसागरजी	25.01.2020	मधुवन, झारखंड	आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी

81.	क्षुल्लकश्री दिव्यसागरजी	श्री कैलाशचन्द्र जी, कोलकाता	30.01.2020	यस्नाल, कर्नाटक	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
82.	आर्यिकाश्री चेतनामति माताजी	कस्तूरी आदिनाथ चौगुले, वस्तेवाड	30.01.2020	यस्नाल, कर्नाटक	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
83.	क्षुल्लकश्री सुत्यागसागरजी	श्री मधुसूदन भाईजी, अहमदाबाद	31.01.2020	अहमदाबाद, गुजरात	आर्यिकाश्री शुभमति माताजी
84.	क्षुल्लकश्री प्रमेयसागरजी	ब्र. अनिलभैयाजी,	31.01.2020	पुष्पगिरि देवास	उपाध्याय विप्रणतसागरजी
85.	मुनिश्री सुतीर्थसागरजी महाराज	ब्र. अतुलभैया जी, करल	01.02.2020	उदी तीर्थ, इटावा	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
86.	क्षुल्लिका अश्रेष्ठमति माताजी	ब्र. सीमा दीदी, भिण्ड	01.02.2020	उदी तीर्थ, इटावा	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
87.	क्षुल्लिकाश्री सुश्रेष्ठमति माताजी	ब्र. मधु दीदी, गोवर्धन	01.02.2020	उदी तीर्थ, इटावा	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
88.	आर्यिकाश्री सुप्रभमति माताजी	क्षुल्लिकाश्री सुमुक्तिमति जी	10.02.2020	अहमदाबाद, गुजरात	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
89.	मुनिश्री दिव्यसेनजी महाराज	क्षुल्लकश्री दिव्यसेन जी	10.02.2020	सेडवाल, कर्नाटक	आचार्यश्री देवसेन महाराजजी
90.	मुनिश्री शांतिसेनजी महाराज	क्षुल्लकश्री शांतिसेन जी	10.02.2020	सेडवाल, कर्नाटक	आचार्यश्री देवसेन महाराजजी
91.	क्षुल्लक मल्लिसेन जी महाराज	श्रीकांत, सिद्धेवाडी कर्नाटक	10.02.2020	सेडवाल, कर्नाटक	आचार्यश्री देवसेन महाराजजी
92.	आर्यिकाश्री सुप्रभमति माताजी	क्षुल्लिकाश्री सुमुक्तिमति माताजी	13.02.2020	जहाजपुर, राजस्थान	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज
93.	आर्यिकाश्री आर्यमति जी	ब्र. अल्पना गुडिया दीदी, दिल्ली	13.02.2020	जहाजपुर, राजस्थान	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज
94.	मुनिश्री सुस्थिरसागरजी	क्षुल्लक सुस्थिरसागरजी महाराज	19.02.2020	बाहुबली कॉलोनी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
95.	क्षुल्लकश्री सिद्धसागरजी	सेठ लक्ष्मीचन्दजी	21.02.2020	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री विभवसागरजी
96.	क्षुल्लिकाश्री अद्योमश्री जी	ब्र. मंजू दीदी	21.02.2020	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री विभवसागरजी
97.	आर्यिकाश्री विदर्शमति जी	ब्र. सन्तरा जी जैन,	21.02.2020	टोंक, राजस्थान	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति
98.	क्षुल्लिकाश्री विलोक्यमतिजी	ब्र. सन्तोष जी जैन, दिल्ली	21.02.2020	टोंक, राजस्थान	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति
99.	क्षुल्लिकाश्री विपुलमति जी	ब्र. पुष्पा दीदी, बिभाड़ा	21.02.2020	टोंक, राजस्थान	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति
100.	मुनिश्री अंतरंगसागर जी	ब्र. अजित जैन	22.02.2020	ईडर, गुजरात	मुनिश्री अमितसागर जी महाराज
101.	क्षुल्लिकाश्री पारणमति जी	ब्र. पुष्पा दीदी	25.02.2020	इन्दौर, म.प्र.	आचार्यश्री प्रसन्नरूपि जी
102.	क्षुल्लिकाश्री प्रेरणामति जी	ब्र. नर्ही दीदी,	25.02.2020	इन्दौर, म.प्र.	आचार्यश्री प्रसन्नरूपि जी
103.	आर्यिका पूजामति माताजी	क्षुल्लिका पूजाश्री माताजी	25.02.2020	ऋषीतीर्थ, इन्दौर	आचार्यश्री प्रसन्नरूपि जी
104.	एलकश्री सुरांतसागरजी	क्षुल्लकश्री सुरांतसागरजी	11.03.2020	औरंगाबाद	आचार्यश्री पवित्रसागरजी
105.	मुनिश्री विभोरसागरजी	एलक वर्धनसागरजी महाराज	11.03.2020	सोनागिर,	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
106.	आर्यिकाश्री अनुजमति माताजी	क्षुल्लिकाश्री अनुजमतिमाताजी	22.03.2020	प्रतापगढ़, राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
107.	आर्यिका अतिशयश्री माताजी	श्रीमति इन्द्रा जैन,	25.03.2020	सरवाड़, राजस्थान	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी
108.	मुनिश्री सुहार्दसागरजी	क्षुल्लक सुहार्दसागरजी	12.04.2020	प्रतापगढ़, राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
109.	मुनिश्री सम्राटसागरजी	क्षुल्लकश्री शुभमसागरजी	17.06.2020	अहमदाबाद	जिनेन्द्र भगवान की साक्षी में
110.	मुनिश्री सुपूज्यसागरजी	क्षुल्लकश्री सुसेनसागरजी	24.06.2020	पुडल चैन्नई	आचार्यश्री सुविधीसागरजी
111.	मुनिश्री गुरुदत्तसागरजी	एलकश्री विनम्रसागरजी	25.06.2020	कुण्डलपुर	आचार्यश्री निर्भयसागरजी
01.	आर्यिका सौम्यमति माताजी	क्षुल्लिका सौम्यमति माताजी	07.07.2020	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री सुंदरसागरजी
02.	एलकश्री सुपूर्णसागरजी		05.07.2020	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री सुंदरसागरजी
03.	क्षुल्लकश्री सुपुण्यसागरजी	नेमी भैया,	05.07.2020	उदयपुर, राजस्थान	आचार्यश्री सुंदरसागरजी
04.	मुनिश्री निर्भयनंदी जी	मुनिश्री सुनयनंदी जी महाराज	07.07.2020	ताखड़ा, राजस्थान	आचार्यश्री इन्द्रनंदीजी महाराज
05.	मुनिश्री शुभमकीर्तिसागरजी	विनेश जैन, मेरठ.	22.07.2020	ग्रीनपार्क, दिल्ली	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
06.	क्षुल्लकश्री संपूज्यसागरजी	श्री पारसमल जी,	26.07.2020	प्रतापगढ़, राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
07.	क्षुल्लकश्री संप्रज्ञसागरजी	ब्र. सर्वज्ञ भैया (रोहित)	26.07.2020	प्रतापगढ़, राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
08.	क्षुल्लकश्री संविज्ञसागरजी	ब्र. मनीष भैया	26.07.2020	प्रतापगढ़, राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी

समाधिमरण

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत साधकों का समाधिमरण- वर्ष 2019-2020
(आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, सोमवार, 15 जुलाई 2019, वी.नि.सं. 2545, विक्रम संवत् 2076, से
आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, शनिवार, 4 जुलाई 2020, वी.नि.सं. 2546, विक्रम संवत् 2077, के
दौरान संपन्न समाधियाँ ज्ञात जानकारीयों के आधार पर विवरण

क्र.	समाधिमरण साधक नाम	समाधिमरण का स्थान	समाधिमरण दिनांक	समाधिकर्ता के गुरु	निर्यापक/ सान्निध्य
1.	आचार्यश्री सुधेशसागरजी	पूना महाराष्ट्र	20.07.2019	आचार्यश्री सुविधसागरजी	मुनिश्री धैर्यनन्दीजी ससंघ
2.	आर्यिकाश्री विश्वश्रीजी	अलवर, राजस्थान	25.07.2019	आचार्यश्री विनम्रसागरजी	आचार्यश्री विनम्रसागरजी
3.	आर्यिकाश्री प्रशान्तमतिजी	भीण्डर, राजस्थान	29.07.2019	मुनिश्री दयासागरजी महाराज	आर्यिकाश्री अमूर्तमति माताजी
4.	मुनिश्री विश्वपुण्यसागरजी	कोलकाता, पं. बंगाल	02.08.2019	गणाचार्यश्री विरागसागरजी	गणाचार्यश्री विरागसागरजी
5.	आर्यिकाश्री विनिग्रहमतिजी	कोलकाता, पं. बंगाल	09.08.2019	गणाचार्यश्री विरागसागरजी	गणाचार्यश्री विरागसागरजी
6.	आर्यिकाश्री सुधारमतिजी	खजुराहो, छतरपुर	18.08.2019	आचार्यश्री विद्यासागरजी	आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी
7.	मुनिश्री अनुकम्पासागरजी	लोहारिया, राजस्थान	20.08.2019	आचार्यश्री अभिनंदनसागर	मुनिश्री आज्ञासागरजी संघ
8.	आर्यिकाश्री पुण्यमति माताजी	जयपुर, राजस्थान	24.08.2019	गणिनी आर्यिकाश्री गौरवमति	गणिनी आर्यिकाश्री गौरवमति
9.	क्षुल्लिका दृष्टिशी माताजी	नवोकार तीर्थ	12.09.2019	आचार्यश्री कुंभुसागरजी	आचार्यश्री देवन्दी जी महाराज
10.	आर्यिकाश्री अमलमति माताजी	सागवाड़ा, राजस्थान	13.09.2019	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
11.	आर्यिकाश्री अमयमति माताजी	सागवाड़ा, राजस्थान	15.09.2019	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
12.	मुनिश्री नमितसागरजी महाराज	यस्नाल, कर्नाटक	20.09.2019	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
13.	आचार्यश्री विद्यानन्द जी	नईदिल्ली	22.09.2019	आचार्यश्री देशभूषण जी	आचार्यश्री वसुनन्दी जी आदि
14.	क्षुल्लकश्री समकितसागरजी	दिग्गी, राजस्थान	10.10.2019	आचार्यश्री रमणसागर जी	आचार्यश्री इन्द्रनंदी जी महा.
15.	मुनिश्री चिन्मयसागर जी	जुगुड बेलगांवी, कर्नाटक	18.10.2019	आचार्यश्री विद्यासागरजी	आचार्यश्री चन्द्रप्रभसागरजी
16.	आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी	दिल्ली	19.10.2019	मुनिश्री प्रथमानन्दजी महाराज	आर्यिकाश्री भाग्यमति माताजी
17.	आर्यिकाश्री सम्पन्नकीर्ति जी	नाशिक, महाराष्ट्र	20.10.2019	आचार्यश्री देवनन्दी जी	आचार्यश्री देवनन्दी जी
18.	क्षुल्लिका सम्पन्नश्री माताजी	नवोकार तीर्थ	28.10.2019	आचार्यश्री कुंभुसागरजी	आचार्यश्री देवनन्दी जी महाराज
19.	मुनिश्री सुपार्श्वसागरजी	कोलकाता, पं. बंगाल	30.10.2019	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी	गणाचार्यश्री विरागसागरजी
20.	मुनिश्री सुमतिसागरजी	सांगली महाराष्ट्र	16.11.2019	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी	
21.	मुनिश्री सुधीरसागरजी महाराज	बांसवाड़ा, राजस्थान	31.12.2019	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
22.	मुनिश्री मार्दवसागरजी महाराज	सुसनेर, शाजापुर	01.01.2020	आचार्यश्री दर्शनसागरजी	आचार्यश्री दर्शनसागरजी
23.	मुनिश्री कल्पवृक्षसागरजी	धूलियान, पं. बंगाल	04.01.2020	आचार्यश्री शीतलसागरजी	आचार्यश्री शीतलसागरजी
24.	मुनिश्री विश्वभूषण जी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	05.01.2020	गणाचार्यश्री विरागसागरजी	गणाचार्यश्री विरागसागरजी
25.	क्षुल्लक विश्वोत्तमसागरजी	देवपुरा बूंदी, राजस्थान	06.01.2020	गणाचार्यश्री विरागसागरजी	गणाचार्यश्री विरागसागरजी
26.	आर्यिका विप्रमाश्रीजी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	08.01.2020	गणाचार्यश्री विरागसागरजी	गणाचार्यश्री विरागसागरजी
27.	आर्यिकाश्री स्वभावमति जी	अहमदाबाद, गुजरात	13.01.2020	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति जी
28.	आर्यिकाश्री प्रत्यक्षमति माताजी	बडौत बागपत, उ.प्र.	14.01.2020	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी	
29.	मुनिश्री मार्दवनन्दी महाराजजी	कुंथुगिरि कोल्हापुर, महा.	14.01.2020	गणधराचार्य कुंथुसागरजी	गणधराचार्य कुंथुसागरजी
30.	मुनिश्री विजयनन्दी महाराजजी	कुंथुगिरि कोल्हापुर, महा.	29.01.2020	गणधराचार्य कुंथुसागरजी	गणधराचार्य कुंथुसागरजी
31.	मुनिश्री समाधिसागरजी	उदयपुर, राजस्थान	30.01.2020	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
32.	मुनिश्री निरामयसागर महाराज	बेड़ियाँ,	04.02.2020	आचार्यश्री जयसागरजी	आचार्यश्री जयसागरजी
33.	क्षुल्लकश्री सुत्यागसागरजी	अहमदाबाद, गुजरात	05.02.2020	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति
34.	आर्यिकाश्री समकितश्री जी	अहिक्षेत्र, बरेली उ.प्र.	05.02.2020	आचार्यश्री चैत्यसागरजी	आचार्यश्री चैत्यसागरजी ससंघ

35.	आर्यिकाश्री सुप्रभमतिजी	अहमदाबाद, गुजरात	10.02.2020	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति
36.	मुनिश्री आर्जुनदेवी जी महाराज	बांसवाड़ा, राजस्थान	12.02.2020	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
37.	मुनिश्री अनमोलसागरजी	ईडर, सांवरकाठा गुजरात	13.02.2020	मुनिश्री अमितसागरजी	मुनिश्री अमितसागरजी
38.	मुनिश्री विश्वमित्रसागरजी	वरोरा फतेहपुर उ.प्र.	13.02.2020	गणाचार्यश्री विरागसागरजी	गणाचार्यश्री विरागसागरजी
39.	आचार्यश्री धन्यसागरजी	ईडर, सांवरकाठा गुजरात	16.02.2020	आचार्यश्री धैर्यसागरजी	मुनिश्री अनुशरणसागरजी
40.	मुनिश्री सुस्थिरसागरजी	बांसवाड़ा, राजस्थान	20.02.2020	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
41.	मुनिश्री सुरलसागरजी	कानपुर, उ.प्र.	21.02.2020	आचार्यश्री सुधेशसागरजी	मुनिश्री विशोकसागरजी
42.	आर्यिकाश्री देवर्षिमति	भीण्डर, राजस्थान	01.03.2020	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आर्यिकाश्री अमूर्तमति माताजी
43.	आर्यिकाश्री अनुजमति जी	प्रतापगढ़, राजस्थान	22.03.2020	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
44.	मुनिश्री वीरसागरजी महाराज	उदी तीर्थ, इटावा उ.प्र.	24.03.2020	आचार्यश्री भरतसागरजी	मुनिश्री सुरलसागरजी
45.	मुनिश्री सुपार्वसागरजी	कवठेसर, महाराष्ट्र	30.03.2020	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी	मुनिश्री स्वभावसागरजी
46.	मुनिश्री सुहार्दसागरजी	शांतिनाथजी प्रतापगढ़	19.04.2020	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागर जी
47.	आर्यिका सुद्रव्यमति माताजी	अहमदाबाद	19.04.2020	गणिनी आर्यिका शुभमति माताजी	गणिनी आर्यिका शुभमति माताजी
48.	मुनिश्री सुशान्तिसेन जी	कोल्हापुर महाराष्ट्र	28.04.2020	आचार्यश्री अर्हतबलि जी	मुनिश्री सुहितसागरजी
49.	मुनिश्री सहिष्णुसागरजी महाराज	बेलगानी कर्नाटक	15.06.2020	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
50.	मुनिश्री सम्राटसागरजी महाराज	अहमदाबाद	17.06.2020	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति
51.	मुनिश्री सुपूज्यसागरजी	मदुरै, तमिलनाडु	30.06.2020	आचार्यश्री सुविधीसागरजी	आचार्यश्री सुविधीसागरजी
52.	आर्यिकाश्री करुणामति जी	क्षुल्लिका करुणामति जी	30.06.2020	गणिनी आर्यिकाश्री चन्द्रमति	गणिनी आर्यिकाश्री चन्द्रमतिजी ससम्
01	क्षुल्लिकाश्री सौम्यमतिमाताजी	उदयपुर, राजस्थान	06.07.2020	आचार्यश्री सुंदरसागरजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी
04	मुनिश्री उपशमसागरजी	झिलमिली, चौरई	15.07.2020	आचार्यश्री उदारसागरजी	
05	गणिनी आर्यिका शक्तिभूषणजी	त्रिलोकतीर्थ बड़ागांव	06.02.2020	आ.विद्याभूषण सन्मतिसागर	एलाचार्य त्रिलोकभूषण जी
06	क्षुल्लिका विभ्रांतिश्री माताजी	अलवर, राजस्थान	23.09.2019	आचार्य श्री विनम्रसागरजी	आचार्य श्री विनम्रसागरजी
07	आर्यिका अतिशयमति माताजी	सरवाड़, राजस्थान	28.03.2020	ग. आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	ग. आर्यिका विज्ञाश्री माताजी
08	आर्यिका सौम्यमति माताजी	उदयपुर राजस्थान	06.07.2020	आचार्यश्री सुंदरसागरजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी
06	क्षुल्लिकाश्री पूजामति माताजी	ऋषितीर्थ, इन्दौर	10.07.2020	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
10	मुनिश्री देवकांतसागरजी	बेलगांव कर्नाटक	20.07.2020	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
11	आर्यिकाश्री श्रेयमति माताजी	बेलगांव कर्नाटक	20.07.2020	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी

एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद

क्र.	पद प्राप्तकर्ता	पद प्राप्ति स्थान	पद प्राप्ति दिनांक	पद प्रदाता	पद का नाम
01.	मुनिश्री प्रसन्नसागरजी महाराज	पुष्पगिरि देवास, म.प्र.	16.07.2019	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी	तपाचार्य
02.	मुनिश्री प्रसन्नसागरजी महाराज	पुष्पगिरि देवास, म.प्र.	29.07.2019	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी	आचार्य
03.	मुनिश्री पुलकसागरजी महाराज	पुष्पगिरि देवास, म.प्र.	29.07.2019	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी	आचार्य
04.	मुनिश्री प्रमुखसागरजी महाराज	पुष्पगिरि देवास, म.प्र.	29.07.2019	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी	आचार्य
05.	मुनिश्री प्रणामसागरजी महाराज	पुष्पगिरि देवास, म.प्र.	29.07.2019	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी	आचार्य
06.	आचार्यश्री पुष्पदन्तसागरजी	पुष्पगिरि देवास, म.प्र.	29.07.2019	संघ	गणाचार्य
07.	बालाचार्यश्री सुरलसागरजी	महामृत्युंजय तीर्थ, इटावा	01.02.2020	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी	आचार्य
08.	मुनिश्री दयाऋषिजी महाराज	महामृत्युंजय तीर्थ, इटावा	01.02.2020	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी	उपाध्याय
09.	आर्यिकाश्री स्वास्तिभूषणजी	जहाजपुर, राजस्थान	13.02.2020	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी	गणिनी
10.	आर्यिकाश्री लक्ष्मीभूषणजी	जहाजपुर, राजस्थान	13.02.2020	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी	गणिनी
11.	मुनिश्री विज्ञानभूषण जी	आगरा, उ.प्र.	17.02.2020	आचार्यश्री विमलसागरजी	आचार्य

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियाँ

मान्यवर!

हम श्री दि. जैन पंचबालयति मंदिर ही नहीं अपितु सद्विज्ञान, संस्कार और भ्रमण संस्कृति के उच्च आदर्शों को जन-जन में स्थापित करने का स्वप्न लेकर आपके सामने आये हैं जिन्हें साकार करने का महान कार्य आपको करना है।

संयम, साधना, ज्ञान जागरण, सेवा, सद्भावना को विस्तारित करने की योजना में संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के प्रिय शिष्य ऐलकश्री सिद्धांतसागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं आप सभी के उदार सहयोग से तीन मंजिला 108 फुट उंचा भव्य श्री पंचबालयति जिनालय, संत निवास, त्यागी ब्रती आश्रम, अतिथि निवास, छात्रावास, ध्यान केंद्र एवं पुस्तकालय निर्मित हो चुका है जिसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

दिव्यता, भव्यता और नव्यता से परिपूर्ण इस केंद्र पर शीघ्र ही समस्त गतिविधियाँ विधिवत् रूप से संचालित होने जा रही हैं। कृपया आप इन योजनाओं में अपनी सक्रिय सहभागिता प्रदान कर पुण्यार्जन करें।

2 वेदी क्र. दो

नयापिराम 13x5 फीट आकार में खड़गासन शुभ पाषाण से निर्मित पंचबालयति प्रतिमाएँ (श्रीमती चित्रा एस के जैन के अर्थसाध्यों से वेदी तथा खड़गासन प्रतिमाएँ श्री राजेन्द्रजी सुलबाला परिवार, इंदौर; श्री जगदीशजी शालीमार बाग दिल्ली; श्री मनोज बागलीवाल, इंदौर के अर्थसौजन्य से निर्मित) आलोक्यता की प्रेरणा दे रही हैं।



3 वेदी क्र. तीन

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनविम्ब अत्य चार पदमासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यह श्री खेमचंदजी सोरईवालों, पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती किरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टोरेंट के अर्थसौजन्य से निर्मित हैं।



4 मंदिर शिखर

भूतल से 108 फुट ऊँचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोतड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।



5 श्रुत सिद्धांत शोधपीठ

: इस शोधपीठ से संस्कृत में शोधार्थी ब. सरिताजी द्वारा तत्त्वार्थ सूत्र की आचार्य पूज्यपाद तथा आचार्य भट्ट अकलंक देव विरचित संस्कृत टीकाएँ एक अनुशीलन तथा पं. मुकेशजी द्वारा जैन ध्यान योगस्थ समीक्षात्मकमध्ययनम् विषय पर शोध प्रबंध तथा एम.फिल. उपाधि हेतु कीस शोधार्थियों ने जैन दर्शन पर लघु शोध प्रबंध कर शोध कार्य पूर्ण किया। दस शोध प्रबंध का कार्य निरंतर चल रहा है। जितके मुख्य निर्देशक प्रो. डॉ. संगीता मेहता इंदौर, अध्यक्ष डॉ. कपूरचंदजी जैन खतौली, विशेष परामर्शदाता प्रो. एस.एस. यादव कुलपति रीवा वि.वि. रीवा, निर्देशक प्रो. नंदलालजी माताजी, प्रो. डॉ. सतीशचंदजी जैन बड़वानी, प्रो. डॉ. बी.सी. जैन सीहोर, प्रो. डॉ. शैलेन्द्र जैन, उपकुलसचिव बरकतुल्ला वि.वि. भोपाल, भागचंद जैन पूर्व प्राचार्य, प्रबंध निर्देशक अरविंद जैन इंदौर, सचिव ब. जिनेश मलैया इंदौर हैं।

6 अकलंकदेव पुस्तकालय एवं निकलंकदेव

इसमें 10 हजार अमूल्य ग्रंथ एवं पांडुलिपियाँ



का अनुदा संकलन है। श्री आजादजी जैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से यह भवन निर्मित है। इसके ऊपर की मंजिल बनाने का सौभाग्य श्री खेमचंदजी सोरईवालों को प्राप्त हुआ है। इसमें लगभग 1 लाख ग्रंथ रखने की योजना है।

8 संस्कार सागर (मासिक)

धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्कार निर्माण की श्रेणी जिम्मेदारी विभाती 'संस्कार सागर' पत्रिका देश-विदेश में प्रथम बार लाख पाठकों तक पहुँच रही है।



15 अभयदान/पक्षियों को दाना-पानी

मुक्त पक्षियों को सुरक्षित आहार-पानी की व्यवस्था हेतु करोणा दान, शीघ्र काल में पशुओं को पानी की व्यवस्था भी की गई है।



16 कुंदकुंद संस्कार केंद्र

बच्चों में जैन धर्म के बुराआयामी संस्कार देने हेतु प्रतिनिधियों का सम्मेलन।



17 शीतल शुद्ध पेयजल

आम जन के लिये बारहों महीने शुद्ध छनी हुई शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है।



9 संत निवास

साधु-संतों के अनुकूल आवास एवं साधनों को दृष्टिगत रखते हुए एक 30x35 फीट आकार में संत निवास भवन निर्मित हो चुका है।

10 आचार्य शुभचंद्र ध्यान केंद्र

योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ हो, इस हेतु सभी आयु वर्ग के लोगों के लिये व्यवस्था करना। इस हेतु हॉल का निर्माण हो चुका है।

11 विशाल भव्य सभागार

130x50 फीट आकार में 3000 श्रोताओं की बैठक क्षमता वाला सभागार निर्मित हो चुका है जिसकी साज-सज्जा होना शेष है।



12 आचार्य विद्यासागर त्यागीवली आश्रम

आत्मकल्याणार्थ त्यागी-व्रती साधकों के लिए आवास, आहार, स्वास्थ्याय एवं साधना की सुविधा से संयुक्त आश्रम 50x60 फीट आकार में 8 कक्षाएँ एवं भोजनालय का निर्माण हो चुका है।

13 कुन्धुसागर छात्रावास

सुदूर ग्रामीण अंचलों के प्रतिभावान छात्रों को जितदार्शन-पूजन करने एवं शुद्ध आहार लेने की अनिवार्यता के साथ उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु सुविधा देने के उद्देश्य से 50x66 फीट आकार में 11 कक्षाओं से युक्त छात्रावास निर्मित होकर संचालित भी हो रहा है। छात्रों को भोजन की भी व्यवस्था है।

14 सिद्धांतसागर अतिथि निवास

इपीर नगर में आरोग्य लाभ लेने के लिए आए लोगों के सहयोगियों को सुलभ आवास, आहार, जिनबिम्ब दर्शन, पूजादि का लाभ मिल सके, इस हेतु 50x60 फीट आकार में 11 कक्षाओं का निर्माण होकर अनेकों शोरी और सहयोगी व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं।



19 प्रवचन प्रशिक्षण संस्थान

सर्व जाति कल्याणकारी जैन धर्म के प्रवचन निष्ठात विद्वान तैयार कर पर्युषण आदि पर्व पर प्रवचनार्थ भेजना। अभी हम प्रतिवर्ष लगभग 100 विद्वान देश के विभिन्न भागों में भेजते हैं।



18 अहिंसा एवं संस्कार द्वार

मंदिर आगम से 200 मीटर दूर ए.बी. रोड के पार्श्व में जैन धर्म और संस्कृति संबंधी प्रामाणिक के कल्याणकारी शिक्षालय। जेष्ठशरीर सह महावीर ज्ञानी की जन-जन तक पहुँचाने वाले संदेश अहिंसा भाषा व्रती का निर्माण करना। अभी निर्माण की अनुमति मिल जाने पर अस्वच्छता द्वार का निर्माण हो चुका है।

21 तीर्थकर वाटिका

लगभग 20,000 हजार स्कायर फीट जमीन पर पाण्डुक शिला एवं तीर्थकर वाटिका तीन सेट सहित बनायी गई हैं। इसमें धार्मिक आयोजन एवं विवाह शादी आदि का कार्यक्रम किया जाता है। कार्यक्रम हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें।



22 सम्मेलन शिखर रचना

उपर छत पर विशाल फाइबर की सम्मेलन शिखर जी की रचना की गई है।

23 विदेह क्षेत्र रचना

शिखर के नीचे वेदी में विद्यमान बीस तीर्थकर एवं शान्तिनाथ भगवान को विराजमान किया गया।

24 ब्र. सुदेश कोठिया छात्रवृत्ति योजना

गरीब विद्यार्थियों को शिक्षण हेतु छात्रवृत्ति दी जाती है।

25 रिसाईकिलिंग योजना

पुराने शास्त्र जो जीणसीण हो गये हैं। उनको एकत्रित करके शास्त्रों को अविनय न हों इस दृष्टि से मील में नया कागज बनवाया जाता है। तथा जो ग्रंथ अच्छी हालत में होते हैं उन्हें लाइब्रेरी में रखा जाता है।

20 पंचबालयति ग्रीन बेल्ट

इंदौर विकास प्राधिकरण के सौजन्य से 1500x60 फीट विशाल भूखंड प्राप्त हुआ है जिसमें तीर्थकर उद्यान से लेकर फलदार और फूलदार वृक्षारोपण की योजना है। आप अपनी ओर से 2100 रु. जमा कर एक वृक्ष को रोपित करने का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

वातावर महानुभावों से सहयोग की अपेक्षा

सदस्य	मंदिर-ट्रस्ट	साहित्य प्रकाशन	छात्रावास
शिरोमणि संरक्षक	5 लाख रु.	1.51 लाख रु.	1 लाख रु.
परम संरक्षक	1 लाख रु.	1 लाख रु.	51 हजार रु.
संरक्षक	51 हजार रु.	51 हजार रु.	31 हजार रु.
सम्माननीय सदस्य	25 हजार रु.	21 हजार रु.	21 हजार रु.
विशिष्ट सदस्य	11 हजार रु.	11 हजार रु.	11 हजार रु.

*साहित्य प्रकाशन : सभी सदस्यों के नाम छपने वाले सभी ग्रंथों में प्रकाशित होंगे तथा अभी तक जो भी साहित्य प्रकाशित हो चुका है या भविष्य में होगा, वह भेंट किया जाएगा।
*मंदिर ट्रस्ट छात्रावास संबंधी सभी सदस्यों के नाम शिलापट्ट पर अंकित होंगे।

26 स्वर्ण रथ योजना

संस्था द्वारा विशाल दो स्वर्ण रथ बनवाये गये हैं। प्रथम रथ में दो ऐरावत हाथी के साथ कम्पलीट ट्रक पर हैं। तथा द्वितीय रथ टेक्टर द्वारा खींचा जाता है। एवं दो विशाल हाथी भी हैं। इसे पंचकल्याणक धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान आदि में भेजने की व्यवस्था की जाती है।

आभार

अभी तक आपका जो सहयोग मिला है उसके हम आभारी हैं तथा भविष्य में भी आप अपनी शक्तिनुसार योजनाओं को पूरा करने के लिए अवश्य ही सहयोग प्रदान करेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

अपेक्षा

आप एक बार पंचबालयति मंदिर, इंदौर पधारकर हमारे लघु प्रयासों को अपनी आँखों से अवश्य देखें, ऐसी हमारी अपेक्षा है। इसे अपनी संस्था समझकर आप हमें सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

भवदीय/निवेदक

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट

अध्यक्ष : पं. रतनलाल जी (इंदौर), उपाध्यक्ष : ब्र. जयकुमारजी निशांत (टीकमगढ़), सचिव : ब्र. जिनेश मलैया, कोषाध्यक्ष : अरविन्द जैन, कार्याध्यक्ष : आजाद जैन बीड़ी वाले, टस्टी : ब्र. सुरेश मलैया (इंदौर), ब्र. पं. सुदेशचंद जैन (खुरई), मनोज जैन, मनोज जैन, बाकलीवाल (इंदौर), अरुण कुमार जैन (मॉडल टाउन, दिल्ली), महेन्द्र कुमार जैन (इंदौर), गजेन्द्र जी, भागचंद मलैया, अजित प्रसाद जी (दिल्ली),

श्री दिगंबर जैन युवक संघ प्रकाशन समिति से प्रकाशित साहित्य की सूची

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(1)	पद्म पुराण हिन्दी वचनिका	500/-	(45)	व्यसन मुक्ति आह्वान	3/-
(2)	प्रागैतिहासिक प्रागवैदिक जैन धर्म और उसके सिद्धांत	100/-	(46)	लघीयस्त्रयी	25/-
(3)	जीवन्धर चरित्र	60/-	(47)	मतवाला (खंडकाव्य)	15/-
(4)	भद्रबाहु चरित्र	25/-	(48)	भटकन (कहानी संग्रह)	5/-
(5)	केशरिया हत्याकांड	15/-	(49)	युक्तानुशासन	10/-
(6)	जैन साहित्य में विकार	15/-	(50)	उद्घोष (स्लोगन)	2/-
(7)	विद्यासागर की लहरें	25/-	(51)	ध्यान शतक	5/-
(8)	श्वेतांबर मत समीक्षा	25/-	(52)	विचार सुधा (लेख संग्रह)	7/-
(9)	स्वास्थ्य बोधामृत	201/-	(53)	प्रमाण संग्रह	30/-
(10)	आरोग्य संजीवनी (प्राण चिकित्सा पद्धति रेकी)	35/-	(54)	सिद्धि विनिश्चय	30/-
(11)	स्वस्थ जीवन का आधार : आयुर्वेद	80/-	(55)	शांति विधान	10/-
(12)	प्रतियोगिता बिम्ब (नया संस्करण)	25/-	(56)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-
(13)	छहढाला दर्पण	30/-	(57)	नंदीश्वर विधान (बावन पूजा)	60/-
(14)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-1)	20/-	(58)	श्री भक्तामर विधान	30/-
(15)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-2)	20/-	(59)	जैन पाँच पर्व व्रत पूजा	5/-
(16)	तत्त्वार्थ सूत्र (मोक्ष शास्त्र)	20/-	(60)	णमोकार पैंतीसी मंडल विधान	10/-
(17)	तत्त्वार्थ सूत्र (पं. कैलाशचंद्रजी कृत)	30/-	(61)	पंच परमेष्ठी पूजन विधान	10/-
(18)	रत्नकरंड श्रावकाचार	15/-	(62)	दसलक्षण विधान	25/-
(19)	द्रव्यसंग्रह	10/-	(63)	चौंसठ ऋद्धि पूजा विधान	20/-
(20)	रणसार	20/-	(64)	रविब्रत कथा पूजा	15/-
(21)	जैन सिद्धांत प्रवेशिका	50/-	(65)	कर्मदहन विधान	10/-
(22)	जैन विद्या प्राथमिक (प्रथम भाग)	8/-	(66)	सोलह कारण विधान	25/-
(23)	जैन विद्या प्राथमिक (द्वितीय भाग)	8/-	(67)	सुगंध दशमी व्रतोद्यापन विधान	10/-
(24)	जैन विद्या प्रा. प्रथम (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(68)	रविब्रत कथा उद्यापन विधान	10/-
(25)	जैन विद्या प्रा. द्वितीय (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(69)	कल्याण मंदिर विधान	20/-
(26)	शिष्टाचार (नया संस्करण)	5/-	(70)	रत्नत्रय विधान	25/-
(27)	संस्कार गीत (नया संस्करण)	5/-	(71)	अतिशय भक्तामर चरित्र	10/-
(28)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-1)	25/-	(72)	यागमंडल पंचकल्याणक विधान	50/-
(29)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-2)	20/-	(73)	श्रुत स्कंध विधान	10/-
(30)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-1)	15/-	(74)	चौंसठ ऋद्धि विधान (आ. विज्ञानमती)	10/-
(31)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-2)	15/-	(75)	नवग्रह विधान	10/-
(32)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-3)	20/-	(76)	सौभाग्य दशमी विधान	7/-
(33)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-4)	20/-	(77)	समवशरण विधान	40/-
(34)	दृष्टांत मालिका (भाग-5)	12/-	(78)	सिद्धचक्र विधान	100/-
(35)	भजनांजलि संग्रह (भाग-1)	20/-	(79)	श्री आदिनाथ विधान	10/-
(36)	भजनांजलि संग्रह (भाग-2)	25/-	(80)	श्री अजितनाथ विधान	10/-
(37)	जिन संस्कार भारती (जिनवाणी)	80/-	(81)	श्री संभवनाथ विधान	10/-
(38)	जिन पूजन भक्ति (पॉकेट साइज)	7/-	(82)	श्री अभिनंदननाथ विधान	10/-
(39)	जिन पूजन भक्ति संग्रह	30/-	(83)	श्री सुमतिनाथ विधान	10/-
(40)	जिन पूजन भक्ति	10/-	(84)	श्री पद्मप्रभ विधान	10/-
(41)	शील मंजूषा	30/-	(85)	श्री सुपार्श्वनाथ विधान	15/-
(42)	धार्मिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक तथ्य	7/-	(86)	चन्द्रप्रभ विधान	10/-
(43)	धर्म और विज्ञान की दृष्टि में उपवास	7/-	(87)	श्री सुविधिनाथ विधान	10/-
(44)	तीर्थंकर 108 ज्ञातव्य	5/-	(88)	श्री शीतलनाथ विधान	20/-
			(89)	श्री श्रेयांसनाथ विधान	10/-
			(90)	श्री वासुपूज्य विधान	10/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(91)	श्री विमलनाथ विधान	10/-	(137)	बाल कविता	20/-
(92)	श्री अनंतनाथ विधान	10/-	(138)	अंकों की महिमा	100/-
(93)	श्री धर्मनाथ विधान	10/-	(139)	प्राचीन जैन साहित्य और संस्कृति	120/-
(94)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-	(140)	आगम की छाँव में	40/-
(95)	श्री कुंथुनाथ विधान	10/-	(141)	संस्कार सागर निर्देशिका	20/-
(96)	श्री अरनाथ विधान	20/-	(142)	Step of Religion	10/-
(97)	श्री मल्लिनाथ विधान	10/-	(143)	समण सुत्त (अंग्रेजी) जैन गीता	120/-
(98)	श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान	15/-	(144)	संस्कार मंजूषा (पूर्वाह)	35/-
(99)	श्री नमिनाथ विधान	10/-	(145)	संस्कार मंजूषा (उत्तरार्द्ध)	60/-
(100)	श्री नेमिनाथ विधान	15/-	(146)	पुष्पांजलि	301/-
(101)	श्री पार्श्वनाथ विधान	15/-	(147)	स्वतंत्रता संग्राम में जैन	301/-
(102)	महावीर विधान	10/-	(148)	प्रतिष्ठा पराग	120/-
(103)	विद्यागुरु विधान	10/-	(149)	वास्तु विज्ञान	40/-
(104)	जिनसहस्रनाम विधान	12/-	(150)	ज्योतिष विज्ञान	90/-
(105)	बड़े बाबा विधान	10/-	(151)	वर्तमान चौबीसी विधान (अर्थ सहित)	40/-
(106)	नवग्रह विधान	10/-	(152)	सिद्धचक्र विधान (अर्थ सहित)	80/-
(107)	तत्त्वार्थ सूत्र विधान	30/-	(153)	श्री जिनेन्द्र पूजा पाठ (अर्थ सहित)	45/-
(108)	ऋषिमंडल विधान	12/-	(154)	आत्मा से परमात्मा का विज्ञान	100/-
(109)	श्री कल्पद्रुम विधान	75/-	(155)	पद्म पुराण के अमृत बिन्दु	15/-
(110)	श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान	75/-	(156)	शरद पूर्णिमा (कहानी संग्रह-1)	20/-
(111)	णमोकार महामंत्र विधान	15/-	(157)	जय जिनेन्द्र (कहानी संग्रह-2)	20/-
(112)	पंचमेरु विधान	15/-	(158)	क्षमा (कहानी संग्रह-3)	20/-
(113)	श्री नेमीनाथ विधान	15/-	(159)	भारती (कहानी संग्रह-4)	20/-
(114)	श्री पंचबालयति महामंडल विधान	10/-	(160)	अहिंसा की महिमा (नाटक)	20/-
(115)	अनंत चतुर्दशी विधान	15/-	(161)	सच्चे साथी (नाटक)	20/-
(116)	रक्षा बंधन विधान	25/-	(162)	कुन्द कुन्द दर्शन	15/-
(117)	परछाईयाँ पथ प्रदर्शक की (चित्रावली : आ. विद्यासागरजी)	30/-	(163)	रत्नाञ्जलि	300/-
(118)	सत्य दर्शन	3/-	(164)	संकट चौथ व्रत कथा	5/-
(119)	शारीरिक शिक्षा क्रम	5/-	(165)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-3)	20/-
(120)	दिगंबर मुनि	3/-	(166)	चंदन षष्ठी विधान	15/-
(121)	दिगंबर जैन युवक संघकी प्रस्तावित रुपरेखा	निःशुल्क	(167)	श्री मज्जिनार्चना	60/-
(122)	गुणस्थान चार्ट	5/-	(168)	परीक्षण के सोपान	30/-
(123)	जागो दिगंबर	2/-	(169)	विवेक मंजूषा	50/-
(124)	भक्तामर मंगल गीता पाठ	10/-	(170)	आचार्य परम्परा (रंगीन एलबम)	150/-
(125)	गुरु भक्ति	5/-	(171)	चारित्र शुद्धि (मंत्र सहित)	30/-
(126)	विद्या भक्ति संग्रह	5/-	(172)	चारित्र शुद्धि विधान	120/-
(127)	सिद्धवर कूट चालीसा	5/-	(173)	बहु कैसी	15/-
(128)	सामायिक विधि एवं प्रतिक्रमण	5/-	(174)	अच्छी सास	20/-
(129)	नित्य पाठ संग्रह	20/-	(175)	पलायन क्यों	20/-
(130)	विद्यांजलि	10/-	(176)	शांति पथ प्रदर्शन	20/-
(131)	मेरी भावना (पॉकेट साइज)	1/-	(177)	त्रिलोक सार	500/-
(132)	भक्तामर स्तोत्र (पॉकेट साइज)	1/-	(178)	धर्म सत्ता	10/-
(133)	सुदेश काव्याञ्जलि (कविता संग्रह)	60/-	(179)	हे मृत्यु स्वागतम्	40/-
(134)	नरक स्वर्ग की झाँकी (नाटक)	15/-	(180)	भोगोपभोग परिणाम	15/-
(135)	बाल कहानी	30/-	(181)	सात कोड़ी राज्य	10/-
(136)	बाल खेल	20/-			

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(182)	खाले का उद्धार (नाटक)	30/-	(225)	करे सत्य का वरण (उत्तम सत्य धर्म)	30/-
(183)	एक दिन का सच (नाटक)	30/-	(226)	अमृत का प्याला (उत्तम संयम धर्म)	80/-
(184)	अंजना सती (नाटक)	30/-	(227)	तप से तपन दूर (उत्तम तप धर्म)	80/-
(185)	देश की आवाज (नाटक)	30/-	(228)	तरुवर बनो सरोवर नहीं (उत्तम त्याग धर्म)	60/-
(186)	अत्याचार (नाटक)	30/-	(229)	मूर्च्छा त्यागो (उत्तम आर्किचन्य धर्म)	45/-
(187)	दहेज दानव (नाटक)	30/-	(230)	बड़े ब्रह्म की ओर (उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म)	60/-
(188)	सोन की ईंट (नाटक)	30/-	(231)	इष्टोपदेश	20/-
(189)	विश्वास दिगम्बर भेष में (नाटक)	30/-	(232)	परमार्थ देशना	45/-
(190)	नेमी वैराग्य (नाटक)	30/-	(233)	व्रत पर्व पूजाञ्जलि	100/-
(191)	राग से वैराग्य (नाटक)	30/-	(234)	पत्र परीक्षा	30/-
(192)	सत्ता के पार (नाटक)	30/-	(235)	दिशा-बोध (संस्मरण भाग-2)	30/-
(193)	अर्हत प्रवचनम्	30/-	(236)	भक्तामर स्तोत्र (अर्थ सहित)	10/-
(194)	सिद्धांत सार	40/-	(237)	श्रुत आराधना	30/-
(195)	सुक्ति मुक्तावलि एवं सुभाषित संग्रह	40/-	(238)	दिग्दर्शन जैन न्याय दर्शन	100/-
(196)	आसन्न त्रिभंगी	30/-	(239)	पार्श्वनाथ विधान	10/-
(197)	वर्णी विचार	15/-	(240)	ऋषिमंडल विधान	25/-
(198)	मर्यादा (कहानी)	40/-	(241)	कल्याण मंदिर खोत (अर्थ सहित)	10/-
(199)	अर्पणा (कहानी)	40/-	(242)	विषापहार स्तोत्र (अर्थ सहित)	20/-
(200)	चारित्र्य चक्रवर्ती	300/-	(243)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-1)	
(201)	अनर्थदण्ड क्या ?	40/-	(244)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-2)	
(202)	सम्यक्त्व कौमदी	80/-	(245)	जैन मनोविज्ञान	25/-
(203)	आदिपुराण भाग-1	500/-	(246)	विद्यासागर (बाल कविता)	25/-
(204)	आदिपुराण भाग-2	350/-	(247)	नये जूते (बाल कहानी)	25/-
(205)	हरिवंशपुराण	500/-	(248)	गुलेल (कहानी)	25/-
(206)	सुदर्शन चरितम्	150/-	(249)	सत्यमेव जयते (कहानी)	25/-
(207)	पुराण सार संग्रह	120/-	(250)	अभिषेक (कहानी)	25/-
(208)	प्रश्नोत्तर	120/-	(251)	मुमुक्षु (कहानी)	25/-
(209)	अमरसेण चरिड	150/-	(252)	साक्षी (कहानी)	25/-
(210)	मेरुमंदिर पुराण	220/-	(253)	गुलगुला महाराज (कहानी)	25/-
(211)	अष्टपाहुड़	400/-	(254)	क्या है ? राजवार्तिक में	20/-
(212)	स्वाध्याय भाग-1	120/-	(255)	दुनिया भर की बातें (भाग-1)	100/-
(213)	स्वाध्याय भाग-2	100/-	(256)	दुनिया भर की बातें (भाग-2)	100/-
(214)	पांडव पुराण	180/-	(257)	दुनिया भर की बातें (भाग-3)	100/-
(215)	नेमावर का जैन पुरातत्व	20/-	(258)	दुनिया भर की बातें (भाग-4)	100/-
(216)	दीपावली पूजन	10/-	(259)	कल्याणमंदिर विधान	20/-
(217)	अंतिम संस्कार	50/-	(260)	इष्टोपदेश	20/-
(218)	जैन विवाह विधि	30/-	(261)	दिग्दर्शन (जैन न्याय दर्शन)	100/-
(219)	कुंदकुंद दर्शन	10/-	(262)	कुरल काव्य	30/-
(220)	कुतर्क की कैची से कटता समाज	निःशुल्क	(263)	स्वयंभू स्तोत्र के विविध आयाम	50/-
(221)	बचे विस्फोट से (उत्तम क्षमा धर्म)	45/-	(264)	विराट स्वरूप विद्यासागर	150/-
(222)	बचें मान के सम्मान से (उत्तम मार्दव धर्म)	55/-	(265)	धर्म रत्नाकर	600/-
(223)	बचे नागिन से (उत्तम आर्जव धर्म)	45/-	(266)	भरतेश वैभव	600/-
(224)	बचें पाप की जड़ से (उत्तम शौच धर्म)	45/-			

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(267)	मूलाचार प्रदीप	500/-	(298)	ध्यानोपदेश कोष	30/-
(268)	संस्कार मंजूषा	300/-	(299)	प्रकृति परिचय	22/-
(269)	पञ्चाध्यायी	400/-	(300)	कर्म विपाक	30/-
(270)	लघु तत्वस्फोट	300/-	(301)	आचार्य छत्तीसी विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(271)	मरणकण्डिका (सल्लेखना)	300/-	(302)	पार्श्वनाथ विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(272)	बोधिवृक्ष	100/-	(303)	पंचपरमेष्ठी विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(273)	शांतिपथ प्रदर्शन	120/-	(304)	भक्तामर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(274)	जिन सरस्वती	150/-	(305)	शांति विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(275)	णमोकार ग्रंथ	280/-	(306)	नित्यपूजा संग्रह (आ. पूर्णमति माताजी)	60/-
(276)	धर्माभूत	100/-	(307)	तीर्थकर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	60/-
(277)	धनकुमार चरित्र	100/-	(308)	चौंसठ ऋद्धि विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(278)	प्रश्नोत्तर	120/-	(309)	अर्हत चक्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	120/-
(279)	चन्द्रप्रभ चरित्र	80/-	(310)	सिद्धचक्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	100/-
(280)	शांतिनाथ पुराण	150/-	(311)	तत्त्वार्थ सूत्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	50/-
(281)	पार्श्वपुराण	80/-	(310)	महावीर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	20/-
(282)	छहढाला (शास्त्र)	100/-	(310)	संस्कार मंजूषा सम्पूर्ण	300/-
(283)	मल्लिनाथ पुराण	100/-	(310)	भरतेश वैभव	600/-
(284)	महावीर पुराण	100/-	(310)	सम्यग्दर्शन चंद्रिका	700/-
(285)	चौबीसी पुराण	100/-	(310)	आप्तकाम उपन्यास	200/-
(286)	श्रीपाल चरित्र	250/-	(310)	लघुतत्व स्फोट	300/-
(287)	विवेक मंजूषा	120/-	(310)	सुभाषित रत्नावली	200/-
(288)	सम्यक्त्व मंजूषा	150/-	(310)	सुदर्शन चरित्र	150/-
(289)	प्रायश्चित्त (नाटक)	30/-	(310)	भक्तामर अनुष्ठान	20/-
(290)	न्याय विनिश्चय	120/-	(310)	जैन व्रत पूजा कथायें	100/-
(291)	अपराजित शतक भाग-1	100/-	(310)	जैन व्रत पर्व पूजाञ्जलि	50/-
(292)	अपराजित शतक भाग-2	100/-	(310)	जैन व्रत कथायें (60 कथायें)	80/-
(293)	वरांग चरित्र	300/-	(310)	सी एण्ड नॉव (भाग-1) अंग्रेजी	40/-
(294)	पुण्याश्रव कथा कोष	250/-	(310)	सी एण्ड नॉव (भाग-2) अंग्रेजी	40/-
(295)	आराधना कथा कोष	250/-	(310)	सी एण्ड नॉव (भाग-3) अंग्रेजी	50/-
(296)	संस्मरण	20/-			
(297)	मतवाला	10/-			

इसके अलावा अन्य प्रकाशनों का भी साहित्य उपलब्ध है। * जिनवाणी के प्रचार प्रसार हेतु प्रकाशन में सहयोग देकर पुण्य अर्जित करें।

सहयोग हेतु दान राशि	बैंक द्वारा ऑनलाईन भी जमा करा सकते हैं
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट	श्री दि. युवक संघ का आईडीबीआई बैंक खाता क्र.
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704350	155104000037022
संस्कार सागर	भारतीय स्टेट बैंक में ब्र. जिनेश मलैया का खाता क्र.
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338	30682289751
श्री दिगम्बर जैन युवक संघ	ओरिएंटल बैंक ऑफ कामर्स में खाता क्र.
आईसीआईसीआई—खाता क्रमांक -004101045675	07882151004198

श्री दिगम्बर जैन पंच बालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हास्पिटल के पास, ए.बी. रोड, इन्दौर-10
फोन नं. : 0731-2571851, 4003506, 8989505108

पर्यूषण पर्व पर प्रदेश में बूचड़खाने व मांस विक्रय बंद कराएँ

जैन धर्म में पर्यूषण पर्व का अत्यधिक महत्व है। इसी की महत्ता को दृष्टि में रखकर अहिंसा परमो धर्म के मूल सिद्धांत को पल्लवित करने हेतु विभिन्न राज्य सरकारों के द्वारा पर्यूषण पर्व के दिनों बूचड़खाने एवं मांस मछली के विक्रय को बंद रखने हेतु आदेश प्रसारित किये जाते रहे हैं।

पहले गुजरात राज्य में इस संबंध में प्रसारित आदेश को गुजरात हाईकोर्ट ने अनुचित मानकर उसे रद्द कर दिया था किन्तु गुजरात हाईकोर्ट के द्वारा प्रदत्त निर्णय को सुप्रीम कोर्ट, नई दिल्ली के द्वारा उचित नहीं माना गया और सुप्रीम कोर्ट ने पर्यूषण पर्व के 9 दिनों में बूचड़खाने तथा मांस-मछली की दुकानों को बंद रखे जाने वाले अहमदाबाद म्युनिसिपल कार्पोरेशन के निर्णय को उचित ठहराया था।

सुप्रीम कोर्ट राजस्थान, बिहार तथा छत्तीसगढ़ राज्य शासनों द्वारा प्रसारित आदेशों की सूचना एक ज्ञापन के माध्यम से आप तक प्रेषित की जा रही है। इन प्रमाणों के आधार पर आपसे अपेक्षा की जा रही है कि आप भी प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री, आपके जिले के प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक आदि जनप्रतिनिधियों को समय रहते उन्हें ज्ञापन देकर या समग्र जैन समाज की भावनाएं प्रेषित करें।

इसी के साथ आपसे यह भी अपेक्षा की जा रही है कि देश-प्रदेश के अन्य नगरों में स्थित अपने परिचित, रिश्तेदार, सामाजिक

संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी इस ज्ञापन के विवरण को अधिकाधिक मात्रा में पहुँचाएँ ताकि इस वर्ष के पर्यूषण पर्व के दिनों तक शासन के द्वारा आदेश प्रसारित हो जाए। इसके लिए स्थानीय वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जिलाधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार, नायाब तहसीलदार, थानेदार आदि को ज्ञापन सौंपे एवं उनकी सूचना स्थानीय पत्रकारों, संवाददाताओं के द्वारा पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित कराएँ। परस्पर में एसएमएस कर दूसरों तक जानकारी प्रेषित कर टीवी चैनलों द्वारा भी समाचार भिजवाएं। ताकि उसे पढ़कर अन्य स्थानों की जैन समाज के द्वारा आपके सत्प्रयास से प्रेरणा पाकर अपने यहाँ भी वैसा प्रयास किया/कराया जा सके।

इस संबंध में यदि किसी भी प्रकार की कोई अन्य जानकारी की आवश्यकता हो तो हमें अवश्य ही सूचित करें। तत्संबंधी उचित समाधानकारक सामग्री या सलाह प्रदान करने में हमें आत्मीय प्रसन्नता होगी। संभव हो तो आपके द्वारा इस संबंध में किये या कराए गए प्रयास की जानकारी मुझे भी उपलब्ध कराएँ ताकि उनके आधार पर उचित व प्रभावी कार्यवाई की/कराई जाने में सुगमता हो सके।

ब्र. जिनेश मलैया

प्रधान सम्पादक : संस्कार सागर

श्री दिग. जैन पंचबालयति मंदिर,

विद्यासागर नगर, बॉम्बे हॉस्पिटल के पास,

ए.बी. रोड, इंदौर-10

फोन : 0731-2571851,

मो. : 08989505105

चलो देखें यात्रा

सिद्धक्षेत्र कमलदह

कमलदह क्षेत्र सेठ सुदर्शन की निर्वाक भूमि है महामुनि सेठ सुदर्शन का जन्म भागलपुर के निकट चंपापुर में हुआ था आपकी कहानी बड़ी विचित्र हो सेठ सुदर्शन इतने सुंदर थे की रानी मोहित हो गई उसने श्मसान में तपस्या करते हुये सुदर्शन को दासियों द्वारा उठवा लिया था उसने उनके सामने प्रणय प्रस्ताव लिया था उसने उनके सामने प्रणय प्रस्ताव रखा तो सुदर्शन ने उन्हें बहन समझकर समझाया और कहा हम आपके प्रस्ताव को अस्वीकार करते हैं। षड्यंत्र रचकर सेठ सुदर्शन को फाँसी की सजा रानी ने दिलवाई परंतु उनके शील के प्रभाव से सूली सिंहासन बन गई यहाँ प्रत्येक वर्ष पौष शुक्ल पंचमी को महामुनि सुदर्शन स्वामी का निर्वाणोत्सव मनाया जाता है यहाँ मंदिर जी में भगवान नेमिनाथ जी की मूलनायक प्रतिमा विराजमान है। समीपवर्ती क्षेत्र पावापुर 80 किमी. कुंडलपुर 90 कि.मी राजगृही 100 किमी. गुणावा 95 कि.मी वैशाली 60 किमी. गोल घर 8 किमी. पटना सिटी के मंदिर 3 किमी.

आवागमन के साधन- पटना से आटो रिक्शा एवं पैसंजन ट्रेन

संपर्क सूत्र अध्यक्ष :- आर.के. जैन मुंबई 9323003006,

मंत्री अजय जैन पटना मो. 9334396920

आवास व्यवस्था- दोकमरे अटैच बाथरूम, 5 कमरे बिना बाथरूम, 1 हॉल, 1 गेस्ट हाउस यात्री ठहरने की कुल क्षमता 250

भोजनशाला- अनुरोध पर सशुल्क

पथरीधन चूर्ण

पथरी की अचूक दवा

सेवन विधि-

- 1) यह चूर्ण सुबह भोजन के बीच में लिया जायें।
- 2) पानी दिनभर अधिक मात्रा में लें, पेट खाली न हो।
- 3) प्रथम खुराक लेनेके बाद, दूसरी खुराक एक दिन छोड़कर ही ली जाये।

नोट- यह औषधि निःशुल्क दी जाती है। ठीक होने पर औषधि निर्माण हेतु सहयोग कर सकते हैं।

प्राप्ति स्थान - ब्र. जिनेश मलैया, संस्कार सागर

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मन्दिर, बॉम्बेहॉस्पिटल के पास, इन्दौर (म.प्र.)

फोन: 0731-4003506 मो.: 8989505108, 6232967108

दवा देने के विभिन्न स्थानों पर केन्द्र है आप भी अपने यहां केन्द्र चाहते हैं तो सम्पर्क करें



न्याय दर्शन का अनूठा ग्रन्थ सन्मति सूत्र

प्राकृत भाषा का 166 गाथाओं का यह महत्वपूर्ण ग्रन्थ है। इस ग्रंथ में तीन कांड हैं, नय काण्ड, जीवकाण्ड या ज्ञानकाण्ड और तीसरा ज्ञेयकाण्ड (सामान्य विशेष काण्ड) प्रस्तुत ग्रंथ में नयों का सांगोपांग विवेचन किया गया है तथा जैन न्याय की सुदृढ़ नींव डालने का प्रयास किया है।

आचार्य सिद्धसेन के द्वारा रचित सन्मति सूत्र के प्रथम काण्ड में 54 गाथाओं के माध्यम से नय का विवेचन किया गया है मूल नय दो बताये गये हैं-द्रव्यार्थिक नय, और पर्यायार्थिक नय इन दोनों नयों के माध्यम से तीर्थंकरों की वाणी का सामान्य विशेष भाव प्रकट होता है शेष नयों का विकास इन्हीं दोनों नयों से हुआ है।

द्रव्यार्थिक नय अभेद को ग्रहण करता है तथा पर्यायार्थिकनय भेद को ग्रहण करता है। द्रव्यार्थिक नय की शुद्ध प्रकृति संग्रह की प्ररूपणा हैं और प्रत्येक वस्तु के संबंध में होने वाला शब्दार्थ निश्चय संग्रह का व्यवहार है। ऋजुसूत्र नय अर्थात् तदनुसारी जो वचन विभाग वह पर्यायनय का मूल आधार है। शब्दनय समभिरूढ़ और एवं भूतनय उत्तरोत्तर सूक्ष्मभेद वाले होने से पर्यायनय के अन्तर्गत ही है। द्रव्यार्थिक के अंतर्गत नाम स्थापना और निक्षेप आते हैं तथा भाव निक्षेप पर्यायार्थिक नय के अंतर्गत आता है। उत्पाद व्यय ध्रौव्यात्मक वस्तु का कथन करके नयों का निरूपण किया गया है।

द्वितीय काण्ड में दर्शन और ज्ञान उपयोग का वर्णन किया गया है आत्मा के सामान्य विशेषात्मक स्वरूप का वर्णन करके द्रव्यार्थिक और पर्यायार्थिक नयों का घटित किया है। ज्ञान और दर्शन के समयभेद का कथन करते हुये केवली के ज्ञान और दर्शन के अभेदवाद का समर्थन किया है।

तृतीय काण्ड में सामान्य और विशेष वस्तु स्वरूप को बताया है सामान्य और विशेष दोनों परस्पर में सापेक्ष हैं इस ग्रंथ में अनेकान्त की भद्र कामना की है।

कविता

क्या गजल पढ़ूँ



डूबता है आफताब क्या गजल पढ़ूँ, तीरगी का ये शबाब क्या गजल पढ़ूँ
हिंसा ने तान दी हैं शहशत की संगीने, अमन का है दामन खराब क्या गजल पढ़ूँ
प्रेम की दरिया कैसे बहेगी इस जमीं पर, नफरत के है कितने कटाव क्या गजल पढ़ूँ
फिरका परस्ती ने गढ़े मतलबों के ये शिखर, छा गया बिखराव क्या गजल पढ़ूँ
मौका परस्ती छोड़कर एक जुट होवें यहाँ, भूलते नहीं हैं दाव क्या गजल पढ़ूँ

कान के बाहरी अवस्था देखकर रोग निर्णय

* जिनेंद्र कुमार जैन (गोरीनगर इन्दौर) *

प्राणियों में विशिष्ट ज्ञानेन्द्रिय कान और आँख हैं जो शरीर का महत्वपूर्ण अंग हैं। बाहर से कान के साथ आँख की समानता नहीं है किन्तु वास्तव में आंतरिक रूप में बहुत समानता है। कान सुनने के साथ ही अच्छे व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति, संवेदना व स्वास्थ्य का सूचक भी है। कान के बाहरी भाग जिसे आरिकल या पिन्ना कहते हैं तो ध्वनि तरंगों को एकत्रित करके मस्तिष्क तक पहुँचाता है। इस कान के बाहरी भाग की अवस्था देखकर प्राचीन काल से ऋषि, वैद्य शरीर में प्रकट होने वाले रोगों की जानकारी ज्ञात कर लेते थे उनमें से प्रमुख इस प्रकार हैं।

1. कान के पूरे भाग पीलापन-मय, ठंड, आक्षेप, अकड़न इत्यादि और शरीर से अत्याधिक रस रक्त का क्षय, अत्याधिक थकावट की सूचना देता है। बायें कान का भाग स्पष्ट रूप से पीला दिखने पर प्लीहा रोग का आक्रमण का संकेत देता है।
2. दोने कान के लाल होने पर सिर या कान में दर्द अथवा रक्त की अधिकता का प्रकट होना।
3. कान की अस्थायी लालिमा-मानसिक शोक या हर्ष होने और नाक से खून निकलना, शरीर में विकारावस्था आने व एपोलेक्सी रोग की शुरुआत का सूचक है।
4. कान का सदैव ही स्वाभाविक लाल रंग रहने पर पेट की किसी आंतरिक रोग या मस्तिष्क रजः स्राव अथवा बबासीर रोग समझना कान का बाहरी भाग या मध्यभाग रक्ताधिक्य होना ऋतु बंद होने की उर्म और ऋतु प्रकट होने के समय होता है।
5. नवजात शिशु के कान में धागे जैसे लाल दाग-असमय जन्म का चिन्ह है।
6. कान में छोटे-छोटे बैंगनी रंग की पीप युक्त जलन करने वाली फुंसियों के दाग यह पुराना रोग कई प्रकार जख्म, चर्म रोग का लक्षण सूचक है।
7. कान के ऊपरी भाग में थोड़ा लाल, सूजन दर्द होना-गठिया वात की शुरुआत होने की संभावना व्यक्त करता है।
8. **कान पूरा भाग:-** 1. गरम सिर या कान का दर्द, क्रोध या स्वरयन्त्र (लैरिम्स) की कोई बीमारी होने का संकेत 2. ठंडा-ठंड से अकड़न व बल कमे क्षय होने पर होता है। जो दौरा पड़ने की संभावना, बीमारी या उन्माद की हालात में ठंडा होने पर रोग का धीरे-धीरे कम होने समझना। कान का निचला भाग लोब जो मोटा व नरम होता है बिलकुल ही ठंडा पड़ने पर मृत्यु निकट होने का संकेत देता है।

कान का तंत्रिका तंत्र से संबंध होता है जो मस्तिष्क की आठवीं क्रेनियल नस से जुड़ा होता है जो सुनने के साथ ही विशेष रूप से आंतरिक भावनात्मक प्रतिक्रिया का संदेश देता है। पशुओं में संवेदनाओं उनके अपने आप हिलते कान से व्यक्त होती है। कान पकड़ना कान खींचना, कान खड़े हो जाना प्रेम क्षमा गुस्सा के सूचक हैं। पूर्ण रूप से सटीक इलाज द्वारा जीवन में निरोग शरीर का अनुभव प्राप्त करके जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता मार्च 2020 गुरु प्रतिक्षा में बैठे हम

प्रथम-

ध्यान लीन जो अंतर्मन से निजवैभव बस
निहार रहे।

नयन बंद है फिर भी सारी दुनिया निज में
देख रहे

शुद्धात्म अनुभव रस बस करे पान है जो
हर दाम

ऐसे योगी घर आये गुरु प्रतीक्षा में बैठे हम
श्रीमती रजनी जैन, राहतगढ़

अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा
मार्च 2020 के विजेता

प्रथम : श्रीमती रजनी सेठ, सागर

द्वितीय : सौ. सरजा रमेश कस्तुरे, चंद्रपुर (महाराष्ट्र)

तृतीय : कान्ता जैन, मदनगंज किशनगढ़

द्वितीय-

गुणी है विश्व भर में जो

सत्य व्रत शीलधारी जो

झलक दर्श दो विद्या गुरुवर तुम

गुरु प्रतीक्षा में बैठे हम

श्रीमती रूचि जैन, सागर

तृतीय-

समता जीवन साधना जिनका मूलाचार

ज्ञान ध्यान तप लीनता पालें पंचाचार

सुख दुख जीवन मृत्यु में सदा रहें जो हम

निशल्य निसंग गुरु प्रतीक्षा में बैठे हम

श्रीमती शशि जैन, छिंदवाड़ा

वर्ग पहली क्र. 250
मार्च 2020 के विजेता

प्रथम : श्रीमती रजनी विमलचंद जटाले, महाराष्ट्र

द्वितीय : श्रीमती पारस जैन, इन्दौर

तृतीय : इन्दु बड़जात्या, धार म.प्र.

अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा : मार्च 2020 का हल

01. सद्भाव	18. निवृत्ति	35. दुविधाग्रस्त
02. अज्ञानता	19. पुरुषार्थ	36. धर्म
03. मालदार	20. त्रस	37. न्यौछावर
04. ज्योति	21. प्रौढ़	38. कर्म
05. दुआ	22. निष्पक्ष	39. सदुपयोग
06. परिवार	23. कैची	40. लक्ष्य
07. अखरा	24. काम	41. 26 जन. से 2 फर. 2020
08. शुद्ध	25. उच्चतम	42. 13 जनवरी 2020
09. स्वतंत्रता	26. अच्छे	43. 31 सित. 2019 बांसवाड़ा
10. संतुलित	27. मौन	44. 15 से 21 जनवरी 2020
11. कृतघ्नता	28. मेरु	45. 3 से 10 मिनट
12. कर्तव्यनिष्ठ	29. प्राणियों	46. 6 घंटे
13. राष्ट्र	30. भेड़ों	47. 231 पृष्ठ
14. समन्वय	31. भूख	48. शिखरजी 23 जन. 2020
15. समाज	32. गर्व	49. तीन
17. संजीवनी	33. वरदहस्त	50. 29 सितम्बर 2019
	34. उत्थान	



पुराण मेरु

आत्मशोध के लाभ

नात्मलाभात्परं ध्यानं।

आत्म लाभ से बड़ा कोई ध्यान नहीं है।

नात्मलाभात्परं पदम्।

आत्मलाभ से बड़ा कोई पद नहीं है।

कुरुध्वंचित्स्वबन्धुताम्।

अपने चैतन्य स्वरूप के साथ बंधुता करो।

अनादि सिद्धो नास्तीह कश्चन।

कोई भी जीव आनादि से सिद्ध नहीं होता।

याति जीवोऽयमेककः।

यह जीव अकेला ही जाता है।

पक्षी वृक्षमिव व्यक्त्वा देहं जन्तुर्ग
मिष्यति।

जैसे पक्षी वृक्ष को छोड़कर चला जाता है

वैसे ही यह जीव शरीर को छोड़कर चला

जायेगा।

भवे चतुर्गतौ भ्राम्यन् जीवो दुःखैश्चितः
सदा।

चतुर्गति रूप संसार में भ्रमण करता हुआ
जीव सदा दुखी रहता है।

एकाकी जायते प्राणी ह्योको याति
यमान्तिकम्।

जीव अकेला ही जन्म लेता और अकेला ही
मरता है।

विद्यते स प्रदेशो न यत्रोत्पन्ना मृता न च।

संसार में ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ जीवों
का जन्म और मरण नहीं हुआ हो।

कायचैतन्ययोर्नैक्यं विरोधि गुणयोगतः।

शरीर और चेतन में परस्पर विरोधी गुण होने
से दोनों एक नहीं हो सकते।

आदि पुराण से

माथा पच्ची

निम्न अक्रमबद्ध वर्णों को क्रमबद्ध बनाकर
रिक्त स्थान में एक सार्थक शब्द बनाइए।

1. अ द अ म अ आ च आ र य श द ई य आ ज ई आ र आ अ म ह ज अ ई व ह आ
2. अ द अ म अ आ च आ र य श द ई य आ ज ई आ र आ अ म ह ज अ अ प व ई ज अ
3. अ द अ म अ आ च आ र य श द ई य आ ज ई आ र आ अ म ह ज अ अ उ प क ल अ
4. अ द अ म अ आ च आ र य श द ई य आ ज ई आ र आ अ म ह ज अ ई उ स न अ ल
5. अ द अ म अ आ च आ र य श द ई य आ ज ई आ र आ अ म ह ज अ न आ अ व द घ र म अ

परिणाम :

मार्च 2020: (1) प्रतिष्ठा पराग (2) प्रतिष्ठा रत्नाकर (3) प्रतिष्ठा मोरम
(4) प्रतिष्ठा रत्न (5) प्रतिष्ठा गौरव

करियर



नेट परीक्षा में बने सफल : पायें रोजगार

शिक्षण प्रशिक्षण के प्रति व्यक्तिगत तौर पर एक स्वभाविक रुझान होता है अध्ययन और शोध की ओर बड़ी संख्या में लोग आकर्षित भी होते हैं हालांकि बड़ी संख्या में भले ही युवा बतौर शिक्षक करियर बनाना चाहते हैं। लेकिन देश में प्रशिक्षित व पेशेवर शिक्षकों की बहुत कमी है। शिक्षकों की कमी उच्च शिक्षा स्तर पर ही नहीं, बल्कि माध्यमिक और प्राथमिक स्तर की शिक्षा में भी है, टीचिंग में करियर बनाने के लिये एलिमेंट्री स्कूल, ट्रेड ग्रेजुएट टीचर और पोस्ट ग्रेजुएट टीचर स्तर पर मौके होते हैं। वहीं कॉलेजों में लेक्चर, रीडर, विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर के अलावा एडमिनिस्ट्रेटर, सुपरवाइजर, कंसल्टेंट और रिसर्चर, जैसे कार्य होते हैं लेक्चर के तौर पर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्यापन के साथ-साथ रिसर्च लेखन और आलेख प्रकाशित कराने के लिये अतिरिक्त मेहनत करनी होती है। इस क्षेत्र में प्रतिभावान युवाओं को चयनित करने के लिये सरकार राष्ट्रीय स्तर पर नेट यानी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा का आयोजन करती है, नेट में चयनित की अलग-अलग वरीयता सूची क्रमशः जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जे आर एफ) और लेक्चरशिप के लिये बनती है, जे आर एफ हासिल करने के बाद देश के प्रतिष्ठित संस्थानों / विश्वविद्यालयों से पी एच डी या रिसर्च किया जा सकता है।

यू जी सी नेट दिसम्बर 2019 के लिये आवेदन :- नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा यूजीसी नेट तथा सी एस आई आर नेट परीक्षाओं का दिसंबर 2019 में आयोजन किया जायेगा इन परीक्षाओं के लिये आवेदन प्रक्रिया चल रही है यूजीसी नेट दिसंबर 2019 परीक्षा कम्प्यूटर आधारित होगी इसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित दो प्रश्नपत्र होंगे। दोनों प्रश्नपत्रों के लिये तीन घंटे की अवधि निर्धारित है सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे।

पेपर 1. इस खण्ड में 50 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिसके लिये 100 अंक निर्धारित हैं इसके तहत अभ्यर्थी के टीचिंग / रिसर्च एप्टीयूड की जांच की जायेगी इस खण्ड में रीजनिंग एबिलिटी रीडिंग कॉम्प्रिहेंसन, डायवर्जेंट थिंकिंग व जनरल अवेयरनेस से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

पेपर 2. इस खण्ड में 100 प्रश्न अभ्यर्थी द्वारा चुने गये विषय पर आधारित होंगे जिसके लिये कुल 200 अंक निर्धारित हैं अभ्यर्थी के डोमेन नॉलेज की परख की जायेगी।

प्रत्येक सही जबाब पर दो अंक होंगे इस परीक्षा में नकारात्मक अंकन का प्रावधान नहीं है।

आवेदन के लिये योग्यता:- यूजीसी से मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ मानविकी और सामाजिक विज्ञान (भाषायें भी शामिल), कम्प्यूटर साइंस व एप्लीकेशन, इलेक्ट्रॉनिक साइंस में पोस्ट ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिये अंकों की सीमा 50 प्रतिशत निर्धारित की गयी है। मास्टर डिग्री परीक्षा के अंतिम वर्ष / सेमेस्टर में शामिल हो रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं व शर्तों की निर्धारित अवधि में अर्हता प्राप्त करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

महत्वपूर्ण जानकारी

आयु सीमा : जे आर एफ के लिये अभ्यर्थी की आयु 1 दिसंबर 2019 को 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये, असिस्टेंट प्रोफेसर के लिये कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं है।

आवेदन की अंतिम तिथि:- 09 अक्टूबर 2019

शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि :- 10 अक्टूबर 2019

आवेदन शुल्क : 1000 रुपये (ई डब्ल्यू एस) ओबीसी एनसीएल के लिये 500 रुपये तथा एससी/एसटी / पीडब्ल्यूडी के लिये 250 रुपये।

प्रवेश परीक्षा तिथियाँ :- 2 दिसंबर और 6 दिसंबर 2019 विवरण देखे

<https://ugchet.hta.nic/webinfohenlerfile hendler.ashx?i=file&ii=18&iii=y>

कविता

समता धरो स्वयं जीवन में

✽ कांति कुमार जैन, करुण खिमलासा ✽

समता धरो स्वयं जीवन में, सुख पाओगे निज अंतर में।

पर वस्तु से राग न करना, लोभ भाव न हो अंदर में ॥

नर भव मिला पुण्य से भाई, इस जीवन में धर्म ही करना।

प्रभुवर के गुण गाते रहना, आत्म बोध को ज्ञान ही भरना ॥

यह संसार असार है भाई, समय न खोना अरे फिकर में।

समता धरो स्वयं जीवन में, सुख पाओगे निज अंतर में।

धर्म ध्यान करके जीवन में, यह क्षण कभी न मिल पायेगा।

मिथ्यात्म से दूर हटोगे, निज अनुभूति को जायेगा ॥

कितनी गतियाँ पायी जीवन में मत भटको अब दर दर में।

समता धरो स्वयं जीवन में, सुख पाओगे निज अंतर में।

अपना कोई नहीं यहाँ पर, किससे तुम स्वास्थ्य करते हो।

क्षण क्षण में वह बदल रहा है, ऐसा प्रेम अरे! धरते हो ॥

अवसर मिला बहुत मुश्किल से, आओं अपने ही निज घर में

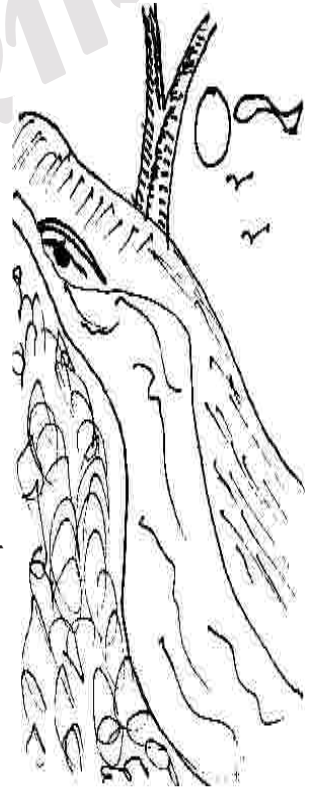
समता धरो स्वयं जीवन में, सुख पाओगे निज अंतर में।

संयम ही जीवन सुखदायक, संयम ही सुख देता भाई।

धरो दिगम्बर भेष ही बन्धु, मुक्ति पथ पर चलना भाई ॥

फिर न करुण बनोंगे बन्धु, सुख पाओगे मुक्तिपथ में।

समता धरो स्वयं जीवन में, सुख पाओगे निज अंतर में।



दुनिया भर की बातें



जून 2020

■ 1 जून

- प्रसिद्ध संगीत निर्देशक बाजिद खान का निधन हुआ वे कोरोना संक्रमित 42 वर्ष के थे।
- वाशिंगटन: अश्वेत की मौत पुलिस हिरासत में होने के बाद भड़की हिंसा व्हाइट हाउस पहुँची ट्रम्प बंकर में छुपे।
- सुरक्षा बलों में मुठभेड़ में उपाक आतंकी ढेर किये।

■ 2 जून

- पुलवामा: सुरक्षाबल 2 आतंकी मार गिराये।
- असम में भूस्खलन से 20 लोगों की मौत हुई।
- आदेश गुप्ता भाजपा दिल्ली के प्रदेशाध्यक्ष बने।

■ 3 जून

- 120 किमी. घंटे की गति से निसर्ग तूफान ने समुद्र में रास्ता बदला महाराष्ट्र गुजरात में भारी वर्षा हुई तबाही टली।
- जनक कुमार जैन सागर के कमिश्नर बने।
- देश का नाम सिर्फ भारत की मांग करने वाली याचिका में दखल देने से सुप्रीम कोर्ट ने इंकार किया।

■ 4 जून

- हाईकोर्ट जबलपुर ने कहा जो शराब ठेकेदार नई नीति से असंतुष्ट है वे दुकान सरेंडर करे।
- अमेरिका में महात्मा गांधी की प्रतिमा नुकसान हुआ यह भारतीय दूतावास के बाहर थी। यह अश्वेत प्रदर्शनकारियों की करतूत थी।

■ 5 जून

- भोपाल: पूर्व मंत्री बालेन्दु शुक्ल भाजपा छोड़ कांग्रेस में लौटे।
- 13 वर्षीय एम नेत्रा कोरोना के दौरान जन कल्याण कार्य करने से यू.एन. संयुक्त राष्ट्रसंघ की गुडविल एम्बेसडर बनी।

■ 6 जून

- तीन राज्यों के पूर्व राज्यपाल वेद मरवाह का निधन हुआ वे 87 वर्ष के थे।
- गुजरात कांग्रेस ने अपने 65 विधायकों को रिजार्ट में शिफ्ट किया।
- बिहार की मधु माधवी को प्रतिष्ठित जेम्स वाट पुरस्कार के लिये चयन हुआ।

■ 7 जून

- रोहतांग दर्रा में बर्फबारी हुई 25 फुट बर्फ गिरि।
- गुरुग्राम (हरियाणा) मेदांता के चेयरमेन डॉ. नरेश जेहन पर भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज हुआ।
- गीतकार जावेद अख्तर खिर्द डॉ किन्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।

■ 8 जून

- शोपिशां (जे.के.) के पिंजोरा में सुरक्षा बलों की मुठभेड़ में 4 आतंकी मार गिराये।
- भुवनेश्वर: कामाख्या नगर ट्रेन विमान क्रैश हुआ ट्रेनी पायलट और प्रशिक्षक की मौत हुई।

- पाकिस्तान सैन्य प्रतिष्ठानों और हथियारों की जानकारी देने वाले रक्षा कर्मी विकास जाट, चिमनलाल नायक गिरफ्तार हुये।

■ 9 जून

- जम्मू: अमंतनाग जिले के सरपंच पं. अजटा भारती की हत्या आतंकीयों ने कर दी।
- ग्वालियर: पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल पर भीड़ ने हमला किया पथराव में सिर पर चोट आई 5 टांके आये।
- इंदौर: शहर के डॉ अजय जोशी की कोरोना से मौत हुई।

■ 10 जून

- द्रमुक विधायक जे अनबरान का कोरोना से निधन हुआ।
- नीरव मोदी - मेहुल चौकसी से प्रवर्तन निदेशालय 1350 करोड़ के हीरे भारत लेकर आया।
- डिम्ब्रूगढ: तेल के कुंआ में आग लगने से दो लोगों की मौत हुई।

■ 11 जून

- पठानकोट: आतंकी इशकाक के कहने पर आये दो आतंकी 10 हैंड ग्रेनेड सहित गिरफ्तार।
- अमेरिका के कैलिफोर्निया में आग लगी 9000 एकड़ जंगल खाक 25000 घर जले।

■ 12 जून

- तमिलनाडु सरकार ने 1000 से अधिक जगहों के नाम बदले कोयंबटूर को कोयंपुथूर नाम बदला।
- बिहार के सीतामढ़ी जिले के जानकी नगर में ग्रामीणों और नेपाल पुलिस के झड़प में 1 की मौत तथा 3 घायल हुये।

- चीन पर भ्रम फैला रहे 17 लाख ट्विटर एकाउंट बंद किये।

■ 13 जून

- नेपाली संसद के निचले सदन ने नये नक्शे को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया भारत के लिपुलेख और कालापानी नये नक्शे में शामिल है।
- भोपाल: कांग्रेस के विधायक कुणाल चौधरी सहित 76 नये पॉजिटिव मरीज कोरोना के मिले।
- सागर: महारा रेजीमेंट सेंटर में युद्धाभ्यास के दौरान गोली गिरकर कुमार की मौत हुई।

■ 14 जून

- फिल्म अभिनेता सुशांत राजपूत ने आत्महत्या की वे 34 वर्ष के थे ?
- सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकार विनोद दुआ की देशद्रोह मामले में गिरफ्तारी पर रोक लगाई।
- पाकिस्तानी गोली बारी में दो जवान शहीद हुये।

■ 15 जून

- पाक में गिरफ्तार भारतीय उच्चायोग अधिकारी एस पॉल और डी ब्राह्म को रिहा किया।
- म.प्र. के राज्यपाल लाल जी टंडन की हालात गम्भीर हुई।
- दिल्ली में कोरोना जांच की कीमत आधी दिल्ली सरकार ने की।

■ 16 जून

- चीनी सैनिकों ने भारतीय फौज पर रॉड-पत्थरों से हमला करने पर 20 सैनिक शहीद हुये 43 चीनी सैनिक ढेर हुये।
- पी डी पी नेता के रिश्तेदार सहित 3 आतंकी ढेर हुये।
- म.प्र. में किरायदारी अधिनियम

2020 लागू करने का निर्णय हुआ।

■ 17 जून

- चीन ने पहली बार गलवान पर अपना दावा ठोका चुशुल में सेना भेजी।
- दिल्ली स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन को कोरोना पॉजिटिव हुआ।

- बसपा- सपा और दो निर्दलीय विधायक भाजपा में शामिल हुये।

■ 18 जून

- रेलवे ने चीनी कम्पनी का 471 करोड़ का ठेकारद् किया।

- भोपाल: स्कूल शिक्षा विभाग ने के.जी से 5वीं तक ऑनलाईन क्लासेस पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी।

- इम्फाल: मणिपुर में भाजपा सरकार का जाना तय हुआ। काँग्रेस ने अपना दावा पेश किया।

■ 19 जून

- भारतीय सेना ने 55 मीटर पुल तैयार कर लिया जिस पर चीन को एतराज था।

- उर्जित पटेल को राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान का चैयरमैन नियुक्त किया गया।

- एक्सीलेंस कॉलेज की प्रो. मधु जैन का कोरोना से निधन हुआ वे 56 वर्ष की थी।

■ 20 जून

- भाजपा विधायक ओम प्रकाश सकलेचा को कोरोना पॉजिटिव पाया गया।

- पाक ने कश्मीरी के कठुआ में जासूसी के लिये भेजा ड्रोन से मार गिराया।

- नेपाल ने भारत से विवाह के बाद आने वाली महिला को 7 साल बाद नागरिकता देना तय किया।

■ 21 जून

- श्रीनगर: श्रीनगर में 3 और शोपियों में

एक आतंकी सैन्य मुठभेद में मारे गये। चारों आतंकी संगठनों के सरगना मारे जा चुके हैं।

- चीन ने घुसपैठ करने पर सेना को गोली चलाने की छूट दी।

- नीट परीक्षा हिन्दी में देने की व्यवस्था शुरू हुई।

■ 22 जून

- चीन की सीमा से जोड़ने वाला मिलन घाटी का पुल ढह गया।

- इंदौर जिला कोर्ट ने 335 करोड़ की टैक्स चोरी करने वाले किशोर बाधवानी को जेल भेजा।

- मिजोरम में 12 घंटे में दूसरा भूकम्प 5.3 की तीव्रता से आया युवक की मौत हुई।

■ 23 जून

- बाबा रामदेव की कम्पनी पतंजलि द्वारा लॉच की गई कोरोना की दवा पर 5 घंटे बाद केन्द्र सरकार ने रोक लगाई।

- कोरोना के चलते वर्ष 2020 को हज यात्रा केन्द्र सरकार ने रद्द कर दी।

- बिहार के 5 राजद एम.एलसी जदयू में शामिल हुये।

■ 24 जून

- देश के सभी को-ऑपरेटिव बैंक का रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की निगरानी में रखा गया।

- भारत के इतिहास में पहली बार पेट्रोल से महंगा हुआ

- टी.एम.सी. विधायक तमोनाश घोष का कोरोना से निधन हुआ वे 60 साल के थे।

■ 25 जून

- बिहार में विभिन्न स्थानों पर बिजली गिरने से 83 लोगों की मौत हुई।

- पाक की संसद में इमरान ने ओसमा बिन लादेन को शहीद करार दिया।

- जम्मू-कश्मीर : में लश्कर के 5

सहयोगी गिरफ्तार हुये एवं मुठभेद में दो आतंकी ढेर हुये।

■ 26 जून

- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से सेना प्रमुख ने मुलाकात कर एल. ए. सी. पर तनाव पूर्ण हालात की जानकारी दी।

- म.प्र. कांग्रेस कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल ने इस्तीफा दिया नये कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन बने।

- पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुलपुरी 787 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी में फंसे।

■ 27 जून

- रिया जैन पी/6 भारत भूषण ने उ.प्र. हाई स्कूल परीक्षा को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

- नेपाल ने भारती सीमा पर पहली बार सेना तैनात।

- भारत ने चीन सरहद पर एयर मिसाइल हिफैस की सिस्टम तैनात किया।

■ 28 जून

- म.प्र. के राज्यपाल का प्रभार अनंदिबेन को सौंपा गया।

- 1 दर्जन लोगों से मुठभेद के बाद 1.60 लाख का मोस्ट बांटेड जीतू सोनी पुश्तैनी गांव धारमि से गिरफ्तार किया।

- चीन की जनता ने सरकार से मरने वाले सैनिकों के नाम पूछे।

■ 29 जून

- भारत सरकार ने टिकटॉक सहित 59 चीनी एक पर बेन (प्रतिबंध) लगाया।

- दुनिया भर में कोरोना से संक्रमितों की संख्या 1.03 करोड़ तक पहुँची।

- कराची: स्टॉक एक्सचेंज पर आतंकी हमला हुआ 4 आतंकी सहित 10 लोग मारे गये।

■ 30 जून

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम 6 वाँ संबोधन किया इसमें 80 करोड़ गरीबों को नवम्बर तक मुफ्त अनाज देने की घोषणा की।

- विशाखापट्टनम: एक दवा फैक्ट्री में बेंजी मिला जोल गैस लीक हुई, दो लोगों की मौत हुई।

- चीन की संसद ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित किया वह कानून विवादित है।

जैनोदय के घी की भारी माँग

देशभर में जैनोदय के घी को ना केवल बहुत पसन्द किया गया है बल्कि प्रामाणिक भी माना है। यही कारण है कि देशभर में जैनोदय के घी की माँग दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है। हमारी टीम भी हर माँग की पूर्ति करने में तत्पर है। आप भी वंचित न रहें।

गिर गाय का (बिलौने वाले) घी - 1200 रुपये प्रति लीटर

भैंस का (बिलौने वाले) घी - 700 रुपये प्रति लीटर

भैंस का क्रीम वाला घी - 550 रुपये प्रति लीटर

नोट- 1. ऊपर के दोनों प्रकार का घी ब्रतियों एवं मुनिसंघ के लिये चौके में उपयोग किया जाता है।

2. 1 लीटर, 5 लीटर और 15 किलो की पैकिंग में उपलब्ध हैं।

सम्पर्क : जैनोदय भोपाल -9009631008, 7999646061



दिशा बोध

धर्म महिमा



1. धर्म से मनुष्य को मोक्ष मिलता है और उससे स्वर्ग की भी प्राप्ति होती है, फिर भला धर्म से बढ़कर लाभदायक वस्तु और क्या है ?
2. धर्म से बढ़कर दूसरा और कोई भला काम नहीं, और उसे भुला देने से बढ़कर दूसरी कोई बुराई नहीं है।
3. सत्कर्म करने में तुम लगातार लगे रहो, अपनी पूरी शक्ति और पूर्ण उत्साह के साथ उन्हें करते रहो।
4. अपना अन्तःकरण पवित्र रखो, और धर्म का समस्त सार बस इसी उपदेश में समाया हुआ है। अन्य सब बातें और कुछ नहीं, केवल शब्दाडम्बर-मात्र हैं।
5. ईर्ष्या लालच, क्रोध और अप्रिय वचन-इन सबसे दूर रहो, धर्म प्राप्ति का यही मार्ग है।
6. यह मत सोचो कि 'मैं धीरे-धीरे धर्म मार्ग का अवलम्बन करूँगा' वरन् अभी बिना विलम्ब किये ही शुभकर्म करना प्रारम्भ कर दो, क्योंकि धर्म ही वह वस्तु है, जो मृत्यु के समय तुम्हारा साथ देने वाली अमर मित्र सिद्ध होगी।
7. मुझसे यह मत पूछो कि "धर्म करने से क्या लाभ है ?" बस एक बार पालकी उठाने वाले कहारों की ओर देख लो और फिर उस आदमी को देखो, जो उसमें सवार है।
8. यदि तुम एक भी दिन व्यर्थ नष्ट किये बिना समस्त जीवन सत्कर्म करने में बिताते हो, तो तुम आगामी जन्म-मरण का मार्ग बन्द किये देते हो।
9. केवल धर्म जनित सुख ही वास्तविक सुख है, शेष सब तो पीड़ा और लज्जा मात्र है।
10. जो काम धर्मसंगत है, बस वही कार्यरूप में परिणत करने योग्य है। दूसरी जितनी बातें धर्म विरुद्ध हैं, उनसे दूर रहना चाहिए।

इसे भी जानिये

हिन्दी साहित्य सुधा

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
01.	ब्रोकर मिरर	जाहिदा जैदी
02.	भुट्टो-ए-पॉलिटिकल बायोग्राफी	सलेमान तासीर
03.	चिदम्बरा	सुमित्रानन्दन पंत (हिन्दी)
04.	छायामत छूनामन	हिमांशू जोशी (हिन्दी)
05.	चरित्रहीन	शरतचंद्र चट्टोपध्याय (बंगाली)
06.	चित्रा	रविन्द्रनाथ टैगोर (बंगाली)
07.	चित्रप्पावई	पी.वी. अकिलन (तमिल)
08.	कयर	टी शिवशंकर पिल्लई (मलयाली)
09.	कुली (दि)	मुन्कराज आनन्द (अंग्रेजी)
10.	कान्टीनेंट आफिसर्स	नीरद सी. चौधरी (अंग्रेजी)
11.	कल्चर इन दी वैनिटी	नीरद सी. चौधरी (अंग्रेजी)
12.	चायनीज बिट्रायल	बी.एन. मलिक (अंग्रेजी)
13.	कास्ट चेंलेज इन इण्डिया	बाबू जगजीवन राम (अंग्रेजी)
14.	दि. कोर्ट डांसर	रविन्द्रनाथ टैगोर (अंग्रेजी)
15.	दि. क्रिटिकल इलेक्शन्स	के.आर. आचार्य (अंग्रेजी)

आओ सीखें : जैन न्याय

पंच अवयवी अनुमानवाद की समीक्षा (न्याय)

न्याय दर्शन अनुमान के पाँच अवयव हैं। बौद्धदर्शन एक मात्र हेतु को अवयव स्वीकार करता है। जैनदर्शन दो अवयवों को स्वीकार करता है। न्याय दर्शन के अनुसार निम्न हैं—

1. प्रतिज्ञा, 2. हेतु, 3. उदाहरण,
4. उपनय, 5. निगमन।

1) प्रतिज्ञा— साध्य विशिष्ट पक्ष के कहने को प्रतिज्ञा कहते हैं। जैसे— यह पर्वत अग्निवाला है।

2) हेतु— साधन के कहने को हेतु कहते हैं। जैसे— क्योंकि धूम वाला है।

3) उदाहरण— व्याप्ति पूर्वक दृष्टांत के कहने को उदाहरण कहते हैं। जैसे— जो जो धूम वाला होता है वह वह अग्नि वाला होता है। जैसे— रसोई घर जो जो अग्नि वाला नहीं होता है, वह वह धूम वाला नहीं होता है। जैसे— तालाब इनमें रसोई घर अन्वय रूप उदाहरण है। तालाब व्यतिरेकी दृष्टांतरूप उदाहरण है।

4) उपनय— पक्ष हेतु के दोहराने को उपनय कहते हैं। जैसे— यह पर्वत भी उसी धूमवाला है।

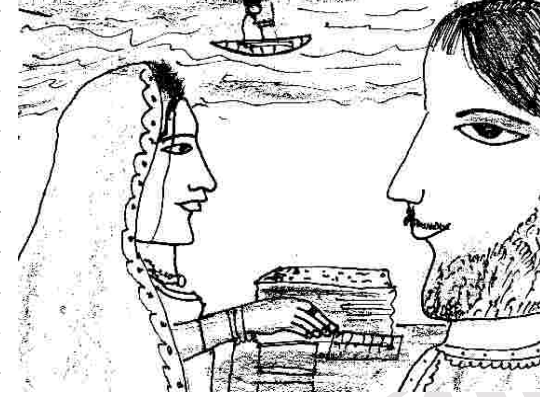
5) निगमन— नतीजा निकलकर प्रतिज्ञा के दोहराने को निगमन कहते हैं। जैसे— इसलिये अग्नि वाला है। अनुमान का पूरा प्रयोग होता है। यह पर्वत अग्निवाला है। क्योंकि धूमवाला है। जैसे रसोई घर उसी तरह यह भी धूम वाला है इसलिये अग्नि वाला है।

जैनाचार्यों ने अनुमान के दो अवयव ही स्वीकार किये हैं— एक प्रतिज्ञा और दूसरा हेतु। जैनाचार्यों का मानना है कि अनुमान प्रयोग काल में अंत के तीन अवयव आवश्यक होते हैं किन्तु अल्प बुद्धि जन को समझाने के लिये शेष तीन अवयव को प्रयोग किया जा सकता है। अतः इसे न्याय दर्शन के पाँच अवयव जैनाचार्यों को मान्य नहीं है और मान्य भी है।

कहानी

गमछा

सूरज अस्ताचल पर अपनी दस्तक दे चुका था। गंगा नदी के घाटों पर चहल पहल बढ़ चुकी थी। सूरज गंगा की उछलती लहरों से विदा ले रहा मानों कह रहा हो कि अब तक



पान की दुकानों पर अपनी दस्तक दे रहे थे। कपड़े की दुकानें भी कम नहीं थी। हम कह सकते हैं गंगा नदी के पावन तट पर रोज शाम को मेला ही लग जाता था। जून का महिना 1993 का समय

जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था युवा वर्ग में आजादी पाने की छटपटाहट थी तब गंगा आरती जन मेदनी की जगाने के लिये कुछ सशक्त प्रयोग थे जिनके माध्यम से अंग्रेजों के अत्याचारों और शोषण की बात जन जन तक पहुँचायी जाती थी तथा यह भी बताया जाता कि भारतीय संस्कृति को कैसे नष्ट भ्रष्ट किया जा रहा है भारत माता किस तरह अपमानित किया जा रहा है। भारतीय संस्कृति, शिक्षा, कला, धर्म का मजाक किस तरह अंग्रेज उड़ा रहे हैं। हिन्दू मुस्लिम सिक्ख जैन ईसाई सभी को मिलकर भारत को आजाद कराने में अपना योगदान देना होगा संगठन में शक्ति होती है। शक्तिमान का हर कोई मित्र होता है कमजोर का कोई भी मित्र नहीं होता है। निर्बल शक्तिहीन प्राणियों की ही हर जगह बलि चढ़ाई जाती बलवान शक्ति सम्पन्न सिंह की या हाथी की कहीं भी बलि नहीं चढ़ाई गई है। गंगा को घाटों पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ अंग्रेजों के कुकृत्यों का पर्दाफाश भी किया जाता था। काँग्रेस अपने स्वयंसेवकों को बनाने का काम भी इन्हीं घाट पर करती थी।

गंगा तट पर एक जैन घाट भी अपनी पहचान बनाता जा रहा था। कई राष्ट्रीय जागरण और स्वतंत्रता का स्वप्न यहाँ भी देखा जा रहा स्यादवाद संस्कृत महाविद्यालय के विद्यार्थी भी आजादी पाने के लिये संकल्प बद्ध हो रहे थे इस महाविद्यालय के विद्यार्थी क्रांतिकारियों के सम्पर्क में आते जा रहे थे। आजादी के लिये अपनी अपनी भूमिकाएँ निश्चित कर चुके थे गुप्त बैठकें हर रोज इस महाविद्यालय के सामने जैन घाट पर हुआ करती थी। सूचनाओं का आदान प्रदान गंगा आरती के बहाने सुगमता से होता रहता था। आजादी के दीवाने इस घाट पार सदैव मड़राते रहते थे। रोज किसी न किसी काम को अंजाम देने की योजना यहीं बनती थी। स्वयं सेवकों को कार्य वितरण भी यहीं से होता था।

आज एक सीड़ी के सहारे एक युवक अपनी दुकान लगाये बैठा था दश अश्वमेघ घाट पर आरती सम्पन्न होने के बाद भी डूँधी धीरे धीरे कम हो रही थी। युवा अपनी लम्बी ऊँची कद काठी का था चेहरे पर इतना तेज था कि कोई भी उसका चेहरा देखकर यह अनुमान कर लेता था कि यह एक होनहार युवा अत्यन्त प्रतिभाशाली है। धर्मवीर कर्मवीर युवा के प्रति हर कोई शीघ्र ही आकर्षित हो जाता था चलती फिरती दुकान लगाने वाले युवक उद्देश्य लोग समझ नहीं पाते पर युवक लगनशील लक्ष्य निष्ठ धैर्यवान व्यवहार कुशल अवश्य जान पड़ता था गौरवर्ण युवक के लिये अपने काम से अधिक सरोकार नजर आता था जब अपने गमछों को समेटने में लगा हुआ था तभी एक युवती उसके सामने खड़ी हो जाती है और एक टक होकर युवक को निहारने लगती है परन्तु युवक को यह ज्ञात नहीं था कि कोई उसे देखा रहा है युवक को तो अपनी दुकान समेटकर पुनः अपने महाविद्यालय में जाता था और अपने कक्ष में बैठकर पुस्तकों से चिपक जाना था। कुछ कंठस्थ

करना था। युवती ने मधुर स्वर से कहा।

भैया क्या बात है आप तो दुकान बंद कर रहे हैं मैं तो कुछ खरीदी करने के इरादे से आपकी दुकान पर आई थी।

युवक ने कहा बहिन जी अब मेरे धंधे करने का समय समाप्त हो गया है अब मुझे अपने महाविद्यालय के छात्रावास जाकर अध्ययन करना है।

भैया कुछ भी हो ऐसा थोड़े ही हो तो आप अपनी पोस्टरी गाँठ अभी नहीं लगाईये कल हमारे यहाँ अनुष्ठान उसमें हमें गरीबों को गमछा बाँटना है। आप क्या करते हो लगता है आप सही व्यापारी नहीं हैं।

हाँ बहिन जी मैं पक्का व्यापारी तो नहीं हूँ मैं विद्या अध्ययन के लिये ही कुछ व्यापार करके धन अर्जन कर लेता हूँ जिससे मेरी पढ़ाई के खर्च निकल जाते हैं।

इस व्यापार करने में आपकी पढ़ाई मैं कोई व्यवधान नहीं आता है।

आता तो है परन्तु इतना नहीं आता कि पूरी पढ़ाई ही ठप हो जाये।

भैया मैं सामाजिक कार्यकर्ता हूँ एवं कांग्रेस की स्वयं सेविका भी हूँ आप बतायें मैं आपकी क्या सहायता कर सकती हूँ।

बहिन जी क्षमा करें मैं आप से क्या कहूँ आप तो मेरे लिये एक मात्र ग्राहक है। बताईये मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ।

ठीक भैया अभी मेरे पास समय नहीं है मैं तो यही कह रही हूँ आप मुझे 10 गमछे एक सी डिजाईन और एक ही रंग के दें।

युवक ने बड़े ही उत्साह गमछे के तीन थान निकालकर बहिन जी के सामने रख दिये बहिन जी उनको खोलकर लम्बाई चौड़ाई नापी और उनके ताने बाले को परखा फिर बुनाई और सूत को भी देखने के बाद दाम पूँछा तो युवक ने एक दाम लगेगा आपके लिये 10 गमछों के 5 रुपये हुये। कांग्रेस स्वयं सेविका ने अपने बटुएँ में से 5 रुपये निकाले और युवक के हाथ में थमा दिये।

दूसरे फिर जब युवक अपनी दुकान बंद करने की तैयार था तभी वही स्वयंसेविका फिर युवक का पास आयी और अधिक कोई बात चीत किये बिना बस दस गमछे फिर ले गयी।

स्वयंसेविका ने मात्र उसी युवक की दुकान से गमछा लेना पसंद किया स्वयंसेविका के रोज रोज आने और 10 गमछा रोज खरीदने के क्रम को देखकर युवक सोचने लगा कि इस तरह से रोज गमछा खरीदने वाली स्वयंसेविका का इरादा क्या है ये कौन है इससे कैसे बचा जाये क्योंकि अनजानी स्वयंसेविका दिखने वाली महिला का क्या भरोसा कहीं मेरे ऊपर कोई जाल न फेंक दे जिसमें फंसकर रह जाऊँ सतर्क तो रहना ही होगा मैं भी यौवन की दहलीज पर पैर रख चुका हूँ। इस रास्ते मैं कोई भरोसा नहीं किया जा सकता है कि कब कौन फिसल जाये और अपनी जिंदगी के अनमोल पल हंसने और रोने में गवाँ दे।

खैर कोई बात नहीं सबसे अच्छा तरीका तो मेरे पास जो मैंने रत्करण्डक श्रावकाचार में पढ़ा था।

ननु परदारान् गच्छति न परान् गमयति स पायथीतेर्यत-

जिसके पास से डर है वह कभी भी परस्त्री के पास जाता है न उन्हें बुलाता वह पर स्त्री से सदैव विरक्त रहता अपनी स्त्री में ही संतोष धारण करता है। क्या यह स्वयंसेविका मेरा व्यापार बंद करवा देगी जब यह सब बातें युवक अपनी गमछों गठरी बंद करके उस दोनों हाथ रखकर सोच रहा तभी एक अंदर के संयम ने कहा चिन्ता मत करो मैं तुम्हारे साथ हूँ अनुशासन और संयम की मर्यादा में रहने वालों पर किसी भी स्त्री का जादू नहीं चल पाता है उठो अपना रास्ता तय करो मंजिल बिना बाधा के तुम्हें मिलने वाली है। आत्म विश्वास से भर कर युवक ने अपनी गठरी उठाई और स्यादवाद महाविद्यालय जैन घाट की ओर चल पड़ा।

30 जून की शाम को वही घाट और वही गमछा की गठरी खोलकर युवक अपनी दुकान फैला रहा था तभी वही स्वयंसेविका ने कहा भैया नमस्कार युवक ने भी दोनों हाथ जोड़कर नमस्कार किया और कहा क्या बात है बहिन जी आप तो आज बहुत दिन के अंतराल बाद आई है।

हाँ भैया मेरे लिये कुछ आपकी चिन्ता अधिक सताने लगी थी तो व्यवस्था में जुट गई थी मैं एक संस्था से सम्पर्क करने में व्यस्त रही कि आप जैसे 10 छात्रों को छात्रवृत्ति दिलाना चाहती की वे अपना अध्ययन बिना किसी व्यवधान के कर सकें स्वयंसेविका ने एक फार्म निकाला और कहा भैया इस फार्म को आप भरकर मुझे दे दें फिर आपकी छात्रवृत्ति की व्यवस्था हो जायेगी युवक ने कहा बहिन जी आप परेशान न हो हम तो गमछा बेचकर अध्ययन पूर्ण कर लेंगे।

आप का नाम क्या है, जब स्वयंसेविका ने पूँछा तो युवक ने कहा मेरा नाम भूरामल जैन है और पिता का नाम चतुर्भुज जैन।

आप कहाँ के रहने वाले है ?

राणौली सीकर जिला राजस्थान का मैं रहने वाला हूँ।

आपकी जन्म तिथि क्या है ?

मेरी तिथि बहिन जी 1891 है।

ठीक है भैया ये क्या आप यह बता सकते है कि आपके कितने भाई है।

मेरे चार भाई मेरे सिवाय और भी है।

सब जानकारी लेने के बाद स्वयं सेविका ने फार्म भूरामल की ओर बढ़ाते हुये कहा कि इस पर हस्ताक्षर तो कर दें।

भूरामल ने कहा मैं स्वयं आत्म निर्भर रहूँगा पढ़ाई पूरी करूँगा बेंचूँगा गमछा।

हमारे गौरव

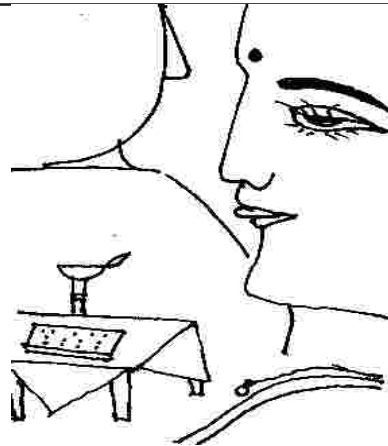
महारानी मालल देवी

महारानी माललदेवी- कुन्तल देश में बनवासि के नरेश कदम्ब-कुल-मार्तण्ड कीर्तिदेव थे, जो महयूर वर्मन कदम्ब की सन्तति में उत्पन्न हुये थे। कीर्तिदेव की अग्रमहिषी माललदेवी थी जो रूप और गुणों में गिरिजा, सीता, रति और रुक्मिणी के समान थी। वह परम जिन भक्त और धर्म परायण महिलारत्न थी। पुरुजिनपति ऋषभदेव उसके कुलदेवता थे। और कुन्दकुन्दान्वय मूलसंघ-काणूरगण-तिन्त्रिणिगिच्छ के पद्मनन्दि सिद्धान्त उसके गुरु थे। बनवासि देश में अनेक आकर्षणा से युक्त कुप्पटूर नाम का नगर था, जिसके निवासी एक सहस्र ब्राह्मण अपनी विद्या और भक्ति के लिये विख्यात थे। सुप्रसिद्ध बन्दनिके तीर्थ से सम्बद्ध जिनालयों में कुप्पटूर का ब्रह्मजिनालय अग्रणी थी। महारानी ने इस अतिभव्य पार्श्वदेव चैत्यालय का निर्माण कराकर उपर्युक्त महण्डलाचार्य पद्मनन्दि-सिद्धान्त से उसकी प्रतिष्ठा करायी तदन्तर स्थानीय ब्राह्मणों को बुलाकर उसका नाम ब्रह्मजिनालय घोषित कराया। उसने कोटीवर मूलस्थान के तथा अन्य 18 देवस्थानों के आचार्य को और बनवासि के मधुक्श्वराचार्य को भी आमंत्रित करके यह महोत्सव किया था। ये सब आचार्य जैनेतर धर्मों के थे। उन्हें 500 होत्र (स्वर्ण मुद्रायें) देकर उसने कुछ भूमियां भी प्राप्त की थी। स्वयं महाराज कीर्ति देव से पूरा एक ग्राम प्राप्त किया था वह ग्राम तथा उक्त समस्त भूमियाँ जिनेन्द्र देव की नित्यपूजा एवं ऋषियों के आहार आदि की सुव्यवस्था के लिये पाद प्रक्षालन पूर्वक महारानी ने उक्त गुरु पद्मनन्दि सिद्धान्त को समर्पित कर दी थी। यह दान 1075 ई. की अक्षयतृतीया के पवित्र पर्व पर दिया गया था। सिड्डणि नाम का जो ग्राम राजा से प्राप्त किया था, एडेनाडु का सर्वाधिक सुन्दर स्थान था इस दानशासन का लेखक बम्मर हरियण्ण था। लेख में राजा के पराक्रम और महारानी माललदेवी की जिनभक्ति आदि की प्रभूत प्रशंसा है। बनवासि प्रदेश के एक भाग पर प्राचीन कदम्बों के वंशजों का छोटा-मोटा राज्य अभी तक चला आ रहा था।

कविता

जयति जयति जिन मात शारदे

सत्य अहिंसा सम्यक् वरदे
मन वीणा के तार बजा दे
आतम अनुभव सत्य जगा दे
सत्य चिदानंद रूप दिखा दे
प्रभु चरणों में भक्ति जगा दे
भव दुख सागर पार करा दे
मानवता का पाठ सिखा दे



डाक टिकटों पर जैन इतिहास एवं संस्कृति



सुरेश जैन

जैन आस्था
अहिंसा सद्भावना यात्रा

तेरापंथ जैन समाज के परमपावन आचार्यवर महाश्रमण जी महाराज ने चतुर्विध संघ के साथ वर्ष 2015 में नेपाल के गाँव, कसबो तथा शहरों में अहिंसा यात्रा की थी। इस अहिंसा यात्रा का उद्देश्य था अहिंसा की प्रेरणा देना, सद्भावना का संप्रसार, नैतिकता का प्रसार-प्रसार, नशा मुक्ति का अभियान। इस यात्रा में नेपाल के हर वर्ग के लोगों ने बढ़-बढ़ कर भाग लिया था। हर जगह आचार्य श्री महाश्रमण जी तथा अहिंसा यात्रा का बड़े सम्मान तथा गर्म जोशी के साथ स्वागत किया गया।

अहिंसा, सद्भावना, नैतिकता तथा नशा मुक्ति आज के सभ्य समाज की आवश्यकता है। इस समय समाज हिंसा, भाईचारों की कमी, दुश्मनी, दुर्भाव की शिकार है। आज संसार के लिये सेहत, शांति, उन्नति के रास्ते में समाज के शत्रु हिंसा, अनैतिकता तथा नशे की ओर समाज को धकेल रहे हैं ताकि समाज को भलाई, सद्भावना और नैतिकता रहित बनाया जा सके।

अहिंसा, सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति यह सब हैं क्या ?

अहिंसा : महाप्रभु महावीर कहते हैं

सव्वे पाणा पियाउया, सुहसाया, दुक्खपडिकूल ।

अप्पियवहा पियजीविणो, जीविउकामा, सव्वेसिं जीवियं पिथ ॥

Means to say that all living beings love life, they wish to relish pleasure, loath misery, shun annihilation, enjoy life and love to live long. in short. life is dear to all.

अहिंसा की अनेकों श्रेणियाँ हैं। अहिंसा भगवती की आराधना है, सर्वोपरि, सर्वोत्कृष्ट, अद्वितीय व असाधारण। धर्म का प्राण है अहिंसा। आचार व्यवहार की मूल भित्ति है अहिंसा। अहिंसा का पालन करना शूरीरता है। अहिंसा से ही विश्व का कल्याण संभव है। अहिंसा परम धर्म, तप, यज्ञ व परम फल है।

सद्भावना

दूर रहे दुर्भावना, द्वेष रहें सब दूर ॥

स्नेह और सद्भावना, से हो हम भरपूर ॥

प्राणी मात्र के प्रति प्रेम, मंगल व क्षमा की भावना, सब का भला हो, यही सद्भावना है। सभी के सुख अम्युदय व उत्थान की मंगल भावना, मनुष्य को विराट् व विशाल बनाने का मन्त्र, वो उपाय यदि संसार में कोई है तो वो है सद्भावना। अपना पराया ये भाव संकुचित हृदयी लोग

करते हैं। जाति पन्थ आदि भेद भावों से ऊपर होकर सभी के निर्माण व सुखी जीवन की कामना करने वाला मनुष्य ही महामानव कहलाता है। सद्भावना से जीवजन्तु से लेकर मनुष्यों तक, वृक्षों से लेकर पहाड़ों नदियों तक सभी के लिये समरसता का भाव पैदा होता है।

नैतिकता :- सभी प्रकार के बलों में नैतिक बल सर्वश्रेष्ठ है। नैतिकता से ही धर्म सुरक्षित है। जहाँ नैतिकता है, वहाँ भावुकता है और जहाँ भावुकता है वहाँ माधुर्यता है।

Morality means Modesty, oblivionity or obligatory, restrainty or reality, austeriy or authenticity, loyalty or liability, integrity or inevitability.

अर्थात् जहाँ नैतिकता है वहाँ शालीनता व विनम्रता, विस्मृतता विषयों से व अनिवार्यता कर्तव्य में, शान्तचित्तता व वास्तविकता, संयमनिष्ठता, प्रामाणिकता, कार्य निष्ठता, उत्तरदायित्व, दृढ़ता व अवश्यंभाविता है जीवन में नैतिकता का होना परमावश्यक है। नैतिकता के अभाव में व्यक्ति का चरित्र दूषित हो जाता है। मानवता का विकास रूक जाता है। नैतिक मूल्यों से ही मानवता की पहचान होती है। नैतिकता विहीन शिक्षा, व्यापार राजनीति व आध्यात्मिकता यह सब बेमानी होते हैं। नैतिकता मनुष्य की आचरण संहिता होती है।

नशामुक्ति :- नशा बुद्धिनाशक व स्वास्थ्यनाशक है। नशा करने वाले को केवल उल्टी शरारतें ही सूझती हैं। जीवन विकास के सभी मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं। नशा मनुष्य के स्नायु तन्त्र को प्रभावित कर उसके स्मृति व संवेदनाशीलता का अपहरण कर लेता है। स्वयं पर नियंत्रण व अनुशासन समाप्त हो जाता है। आज के युग में शराब, तम्बाकू, चरस, गांजा, अफीम, भांग, हिरोईन, माराफिन जैसे ड्रग्स इत्यादि भयंकर नशे हैं। इन नशों की प्रवृत्ति से युवाशक्ति जब प्रभावित हो जाती है तो वे कर्म से विमुख होकर अपराध की दुनिया में दाखिल होकर परिवार, समाज व राष्ट्र के दुश्मन बन जाते हैं। इसलिये इनके सेवन से मुक्त कराने हेतु सभी को दिशा बोध देना जरूरी है। सुन्दर जीवन निर्माण के लिये सभी नशों से मुक्त होना अनिवार्य है।

सद्भावयुक्त नैतिकवान समाज, अहिंसा एवं नशामुक्ति सम्बन्धी संसार को जागरूक करने के लिये नेपाल सरकार के डाक विभाग ने सकारात्मक सन्देश प्रवाह करने हेतु सभ्य समाज की स्थापना की तरफ पहल की है तथा डाक टिकट के माध्यम से अहिंसा, सद्भावना, नैतिकता तथा नशामुक्ति की आवश्यकताओं की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है।

डाक टिकट का डिजाइन बताता है कि समाज जो कि टूटने के कगार पर पहुँच चुका है, सदाचार को पुनः जीवित करने का प्रयास करना होगा। समाज के लिये अहितकर विभेद विषमता को हटाकर, समता, समावेशीकरण, आत्म संयम, अहिंसा, शांति के लिये सामाजिक बुराईयों को दूर करने की शिक्षा देनी होगी। इसके लिये सामाजिक विषमता हटाकर समभाव, समावेश, आत्म संयम, समता, अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकान्त शांति आदि को उपदेश माध्यम द्वारा विश्वकल्याण के मार्ग दर्शन के सिद्धांत को संसार के सब धर्मों को अनुसरण करना होगा।

हर इंसान आस्था, आत्म संयम, शुद्धि सब के प्रति सम्मान सत्कार का भाव रखे। असल आचरण का माध्यम विश्वशान्ति मानवकल्याण आध्यात्मिक दर्शन सिद्धांत समेत सदैव अपना

कर्म-व्यवहार करे। नैतिकतावाद, समृद्धि मानवीय विकास एवं स्वस्थ समाज के लिये शारीरिक, मानसिक, वैचारिक, व्यवहारिक, परिवारिक तौर पर दुराचार रहित, नशामुक्त होकर हर इंसान से यह आशा की जाती है कि वह प्रतिदिन अपनी जिन्दगी में ईमानदारी से नैतिकता और अहिंसा को अपना कर उन्नति के पथ पर चलते हुये अपना जीवन निर्वाह करे।

नेपाल सरकार के डाक विभाग द्वारा यह संदेश इस डाक टिकट में सम्मिलित कर दर्शाया गया है तथा यह डाक टिकट आचार्य श्री महाश्रमण जी की नेपाल में अहिंसा यात्रा को बढ़ावा देने तथा इसे चिरस्थायी स्मरण रखने हेतु जारी किया गया है।

डाक टिकट तथा डाक टिकट का डिजाइन :- डाक टिकट का शीर्षक- अहिंसा, सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति NON-VIOLENCE, HARMONY, MORALITY, DE-ADDICTION यह शब्द डाक टिकट के ऊपर अंकित है। हाथ के चिन्ह के साथ कबूतर मुख में वाली लेकर संसार का चक्र लगा रहा है। इन्हीं शब्दों का डिजाइन पोस्ट मार्क पर दिया गया है।

25 रुपये मूल्य की इस डाक टिकट को पाँच रंगा भास्वर प्रिंट (PHOSPHOR PRINT) में आफसेट लिथोग्राफी/फोटोग्रेवयोर द्वारा सिक्योरिटी सैटम्पस पेपर पर 5 लाख संख्या में JOH ENSHEDE STAMPS B.V. THE NETHERLAND देश से छपवा कर नेपाल सरकार ने डाक विभाग ने 16 अगस्त 2015 को जारी किया था। डाक टिकट का डिजाइन-पुरना काला लिम्बु बिस्ता द्वारा तैयार किया गया है।

कविता

अहिंसा

* अपूर्वा अमित जैन, झाँसी *

इंसानियत जगाई है जिसने संविधान में
अवतार है महावीर के वो वर्तमान में।
अहिंसा के मार्ग पर है जिसने खुद को लगाया
पाप पंक से उसने जीवन को बचाया ॥
सुबह हो या सांझ
मन में एक ही लौ जगाई हैं,
महावीर के उपदेश पर चलने की बारी भायी हैं,
जो सुकूं पा सकोगे तुम प्राण दान देकर
कभी न पा सकोगे तुम किसी के प्राण लेकर।
गूंगे को भी मिले है
महावीर की अहिंसा से ॥
अंधों को भी अहिंसा की राह दिखाई हैं
महावीर के उपदेश पर चलने की बारी आयी हैं।



पद्मश्री सम्मान से नवाजी गई डॉ. शांति जैन बुंदेलखंड की माटी हुई गौरवान्वित सम्मान से बढ़ जाता है काम करने का जज्बा :

✽ राजेश रागी/रत्नेश भैया, छतरपुर ✽

बकस्वाहा- भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री मध्यप्रदेश/बुंदेलखंड के सुविख्यात जैन तीर्थ नैनागिरि व द्रोणगिरि के निकटवर्ती छतरपुर जिले की बकस्वाहा तहसील मुख्यालय पर जन्मे स्व. हेमराज जैन की (बिहार गौरव गान लिखने वाली) बेटी डॉ. शांति जैन को लोक साहित्य पर विशेष कार्य करने और उनकी साहित्य साधना के लिये नवाजा गया है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शांति जैन का जन्म 4 जुलाई 1946 को हुआ था, जिन्होंने एम.ए. (संस्कृत एवं हिन्दी), पी.एच.डी. डी लिट, संगीत प्रभाकर की शिक्षा प्राप्त की है। बिहार प्रांत के भोजपुर जिले के आरा नगर में स्थित एच डी जैन कॉलेज से प्रोफेसर एवं संस्कृत की विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुई हैं। आप आकाशवाणी, दूरदर्शन की कलाकार एवं कवियत्री हैं। आप पिछले कई दशक से पटना (बिहार) में रह रही हैं। आपके पिता स्व. हेमराज जैन नौकरी के लिये आरा गये हुये थे।

स्वर संगम में भी माहिर- साहित्य पर पकड़ के साथ-साथ उनकी मधुर आवाज डॉ. शांति जैन की पहचान रही है। 1970 के दशक में रेडियो पर उनका गाया रामायण बेहद लोकप्रिय हुआ था। जयप्रकाश नारायण जब बेहद बीमार होकर घर पर थे तो डॉ. शांति जैन उनके घर जाकर रोज रामायण सुनाया करती थीं।

सम्मान का गौर- डॉ. शांति जैन को वर्ष 2009 में संगीत नाटक अकादमी का राष्ट्रीय सम्मान राष्ट्रपति द्वारा मिला था तो मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2008 में राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान दिया था। इसके अलावा के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा शंकार सम्मान, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नेशनल सीनियर फैलोशिप सम्मान, ऑल इंडिया रेडियो का राष्ट्रीय सम्मान, चैती पुस्तक के लिये बिहार सरकार का राजभाषा सम्मान तथा कलाकार सम्मान सहित अनेकों सम्मान प्राप्त हुये हैं।

साहित्य साधना में विशिष्ट योगदान - आपकी श्रेष्ठतम रचनाओं में एक वृत्त के चारों ओर, हथेली का आदमी, हथेली पर एक सितारा (काव्य), पिया की हवेली, छलकती आंखें, धूप में पानी की लकीरें, सांझ घिरे लागल, तरनुभ, समय के स्वर, अंजुरी भर सपना (गजल, गीत, संग्रह), अश्मा, चंदनबाला (प्रबंधकाव्य), चैती (पुरस्कृत)। **कजरी, ऋतुगीत, स्वर और स्वरूप, व्रत और त्यौहार :** पौराणिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, उगो है सूर्य लोकगीतों के संदर्भ और आयाम (पुरस्कृत), बिहार के भक्तिपरक लोकगीत, व्रत-त्यौहार कोश, तुतली बोली के गीत (लोक साहित्य), वसंत सेना, वासवदत्ता, कादंबरी, वेणीसंहार की शास्त्रीय समीक्षा (क्लासिक्स), एक कोमल क्रांतिवीर के अंतिम दो वर्ष (डायरी) सहित कई दर्जन लोकप्रिय किताबें लिख चुकी हैं। आप कई संस्थानों की पदाधिकारी व सदस्य रह चुकी हैं और

75 साल की उम्र में भी डॉ. शांति जैन आज भी लेखन कला में काफी सक्रिय हैं।

पद्मश्री सम्मान क्या है :- भारत सरकार द्वारा आमतौर पर सिर्फ भारतीय नागरिकों को दिया जाने वाला भारत देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो देश के लिये जीवन के विभिन्न क्षेत्रों कला, शिक्षा, साहित्य, समाज सेवा आदि में बहुमूल्य विशिष्ट योगदान व असाधारण प्रदर्शन करने वालों को मान्यता प्रदान करने के लिये दिया जाता है, जो भारत के नागरिक पुरस्कारों के पदानुक्रम में यह भारतरत्न की श्रृंखला में चौथे पुरस्कार है, जिसकी स्थापना 1954 में की गई थी। पद्म पुरस्कारों की सिफारिश राज्य सरकार/संघ राज्य प्रशासन केंद्रीय मंत्रालय/विभाग के साथ-साथ उत्कृष्टता संस्थानों आदि से प्राप्त की जाती है। इसके बाद एक समिति इन नामों पर विचार करती है। पुरस्कार समिति जब एक बार सिफारिश कर देती है, फिर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और राष्ट्रपति इस पर अपना अनुमोदन देते हैं और इसके बाद गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इन सम्मानों की घोषणा की जाती है। यह सम्मान भारत देश के महामहिम राष्ट्रपति महोदय के कर कमलों से सौंपा जाता है।

डॉ. शांति ने जाहिर की खुशी :- डॉ. शांति जैन ने कहा कि सम्मान मिलने की खुशी है, लेकिन यह थोड़ी देर से मिला है। सम्मान मिलने से लोगों का ध्यान जाता है, यह अच्छी बात है। सम्मान हमारे अंदर उत्साह भरता है, ऊर्जा मिलती है।

जब विधायक सहित सैकड़ों के दिल खिल उठे :- 27 जनवरी को अहिंसा चौक, गांधी चबूतरा पर चल रहे एस पी के जैन स्कूल के वार्षिकोत्सव के दौरान जब राजेश रागी ने इस गौरवमयी सम्मान की जानकारी दी तो उपस्थित क्षेत्रीय विधायक प्रधुमन सिंह लोधी, जैना शिक्षा समृद्धि के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन अहमदाबाद (गुजरात) तीर्थक्षेत्र मकेटी उत्तरांचल के अध्यक्ष जवाहर लाल सहित उनके जनप्रतिनिधि व सैकड़ों गणमान्य नागरिक जोरदार तालियां बजाते हुये खुशी से झूम उठे और विधायक ने डॉ. शांति का नागरिक अभिनंदन समारोह करने की घोषण करते हुये शुभकामनायें दीं।

बुंदेलखंड को गौरव प्रदान करने वाली डॉ. शांति को बुंदेलखंड की अनेक हस्तियों ने हार्दिक बधाई शुभकामनायें प्रेषित की उनमें न्यायमूर्ति श्रीमति विमला जैन, जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी नैनागिरि के अध्यक्ष सुरेश जैन आई ए एस व झलकन लाल लोहिया व मंत्री दामोदर सेठ, द्रोणगिरि के अध्यक्ष कपूरचंद धुवारा कार्याध्यक्ष कपिल मलैया व मंत्री भागचंद्र पीली दुकान, आहार जी के अध्यक्ष महेन्द्र बड़ागांव, कुंडलपुर अध्यक्ष संतोष दमोह, खजुराहो अध्यक्ष विनोद जैन व पूर्व अध्यक्ष शिखरचंद्र अहिंसा, पजनारी अध्यक्ष महेन्द्र भूसा, द्रोणगिरि व नैनागिरि के उपमंत्री राजेश जैन रागी, तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तरांचल उत्तर प्रदेश के मंत्री डॉ. सुनील संचय अ.भा. वर्षीय गोला पूर्व महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष घड़ी व मंत्री देवेन्द्र लुहारी, अ.भा. जैन पत्रकार महासंघ के संरक्षक सनत जैन, जैन डायरेक्टरी के सम्पादक प्राचार्य सुरेन्द्र कुमार जैन भगवां अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष एवं डॉ. शांति के बंशज एड. अशोक कुमार जैन बकस्वाहा व संगीतकार अखिलेश अखिल, संस्कृति संस्कार मंच के अध्यक्ष एड. रामेश्वर सोनी, पूर्व जनपद अध्यक्ष अभय फट्टा, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष मुलायम चंद फट्टा, राजेन्द्र महावीर सनावद, मनीष शास्त्री आदि शामिल हैं।

प्रतियोगिता क्यों

जैन आचार्यों ने अपने उद्देश्य का माध्यम शंका समाधान बनाया है। जिस माध्यम से जन साधारण को तत्त्वबोध देने में सफल रहें वर्तमान युग प्रयोगवादी है मनोरंजन के साथ तत्त्वज्ञान की गूढ़ बातें भी व्यक्ति के दिल और दिमाग में भी उतारी जा सकती है प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता भी वहीं एक माध्यम है। लक्ष्य यह है कि वर्तमान में स्वाध्याय की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। इस समस्या के समाधान के लिये प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता संस्कार सागर का अभिनव प्रयोग है। यह मासिक पत्रिका 22 वर्ष से 252 अंकों में अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा संचालित कर रही है। जिसका प्रतिफल बहुत अच्छा मिला।

इस बार अखिल भारतीय स्तर पर जैन विद्या संस्कृति प्रश्न मंत्र आयोजित करने का प्रयास किया है इस प्रयास में विद्यासागर की लहरे, भगवान महावीर और उनकी आचार्य परम्परा भाग-3, पद्मपुराण, स्वयंभू स्तोत्र, स्वतंत्रता संग्राम में जैन, स्वर्ण शिला उपन्यास से 100-100 प्रश्न तथा धवल कीर्तिमान, जैन विरासत, मेरी जीवन गाथा, जैन न्याय से 50-50 प्रश्न विराट स्वरूप विद्यासागर, संस्कार सागर जनवरी 2019, संस्कार सागर जून 2007, सितम्बर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 50वें दीक्षा वर्ष से प्रकाशित विशेषांकों से तथा अगस्त 2020 चातुर्मास विशेषांक से 200 प्रश्न इस प्रकार 1000 प्रश्न पूछे गये हैं। ये आपके ज्ञान वर्धन के लिये सहकारी बनेंगे। एवं आपको सम्मान प्राप्त करायेंगे। एक पंथ दो काज प्रतिस्पर्धा में भाग लें और ज्ञानवर्धन करें।

ब्र. जिनेश मलैया
प्रधान सम्पादक संस्कार सागर इन्दौर

प्रथम पुरस्कार द्वितीय पुरस्कार तृतीय पुरस्कार सान्त्वना पुरस्कार



प्राप्ति स्थल : संस्कार सागर श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर
विद्यासागर नगर आगरा बॉम्बे रोड इन्दौर-10

फोन : 0731-4003506, 2571851 मो. 8989505108, 6232967108,

जैन विद्या संस्कृति प्रश्न मंच

आप ऐसे सम्मिलित हो सकते हैं इस ज्ञानयज्ञ में।

1. प्रश्न पत्र में प्रश्न विद्यासागर की लहरे, पद्मपुराण, स्वयंभू स्तोत्र, स्वतंत्रता संग्राम में जैन, स्वर्ण शिला उपन्यास, धवलकीर्तिमान, जैन विरासत, मेरी जीवन गाथा, तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा भाग-3, विराट स्वरूप विद्यासागर, संस्कार सागर विशेषांक जून 2007, सितम्बर, संस्कार सागर जनवरी 2019 अगस्त 2020 चातुर्मास विशेषांक आदि पुस्तकों से पूछे गये हैं। उपयुक्त सभी ग्रन्थ कार्यालय में उपलब्ध है। आप चाहे तो मंगा सकते हैं।
2. प्रश्न पत्र भरने वालों को संस्कार सागर का सदस्य होना अनिवार्य है। एक सदस्यता पर एक ही परिवार के कई प्रश्न पत्र भर सकते हैं। लेकिन एक नाम का एक ही स्वीकृत होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र के साथ 100 रुपये जमा करना होगा। तथा प्रश्न पत्र भरने वाले सदस्यों की संस्कार सागर की बाकाया राशि नहीं होना चाहिये तथा पत्रिका बन्द हो गई है तो पुनः चालू कराना होगी।
3. प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार हेतु अधिकतम सही उत्तर वालों को 100 प्रश्नों की परीक्षा देना होगी जिसमें किताब आदि उपयोग नहीं कर सकेंगे 100 प्रश्न इन्हीं 1000 प्रश्नों में से ही पूछे जायेंगे उन्हीं में से डा के माध्यम से 29 नवम्बर 2020 रविवार दिया जावेगा।
4. 100 प्रश्नों की परीक्षा आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी का चातुर्मास इन्दौर में हो रहा है अतः आचार्य श्री के आचार्य पदारोहण दिवस 22 नवम्बर 20 को इन्दौर में होगी। जिससे आपको आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी दर्शनलाभ भी हो जायेगा।
5. उत्तर ऑनलाईन - व्हाट्सअप (8989505108)
ई-मेल (sanskarsagarprashna@gmail.com) आदि के माध्यम से भी दिये जा सकते हैं, देने के बाद सूचित करें।
6. प्रश्न तथा उत्तर भरने के लिये उत्तर पुस्तिका इस www.sanskarsagar.org से भी डाउनलोड किये जा सकते हैं।
7. प्रश्न पत्र भरकर देने की अन्तिम तिथि 01 नवम्बर 2020 तक संस्कार सागर कार्यालय में पहुँच जाना चाहिये। आप अपने प्रश्न पत्र नगर में प्रतिनिधि के पास भी जमा कर सकते हैं।
8. 100 प्रश्नों की परीक्षा कहाँ पर होगी यह सूचना आपको 15 दिन पूर्व दे दी जावेगी।
9. उत्तर शीट की फोटो कॉपी कराकर भेजी जा सकती है। उत्तर शीट में किसी भी प्रकार की काटा पीटी नहीं होना चाहिये।
10. सर्वाधिक सही उत्तर वालों प्रतिभागी के नाम संस्कार सागर में प्रकाशित किये जावेंगे तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले प्रतिभागी के नाम फोटो सहित प्रकाशित किये जावेंगे।
11. सभी उत्तरों में बहुमान पूर्वक श्री एवं जी लगाना आवश्यक है।

✱ निर्णायकों का निर्णय सर्वमान्य एवं अन्तिम होगा।

- [illegible]

83. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने 09.06.1994 सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक म.प्र. में किस विषय का प्रवचन दिया था ?
84. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने 12.06.1994 सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक म.प्र. में किस विषय का प्रवचन दिया था ?
85. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने 14.06.1994 सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक म.प्र. में किस विषय का प्रवचन दिया था ?
86. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को शीतकाल 1976 में श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
87. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को 1978 में चातुर्मास सिद्धक्षेत्र नैनागिर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
88. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को ग्रीष्मकाल 1980 में सागर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
89. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को शीतकाल 1982 में बीनाबारहा सागर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
90. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को चातुर्मास 1984 मढ़ियाजी जबलपुर म.प्र. में न्याय के कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
91. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को शीतकाल 1987 में नैनागिर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
92. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को ग्रीष्मकाल 1988 में ललितपुर उ.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
93. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को चातुर्मास 1988 में मढ़िया जी जबलपुर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
94. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को ग्रीष्मकाल 1989 में मढ़िया जी जबलपुर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
95. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को शीतकाल 1951 में रामटेक नागपुर महाराष्ट्र में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
96. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को शीतकाल 1991 में सिवनी म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
97. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को ग्रीष्मकाल 1993 में बीनाबारहा सागर म.प्र. में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
98. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को चातुर्मास 1993 में रामटेक नागपुर महाराष्ट्र में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?
99. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को चातुर्मास 1994 में रामटेक नागपुर महाराष्ट्र में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?

100. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा संघस्थ साधुजनों को ग्रीष्मकाल 1995 में तारंगा जी मेहसाड़ा गुजरात में कौन से ग्रंथ का अध्ययन कराया ?

तीर्थकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा भाग-3 से

101. स्वतंत्र-रचना-प्रतिभा के साथ टीका, भाष्य एवं विवृति लिखने की क्षमता किसमें थी ?
102. आचार्य जिनसेन (प्रथम) के गुरु का नाम क्या था ?
103. कर्नाटक का प्राचीन नाम क्या है ?
104. वर्धमानपुर में किसने कथा कोष की रचना की ?
105. किस आचार्य के पहले 50-60 वर्ष पहले ही पुनाट संघ का उत्तर भारत में प्रवेश हो चुका था ?
106. कहां पर जैन पीठ की स्थापना हुई थी ?
107. कौन से पुराण में 22वें तीर्थकर नेमिनाथ का चरित्र निबद्ध है ?
108. हरिवंश पुराण के द्वितीय स्वर्ग में कौन से तीर्थकर का जीवन व्रत निबद्ध किया गया है ?
109. हरिवंश पुराण के चतुर्थ स्वर्ग में किसका वर्णन है ?
110. श्री जयकुमार और सुलोचना की कथा हरिवंश पुराण के कौन से सर्ग में आयी है ?
111. किनकी रचनाओं में सरसता और सरलता के साथ प्रसाद गुण भी है ?
112. कौन से पुराण में राम की माता का नाम सुबाला आया है ?
113. उत्तर पुराण में लक्ष्मण की माता का नाम क्या बताया है ?
114. कौन से पुराण में 19 तीर्थकरों के चरित्र अत्यंत संक्षेप में लिखे गये हैं ?
115. आत्मानुशासन की संस्कृत टीका किसने लिखी ?
116. आत्मानुशासन की हिन्दी टीका किसने लिखी ?
117. जिनदत्त चरित्र में कितने सर्ग हैं ?
118. जिनदत्त चरित्र के लेखक कौन हैं ?
119. शाकटायन पाणिनी से 6.5 वर्ष पूर्व कौन से आचार्य हुये थे ?
120. स्त्री मुक्ति प्रकरण नामक ग्रंथ में कितनी कारिकाएँ हैं ?
121. केवल भुक्ति प्रकरण नामक ग्रंथ में कितनी कारिकाएँ हैं ?
122. वादीभ सिंह जी का वास्तविक नाम क्या है ?
123. वादीभ सिंह जी का गुरु का नाम क्या है ?
124. छत्रचूडामणि ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
125. जैन गणित को व्यवस्थित रूप देने का श्रेय किनको जाता है ?
126. कौन से आचार्य ने परीक्षा मुख पर 12000 श्लोक प्रमाण प्रमेयकमलमार्तण्ड नाम की वृहत टीका लिखी है ?

127. श्री रत्नकरण्डक श्रावकाचार ग्रंथ की संस्कृत टीका किसने लिखी है ?
128. आचार्य श्री वीरनंदी जी के गुरु कौन थे ?
129. श्री नेमिचंद्र सिद्धांत चक्रवर्ती ने अपना गुरु किसे माना था ?
130. पृथुवंश की पुत्री ने दृष्टि से किसको पराजित कर दिया था ?
131. पृथुवंश की पुत्री ने गति से किसको पराजित कर दिया था ?
132. किसने छह हरिषेण नाम के ग्रंथकारों का निर्देश किया है ?
133. नीतिवाक्यामृत ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
134. नीविग्राहक का भांडार में रूपये रखना कौन से ग्रंथ में आया है ?
135. पार्श्वनाथ चरित्र के लेखक कौन हैं ?
136. हिंसा का दोष और अहिंसा का प्रभाव दिखाने के लिये बहुत लोकप्रिय कौन सा ग्रंथ रहा ?
137. यशोधर चरित्र के तृतीय स्वर्ग में कितने पद्य हैं ?
138. एकीभाव स्तोत्र में कितने मंदाक्रान्ता छंद हैं ?
139. न्याय विनिश्चय विवरण के प्रथम प्रस्ताव में कितनी कारिकाएँ हैं ?
140. जंबूदीप पणति में कुल कितनी गाथाएँ हैं ?
141. जंबूदीप पणति के ग्यारहें उद्देश में कितनी गाथाएँ हैं ?
142. धम्मरसायण ग्रंथ में कितनी गाथाएँ हैं ?
143. पद्मनंदी पंचविशंतिका ग्रंथ में कितने विषय हैं ?
144. पद्मनंदी पंचविशंतिका के दानोपदेशन अधिकार में कितने पद्य हैं ?
145. पद्मनंदी पंचविशंतिका के 26वें ब्रह्मचर्याष्टक में कितने पद्य हैं ?
146. आचारसार के लेखक कौन हैं ?
147. पार्श्वनाथ स्तोत्र का दूसरा नाम क्या है और इसमें कितने पद्य हैं ?
148. ज्ञानार्णव ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
149. ज्ञानार्णव ग्रंथ कितने सर्गों में विभक्त है ?
150. ज्ञानार्णव ग्रंथ के द्वितीय सर्ग में किसका वर्णन है तथा उसमें कितने पद्य हैं ?
151. ज्ञानार्णव के द्वितीय सर्ग के अंतर्गत धर्म भावना में कितने पद्य हैं ?
152. नागकुमार काव्य के रचयिता कौन हैं ?
153. नागकुमार काव्य में कितने सर्ग और कितने पद्य हैं ?
154. महापुराण ग्रंथ के कन्नड़ लिपी में प्रति कहां पर है ?
155. आह्वानन, स्थापन, सन्निधिकरण पूजन व विसर्जन को क्या कहा गया है ?
156. ज्वाला मालिनी कल्प के नवम् परिच्छेद में कितने पद्य हैं ?
157. आचार्य इन्द्रनंदी द्वारा रचित मंत्र शास्त्र का उत्कृष्ट ग्रंथ कौन सा है ?
158. सिद्धांतसार ग्रंथ कौन सी भाषा में निबद्ध है ?

159. सिद्धांतसार ग्रंथ में कितनी गाथायें हैं ?
160. गणितसार ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
161. मरणकण्डिका ग्रंथ में कितनी गाथायें हैं ?
162. अर्घकाण्ड ग्रंथ में कितनी गाथायें कितने अध्याय और उसकी भाषा कौनसी है ?
163. मंत्रमोहदधि ग्रंथ कौन सी भाषा में लिखा गया है ?
164. पासणाहचरित के रचयिता कौन हैं ?
165. प्रतिष्ठासार संग्रह ग्रंथ के लेखक कौन हैं ?
166. उपवासकाध्यन में कुल कितनी गाथायें हैं ?
167. तत्त्वानुशासन ग्रंथ में कितने पद्य हैं ?
168. तत्त्वानुशासन ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
169. अध्यात्म तंरिगिनी ग्रंथ की रचना किसने की है ?
170. प्रमाप्रमेय ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
171. प्रमाप्रमेय ग्रंथ में कितने निग्राहस्थान हैं ?
172. कातन्त्ररूपमाला नाम किसने दिया था ?
173. कातन्त्ररूपमाला का वास्तविक नाम क्या है ?
174. सिद्धांतसार ग्रंथ कितने श्लोक प्रमाण है ?
175. कन्नड़ व्याकरण के रचयिता कौन हैं ?
176. धर्माभृत ग्रंथ में कितनी रोचक कथायें हैं ?
177. आचार्य नयसेन जी का जन्म कहाँ हुआ था ?
178. धर्मोपदेश में ग्यारहवीं कथा किसकी महत्ता बतलाने के लिये लिखी गई है ?
179. आचारसार ग्रंथ में कितने परिच्छेद हैं ?
180. आचारसार ग्रंथ के पंचम अधिकार में कितने पद्यों में चारित्राचार का विस्तार पूर्वक निरूपण किया गया है ?
181. आस्रवत्रिभंगी ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
182. आस्रवत्रिभंगी में कितनी गाथायें हैं ?
183. भावत्रिभंगी में कितनी गाथायें हैं ?
184. परमागमसार में कितनी गाथायें हैं ?
185. कौन से नाटक के 6 अंक हैं ?
186. अञ्जनापवनंजयं इसमें कितने अंक हैं ?
187. आचार्य नयनंदी के गुरु का नाम क्या था ?
188. सुदणचरित ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
189. तत्त्वार्थसूत्रवृत्ति नवग्रह ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
190. बृहदद्रव्यसंग्रह टीका के रचयिता कौन हैं ?

191. बृहदद्रव्यसंग्रह टीका कितने श्लोक प्रमाण है ?
192. कर्मप्रकृति नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
193. भावनापद्धति ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
194. शांतिनाथ चरित के लेखक कौन हैं ?
195. वर्धमानचरित कितने अधिकारों में विभक्त है ?
196. मल्लिनाथचरित में कितने श्लोक हैं ?
197. मूलाचार प्रदीप ग्रंथ में कितने अधिकार हैं ?
198. आदिपुराण ग्रंथ में कितने पद्य हैं ?
199. उत्तरपुराण में कितने अधिकार हैं ?
200. सिद्धांतसार दीपक में कितने अधिकार हैं ?

पद्मपुराण ग्रंथ से

201. अम्भोजमाला किसकी नानी थी ?
202. श्रीकण्ठ ने वानर द्वीप में कब प्रवेश किया था ?
203. अनरण्य ने किससे दीक्षा ली ?
204. तुम निन्दित आचरण वाले हो इसलिये तुम्हें नमस्कार नहीं करूंगा ऐसा किसने कहा ?
205. मेघवाहन के साथ कितने राजाओं ने दीक्षा ली ?
206. माल्यवान की कितनी स्त्रियाँ थी ?
207. केकसी ने कितने स्वप्न देखे ?
208. हरिषेण चक्रवर्ती की सेना कितनी लम्बी चौड़ी थी ?
209. श्री प्रभा का विवाह किसके साथ हुआ ?
210. संजयंत मुनि का अपहरण कर उपसर्ग किसने किया था ?
211. बाली राजा ने किन मुनिराज से दीक्षा ग्रहण की थी ?
212. रावण ने कैलाश पर्वत पर रहकर जिनेन्द्र भगवान की कितने दिन पूजा भक्ति की थी ?
213. अंग और अंगद किसके पुत्र थे ?
214. रावण जब इन्द्र से युद्ध करने गया तब विद्याधर की सेना कितनी इकट्ठी हो गयी थी ?
215. शतबाहु मुनिराज को कौनसी ऋद्धि प्राप्त थी ?
216. हे महाबल ! जैसे हम तीनों भाई वैसे चौथा तुम ? ऐसा किसने कहा ?
217. सहस्र रश्मि ने किससे दीक्षा ली ?
218. राजा हरिवाहन के समाधी कौन थे ?
219. राजा मधु को कौन सा शूल रत्न भेट में मिला था ?
220. रावण ने शत्रुओं को वश में करने के लिये कितने वर्ष विहार किया ?

231. भामण्डल राम के साथ कितने दिन अयोध्या रूके ?
232. उपास्ति का जीव कौनसा राजा बना ?
233. राम लक्ष्मण वन प्रस्थान में सीता की चाल से प्रतिदिन कितने कोश चलते थे ?
234. रावण की कितनी रानियाँ थी ?
235. राजा अनरण्य के पोता और दशरथ के पुत्र उनके जीते जी तू कैसे अयोध्या का राज्य चाहता है ? ऐसा किसने कहा ?
236. राजा अतिवीर्य ने किससे दीक्षा ली ?
237. हनुमान लंका में सबसे पहले किसके पास गये।
238. सीता का लंका में कितने उपवास हुये ?
239. सप्तचारण ऋद्धिधारी मुनिराज के माता का क्या नाम था ?
240. अनंगसरा ने कितने वर्ष तप किया ?
241. अजगर को अभयदान किसने दिया ?
242. सप्तचारण ऋद्धिधारी के पिता का क्या नाम था ?
243. विभीषण के महल में कौन से भगवान का जिनालय था ?
244. राम लक्ष्मण लंका में कितने वर्ष रहे ?
245. अयोध्या नगरी कितनी योजन लम्बी थी ?
246. रावण ने किस वन से सीता का हरण किया था ?
247. राम ने कौन से पर्वत से दोनों मुनिराज का उपसर्ग दूर किया था ?
248. भरत के साथ कितने राजाओं ने दीक्षा ली थी ?
249. महापुरुष पुण्यानुवन्धी पुण्यकर अन्त में कौनसा पद प्राप्त करते हैं ?
250. पद्मपुराण में कुल कितने अधिकार हैं ?
251. पद्मपुराण ग्रन्थराज कितने श्लोकों में रचा गया ?
252. लक्ष्मण के कितने पुत्र थे ?
253. बिजली के समान चंचल कौन है ?
254. लक्ष्मण के आठों पुत्रों ने किससे दीक्षा ली थी ?
255. हनुमान का वैराग्य का कारण ?
256. हनुमान की रानियों ने किस आर्यिका से दीक्षा ली ?
257. रावण की सेना का प्रमाण कितना था ?
258. रावण व विभीषण जब युद्ध के लिये उद्यम हुये तो किसने बड़ी कठिनाई से रोका था ?
259. सुकौशल के धाय का नाम क्या था ?
260. सौदास के माता का नाम क्या था ?
261. हनुमान का प्रथम भव का नाम क्या था ?

262. सौदास के पिता का नाम क्या था ?
263. उदय सुंदर का वैराग्य का वर्णन किस पर्व में है ?
264. कनकोदरी का वर्णन किस पर्व में है ?
265. पद्मपुराण में कितने युगलों के पूर्वा भवों का कथन है ? जैसे - राम+लक्ष्मण
266. सीता को रावण ने सबसे पहले कहां रखा था ?
267. आनंद उद्यान में कौन से भगवान की प्रतिमा थी ?
268. राम के समान स्त्री दुःख किसको था ?
269. राम ने रावण को कितने बार रथ से रहित किया था ?
270. श्री रामचन्द्र जी का सेनापति कौन था ?
271. सीता ! आर्यिका माता ने कितने वर्ष तप किया था ?
272. राम लक्ष्मण के मृतक शरीर को लेकर कितने पक्ष घुमे थे ?
273. राम ने णमोकार मंत्र किसको सुनाया था ?
274. कृतान्तवक्र का जीव और जटायु पक्षी का जीव कौन से स्वर्ग में देव हुआ ?
275. राम ने लक्ष्मण के मृतक शरीर का दाह संस्कार कहाँ किया ?
276. देवों ने सीता के लिये कितने कमलदल की रचना की ?
277. सीता के दीक्षा के बाद राम किसकी गंधकुटी में गये ?
278. शत्रुघन का जीव कितनी बार भैंसा बना ?
279. रानी कैकयी के साथ कितनी रानियों ने दीक्षा ली ?
280. भरत ने किससे मुनि दीक्षा ली ?
281. श्री रामचंद्र जी की आयु कितनी ?
282. श्री दशरथ जी तप के प्रभाव से कहां गये थे ?
283. भामण्डल तप के प्रभाव से कहां गये थे ?
284. श्री राम मुनि पांच उपवास के बाद आहारचर्या के लिये किस नगर में आये ?
285. श्री राम मुनि को वन में किस राजा रानी ने आहारदान दिया ?
286. राम मुनि ने कौन सी प्रतिज्ञा की थी ?
287. सीता का जीव कहां से आकर राममुनि को विचलित करने आया ?
288. राम की शरीर की उंचाई कितनी थी ?
289. साधुओं के आहार का समय टालकर भोजन करूंगा ये व्रत किसका था ?
290. जनक राजा किस वंश के हैं ?
291. अयोध्या नगरी कितनी योजन चौड़ी थी ?
292. इन्द्र ने कौन से चारणधारी मुनि के समक्ष अपनी निंदा की ?
293. इन्द्र को कौन से मुनिराज ने कहां था कि जो साधुओं का निरादर करते हैं वे निगोद जाते हैं ?

294. पवनञ्जय कौन से हाथी पर बैठकर अंजना को ढूँढते रहे ?
295. हनुरूहद्वीप में पवनञ्जय अंजना के साथ कितने दिन रहे ?
296. वरुण के कितने पुत्र थे ?
297. लंका का विस्तार कितना था ?
298. अंनंगसरा का किसने अपहरण किया था ?
299. 63 श्लाका पुरुषों का वर्णन किस पर्व में है ?
300. अंनंगसरा ने किसका त्याग किया था ?

स्वयंभू स्त्रोत

301. स्वयंभू स्तोत्र कौन आचार्य ने सृजित किया ?
302. आचार्य समंतभद्र स्वामी के द्वारा 143 काव्यों में कौन सा स्तोत्र लिखा गया ?
303. आदिनाथ भगवान का स्तवन कौन से छंद में है ?
304. स्वयंभू स्तोत्र में कुल कितने प्रकार के छंद हैं ?
305. आदिनाथ भगवान को किस नाम की सार्थकता है ?
306. आदिनाथ भगवान ने प्रथम जीने के इच्छुक जनता का किसका आदेश दिया ?
307. प्रबुद्ध तत्त्व का अर्थ क्या है ?
308. आदिनाथ भगवान ने किस स्त्री को छोड़कर दीक्षा ली ?
309. भगवान आदिनाथ निर्दयता पूर्वक किसे नष्ट किया ?
310. भगवान आदिनाथ ने घातिया कर्म को किस अग्नि से जलाया ?
311. आदिनाथ भगवान किस अमृत पद के स्वामी को प्राप्त किया ?
312. विश्वचक्षु शब्द का अर्थ क्या है ?
313. आदिनाथ भगवान के स्तवन में चक्षु शब्द कितने बार आया है ?
314. आदिनाथ भगवान किस वर्ग में अजेय रहते थे ?
315. अजितनाथ भगवान का अजित नाम किसने सार्थक किया था ?
316. अजितनाथ तीर्थकर का नाम आज भी लोक में किस कामना से लिया जाता है ?
317. भव्य जीव किसे प्राप्त करके दुख की जीत लेते हैं ?
318. अजितनाथ भगवान ने किस धर्म तीर्थ को प्रणीत किया ?
319. किससे तपकर बड़े 2 हाथी गंगा नदी के अगाध जल में प्रवेश करते हैं ?
320. भगवान अजितनाथ ने किस दोष को नष्ट किया ?
321. भगवान अजितनाथ ने किसमें समता भाव रखा ?
322. भगवान अजितनाथ का स्तवन स्वयंभू स्त्रोत में किस छंद में है ?
323. भगवान संभवनाथ का स्तवन स्वयंभू स्त्रोत में किस छंद में है ?

324. भगवान संभवनाथ को कौन सा वैद्य कहा है ?
325. भगवान अजितनाथ के स्तवन के अंत में क्या मांगकर प्रार्थना की गई है ?
326. संभवनाथ भगवान अशरण मनुष्यों का क्या शांत करते हैं ?
327. यह संसार किन तीन चीजों से पीड़ित है ?
328. सत्हद्र का अर्थ क्या है ?
329. अंजस्र का अर्थ क्या है ?
330. अनित्य इन्द्रिय सुख से क्या बढ़ती हैं ?
331. संभवनाथ भगवान ने किस मत से बंध मोक्ष का निरूपण किया ?
332. किस मत में बंध मोक्ष सिद्ध नहीं होता है ?
333. अनित्य अशरण के अहंकार से जीव कौन दोष से दूषित होता है ?
334. शुक्र का अर्थ क्या है ?
335. संभवनाथ भगवान कौन सी कीर्ति से युक्त हैं ?
336. इन्द्र संभवनाथ की क्या करने में असमर्थ है ?
337. शम्भव शब्द का शंकार कौन सा श है ?
338. शम्भव शब्द का अर्थ क्या है ?
339. सम्भव शब्द का अर्थ क्या है ?
340. अभिनंदन भगवान का स्तवन कौन से छंद में लिखा गया ?
341. अभिनंदन शब्द का अर्थ क्या है ?
342. अभिनंदननाथ भगवान के लिये किस शब्द के साथ अभिनंदन जोड़ा है ?
343. अभिनंदननाथ भगवान की सखी कौन थी ?
344. अभिनंदननाथ भगवान की स्त्री कौन थी ?
345. अभिनंदननाथ भगवान ने किन दो सखी स्त्री का सहारा लिया ?
346. समाधि तंत्र को प्राप्त करने के लिये किस गुणों से युक्त हुये ?
347. अभिनंदननाथ भगवान ने कितने प्रकार से निर्ग्रन्थता प्राप्त की ?
348. अभिनंदननाथ भगवान जी ने दया वधु को प्राप्त करके क्या किया ?
349. अभिनंदननाथ भगवान ने किस रूप से तत्त्व का ग्रहण कराया ?
350. राजभय से व्यक्ति किस कार्य में प्रवृत्त नहीं होता ?
351. आसक्तता से किस चीज की वृद्धि होती है ?
352. विषय आसक्ति से क्या उत्पन्न होता है ?
353. अभिनंदननाथ भगवान का मत किसके लिये कल्याणकारी है ?

354. अभिनंदननाथ भगवान किस पुरुष के लिये शरण माने गये है ?
355. सुमतिनाथ भगवान का नाम किस अर्थ में सार्थ है ?
356. अन्य मतों में कौन सी तीन चीजों की सिद्धि नहीं होती है ?
357. सुमतिनाथ भगवान का मत किससे युक्त है ?
358. सुयुक्ति से प्राप्त तत्त्व किस रूप से होता है ?
359. किस एक को कल्पित करना क्या होता है ?
360. एक और अनेक में से किसी एक धर्म का लोप हो जाने पर क्या होता है ?
361. सुमतिनाथ भगवान का स्तवन कौन से छंद में किया गया है ?
362. सुमतिनाथ भगवान के स्तवन में सर्वथा नित्य मानने पर क्या युक्त नहीं होता है ?
363. किस पदार्थ की कभी उत्पत्ति नहीं होती है ?
364. किस पदार्थ का सर्वथा नाश नहीं होता है ?
365. एक ही पदार्थ में द्रव्य और पर्याय की अपेक्षा से क्या पाया जाता है ?
366. सत् रूप पदार्थ में कथञ्चित् क्या पाया जाता है ?
367. फूल किसमें प्रसिद्ध होता है। किसमें नहीं ?
368. विधि शब्द का अर्थ क्या है ?
369. निषेध शब्द का अर्थ क्या है ?
370. एक पदार्थ में कथञ्चित् कौन सी दो चीजे इष्ट होती है ?
371. वक्ता की इच्छा से कौन सी व्यवस्था बनती है ?
372. सुमतिनाथ भगवान से आचार्य समंतभद्र देव ने क्या प्रार्थना की ?
373. पद्म का अर्थ क्या होता है ?
374. पलाश का अर्थ क्या होता है ?
375. लेश्या का अर्थ क्या होता है ?
376. पयोज का अर्थ क्या होता है ?
377. पद्माकर का क्या अर्थ होता है ?
378. पदमबन्धु का क्या अर्थ होता है ?
379. भगवान पदमप्रभ किससे घिरे हुये होते है ?
380. मार्दव का क्या अर्थ होता है ?
381. अम्बुज का क्या अर्थ होता है ?
382. पदमप्रभ भगवान का स्तवन कौन से छंद से किया गया है ?
383. गुणनिधि का क्या अर्थ होता है ?

384. विप्रुष का अर्थ क्या होता है ?
385. आखण्डल का क्या अर्थ होता है ?
386. जीव का स्वार्थ क्या है ?
387. क्षणभंगुर भोगों में लीन होना क्या नहीं है ?
388. भोगकांक्षा की वृद्धि से क्या नहीं होता ?
389. मनुष्य का शरीर कैसा होता है ?
390. मनुष्य का शरीर किस जैसा है ?
391. शरीर की चार विशेषतायें कौन सी है ?
392. इस शरीर से क्या करना व्यर्थ है ?
393. किन दो कारणों से कार्य होता है ?
394. क्या चीज नहीं टाली जा सकती है ?
395. अहंकारी व्यक्ति किस कारण से अहंकार करता है ?
396. आदमी किससे डरता है ?
397. मृत्यु के डरने से क्या प्राप्त नहीं होता है ?
398. हमेशा मोक्ष की इच्छा करने से क्या हानि होती है ?
399. अज्ञानी प्राणी किसके साथ तप करता है ?
400. तीर्थंकरों ने किसके समान तत्त्व का उपदेश दिया है ?

स्वतंत्रता संग्राम जैन से

401. भूतदया जैनो का मुख्य तत्त्व हैं। मैं सब अहिंसा वाले लोगों को जैन समझता हूँ। यह वाक्य किसने कहा था ?
402. वे कौन थे जिनकी पत्नी ने पाठशाला की फालतू लकड़ी से चौकी बनवाने पर पाठशाला को एवं मजदूर को लकड़ी के दाम दिये थे ?
403. वे कौन थे जिन्होंने जेल में 56 दिन का निराहार व्रत किया था ?
404. गांधी और महावीर नामक लेख के कारण सरकार ने जैन प्रदीप पत्रिका पर पाबन्दी किस सन् में लगाई थी ?
405. जैन प्रदीप पत्रिका की स्थापना सन् 1912 में किसने की थी ?
406. जैन महिलादर्श मासिक पत्रिका में आज की एक विकट समस्या स्तंभ प्रारंभ किया था उसमें अगस्त 1946 विषय था स्त्रियां राजनैतिक क्रांति में भाग ले या नहीं इस पर किसको 25 रुपये प्रथम पुरुस्कार मिला था ?
407. जैन संदेश के राष्ट्रीय अंक में श्री देवेन्द्र कुमार जी का लेख कब छपा था ?

408. जैन संदेश राष्ट्रीय अंक में 23 जनवरी 1947 में राष्ट्र के बारे में लेख किसका छपा था ?
409. जैन प्रकाश नामक पत्रिका ने अपना राष्ट्रीय अंक कब निकाला था ?
410. जैन मित्र में राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत पंक्तियां किस अंक में लिखी थी ?
411. जैन मित्र के संपादक 1927 में कौन थे ?
412. चौधरी पण्डित जीयालाल जैन ज्योतिषी द्वारा फरुखनगर से 1884 ई. के आरम्भ में किस नाम से पत्रिका का प्रकाशन हुआ था ?
413. 1984 में जैन बोधक नामक हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन किसने किया था ?
414. वर्मा और मलाया में झाँसी की रानी रेजीमेन्ट स्थापित करने का कार्य पूरा कब हुआ था ?
415. 26 जून 1943 को टोकियों रेडियों से प्रवासी भारतीयों के नाम अपना पहला भाषण किसने प्रसारित किया था ?
416. श्री चिमनभाई चकुभाई शाह का जन्म कब हुआ था ?
417. जैन समाज के प्रमुख पत्र प्रबुद्ध जीवन के आजीवन संपादक कौन थे ?
418. भगवान महावीर 2500वाँ निर्वाण समिति में राष्ट्रीय समिति के मंत्री कौन थे ?
419. श्री चिमनभाई चीकूभाई शाह के पिता कौन थे ? जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे ?
420. वे कौन थे जो 1940 के व्यक्तिगत सत्ताग्रह में एक वर्ष तक जेल में रहे हो ?
421. संविधान सभा के अंतिम दिन सभी सदस्यों के हस्ताक्षर हुये थे वह दिनांक क्या था ?
422. संविधान सभा का विधिवत उद्घाटन कब हुआ था ?
423. संविधान सभा के अध्यक्ष कौन चुने गये थे ?
424. भारतीयों द्वारा भारत का संविधान बनाये जाने की स्पष्ट मांग सर्वप्रथम किसने और कब की थी ?
425. जैन तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित अहिंसा व अपरिग्रह के सिद्धांतों से प्रभावित कौन हुये थे ?
426. केवल मैं ही नहीं सारा राष्ट्र जैन हैं। यह वाक्य किसने कहा था ?
427. जैन लोग अपशब्द/गाली का प्रयोग नहीं करते। यह वाक्य किसने कहा था ?
428. बेगार न करने पर किस पर मुकदमा चलाया गया था ?
429. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री हुक्मीचंद पोरवाल रानापुर झाबुआ का जन्म कब हुआ था ?
430. 3 मई 1999 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने किसकी प्रतिमा का अनावरण किया था ?
431. जबलपुर नगर निगम द्वारा एक मार्ग का नामकरण किसके नाम से किया ?
432. संवाद करने का करिश्मा देखना हो तो श्री हुकुमचंद नारद की कलम में देखो। यह वाक्य किसने कहा था ?
433. वे कौन थे जो सतना से जबलपुर आये तब उनके पास केवल अठाने की पूंजी थी ?
434. श्री हुकुमचंद नारद जी का जन्म कहां और कब हुआ था ?
435. ललितपुर में जैन मंदिरों को सबके लिये खुलवाने का श्रेय किसको जाता है ?

436. तन्मय उपनाम से प्रसिद्ध जैन राष्ट्र कवि कौन थे ?
437. श्री हुकुमचंद बुखारिया का मेरे बापू पत्रिका में राष्ट्र के हृदय की वेदना सम्प्रेषित करने वाली अध्यात्मिक रचना कौन सी है ?
438. ललितपुर उ.प्र. में श्री परमानंद के घर 1981 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
439. जबलपुर मध्य प्रदेश में सन् 1914 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का क्या नाम था ?
440. वे कौन थे जिनका जन्म कटनी म.प्र. में हुआ तथा जंगल सत्ताग्रह में जुलाई 1930 का कारावास मिला हो ?
441. वह कौन सी महिला है जो अपने पति श्री हीरालाल जैन को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पेंशन प्राप्त की राशि विद्यार्थी को दे देती है ?
442. वे कौन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिनका कविताओं का संग्रह प्रणय कुमार के नाम से छपा हो ?
443. जयहिन्द नाम के एक साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन किसने शुरू किया था ?
444. जयहिन्द नाम के एक साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन कब शुरू हुआ था ?
445. जबलपुर में 19 सितम्बर 1915 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का क्या नाम था ?
446. बी.ए.एल.एल.बी की शिक्षा प्राप्त करने वाले इन्दौर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का क्या नाम था ?
447. कुशल अर्थशास्त्री श्री हीरालाल कोठारी का जन्म कब और कहां हुआ था ?
448. साहित्य की सर्वोच्च उपाधि महामहोपाध्याय से अलंकृत उज्जैन के संस्कृत विभाग अध्यक्ष पद सेवानिवृत्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
449. डॉ. हरीन्द्रभूषण जैन का जन्म कब और कहां हुआ था ?
450. सिवनी म.प्र. में 21.12.1913 को जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
451. रामगढ़ के थाने से लल्लूराम कुमार की 30 रुपये की रिश्त राशि वापस कराने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
452. मस्ते जी उपनाम से विख्यात होशंगाबाद म.प्र. के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
453. कटनी म.प्र. में श्री मूलचन्द्र जैन के घर 1910 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
454. मदनगंज किशनगढ़ में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
455. शोभापुर में विदेशी वस्तुओं की होली जलाते हुये गिरफ्तार किया गया ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
456. व्यावरा जिला राजगढ़ म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का क्या नाम था ?
457. भारत नौजवान सभा के सक्रिय कार्यकर्ता जिनका जन्म सारंगपुर उ.प्र. में हुआ ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?

458. सागर म.प्र. सन् 1921 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
459. गिरफ्तार होकर जबलपुर जेल में रहे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
460. सात माह 23 दिन सेंट्रल जेल इन्दौर में कैद रहे नीमच के जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
461. सन् 1889 में रतलाम म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
462. म.प्र. राज्य में वित्तमंत्री रहे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
463. श्री सौभाग्यमल जैन का जन्म कब और कहा हुआ था ?
464. मेघनगर झाबुआ में वीरचंद्र जैन के घर जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
465. जगदलपुर छत्तीसगढ़ में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
466. परतंत्र भारत में विवाह न करने की प्रतिज्ञा करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
467. सफल पत्रकार के रूप में विख्यात शादरी उदयपुर राजस्थान में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
468. अंजड म.प्र. में 13 अगस्त 1924 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
469. मारवाड लोक परिसर के तृतीय लाडनू अधिवेशन में सक्रिय सहयोग देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का क्या नाम था ?
470. पाटन जबलपुर म.प्र. में राष्ट्रीय स्वयं सेवक शाखा के मुख्य शिक्षक रहे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
471. सूरजचन्द्र जैन का जन्म कब और कहा हुआ था ?
472. भोपाल राज्य विलीनीकरण आंदोलन में भाग लेने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
473. जिनवाणी प्रचारक कार्यालय को चलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के चाचा का क्या नाम था प्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी रहे हो ?
474. प्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी श्री परमानंद सिंघई के भतीजे का क्या नाम था, जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हो ?
475. कलकत्ता में जवाहर प्रिटिंग प्रेस चलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का क्या नाम था ?
476. जिला स्वतंत्रता सेनिक संघ के मंत्री रहे छतरपुर म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का क्या नाम था ?
477. सनावद म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
478. बुढ़ार म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
479. लोकसभा राज्यसभा सदस्य रहें मुजफ्फरनगर उ.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?

480. उदयपुर राजस्थान में 19 मार्च 1925 को जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या है ?
481. ऑनरेरी मजिस्ट्रेट रहे कानपुर उ.प्र. जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
482. जन्म के समय जिनके मुँह में सोने की चम्मच थी मेरठ उ.प्र. जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
483. पिण्डरई मण्डला म.प्र. में सन् 1916 जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
484. घी वाले उपनाम से विख्यात मुजफ्फरनगर उ.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
485. सागर म.प्र. में 1901 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
486. करो या मरो आंदोलन में 1942 में एक वर्ष की कठोर सजा काटने वाले ललितपुर उ.प्र. में 1999 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
487. पद्मभूषण सम्मान को सरकार की नीतियों से अस्वीकार करने वाले प्रसिद्ध गांधीवादी सर्वोदय नेता का नाम बताइये जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हो ?
488. स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेना का शिक्षक पद से निलम्बित किये गये दमोह म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
489. टीकमगढ़ म.प्र. 1912 में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
490. 13 सितम्बर 1942 से 17 जनवरी 1943 तक नजरबन्द रहें जबलपुर में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
491. 5 माह रीवा जेल में रहे बुढ़ार म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम क्या था ?
492. श्री सांवलदास की पुत्री का नाम बताइये जो पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रही बाद में जिन्होंने आर्थिका दीक्षाली हो ?
493. म.प्र. विधानसभा के उपाध्यक्ष रहे जबलपुर नगर में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताइये ?
494. जबलपुर नगर निगम के महापौर रहे 30 नवम्बर 1911 को जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताइये ?
495. फिरोजपुर उ.प्र. में जन्में सन् 1942 के आंदोलन में डाक बंगला जलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताइये ?
496. अबागढ़ एटा उ.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताइये ?
497. प्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी श्री सरदार सिंह महनोत की पत्नी का नाम बताइये, जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रही हो ?
498. साहू जैन कॉलेज नजीबाबाद बिजनौर उ.प्र. के राजनैतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष अध्यक्ष पद पर रहे मुंगावली म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताइये ?
499. सत्यार्थी उपनाम से प्रसिद्ध लड़ावना आगरा उ.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताइये ?

500. मध्यभारत के प्रथम मंत्री मण्डल में संसदीय सचिव यशस्वी लेखक ग्वालियर म.प्र. में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताइये ?

स्वर्ण शिला उपन्यास

501. स्वर्ण शिला उपन्यास के नायक कौन है ?
502. स्वर्ण शिला उपन्यास के नायक के भाई का क्या नाम था ?
503. स्वर्ण शिला उपन्यास के कितने अध्याय हैं ?
504. स्वर्ण शिला उपन्यास कितने पृष्ठों में निबद्ध है ?
505. भर्तृहरि किस मुद्रा के सामने नतमस्तक होते हैं ?
506. धर्म किससे प्रभावित होकर नहीं अपनाना चाहिये ?
507. धर्म क्या समझकर अपनाना चाहिये ?
508. उपन्यास के अंत में भर्तृहरि ने आचार्य शुभचंद को किस शब्द से संबोधित किया ?
509. स्वर्ण शिला उपन्यास का सम्पादकीय किसने लिखा ?
510. स्वर्ण शिला उपन्यास कौन सा उपन्यास है ?
511. भर्तृहरि ने दो कौन से शतक लिखे ?
512. बिना डोर के कौन उंचाईयों का स्पर्श नहीं कर सकती ?
513. मालव के सम्राट कौन थे ?
514. महारानी की चिंता क्या थी ?
515. महारानी का नाम क्या था ?
516. अक्लदेवी को जो शिशु मिला उसका नाम क्या रखा गया ?
517. महाराजा सिंह के प्रधानमंत्री का नाम क्या था ?
518. महाराजा सिंह के दण्डनायक का क्या नाम था ?
519. स्वर्णशिला उपन्यास में किस विक्रम संवत् का उल्लेख है ?
520. अक्लदेवी ने मुंज को किस देव के दर्शन की प्रेरणा दी ?
521. मुंज की पत्नी का नाम क्या था ?
522. सिंहदेव महाराजा के राजकुल की परंपरा क्या थी ?
523. शुभचन्द्र की पैर की धूली से शिला कैसी बन गई ?
524. मुंज के गुरु ने उपासना करने को कहा क्या नहीं बनने का कहा ?
525. मुंज को कौन सा खेल अत्यंत प्रिय था ?
526. मुंज थक जाने के बाद बाल मंडली के साथ क्या करता था ?

527. गुडी पडवा का दिन कौन सी ऋतु में आता है ?
528. मुंज ने किस मुनि से नाममाला पढ़ी ?
529. विद्या किसे कहते हैं ?
530. अविद्या में तीन चीजें कौन सी होती हैं ?
531. अविद्या किससे बाहर होती है ?
532. कुल जाति से बड़ा कौन होता है ?
533. नया कार्य किस भावना के साथ करना चाहिये ?
534. मंगल भावना का निर्माण करने के लिये किसकी आराधना करनी चाहिये ?
535. कोई भी कार्यक्रम निश्चित करने से पहले किस मित्र का सहारा लेना चाहिये ?
536. जब अपनी बुद्धि नहीं चले तो क्या करना चाहिये ?
537. परामर्श में किसकी सापेक्षता नहीं होती है ?
538. मुंज के कवि विश्वनाथ जी कौन थे ?
539. मुंज ने गुरु विश्वनाथ को कैसे प्रणाम किया ?
540. नाममाला ग्रंथ किस विषय का ग्रंथ है ?
541. स्वर्ण शिला उपन्यास में गुप्तचर का नाम क्या है ?
542. मुंज की दासी का नाम क्या था ?
543. मुंज ने अक्लदेवी का गर्भ गिरवाने के लिये क्या किया ?
544. विद्या सिद्धी के लिये कितने दिन दीप जलाया ?
545. विद्या सिद्धी और चौकी रखने के लिये कितनी कन्याओं को भोजन कराना था ?
546. मुंज ने अक्लदेवी के गर्भपात हेतु अनुष्ठान में कितनी स्वर्ण मुद्रायें देना का वचन दिया ?
547. रत्नवती ने गर्भपात को कौन सा कर्म कहा ?
548. तांत्रिक के व्यापार को रत्नवती किससे चलता हुआ बताया ?
549. किसकी सुरक्षा करना वीर पुत्र की आकांक्षा होती है ?
550. अक्ल देवी के पुत्र का नाम क्या था ?
551. मुंज का राज्याभिषेक किस संवत् में किया गया ?
552. महाराजा सिंहदेव ने कितनी उम्र में मुंज का राज्याभिषेक किया ?
553. पौष सुदी 11 को मुंज को कौन सा पद मिला ?
554. सिंहलदेव का विवाह किसके साथ हुआ ?
555. सिंहल देव को युगल पुत्र रत्न की प्राप्ति कब हुई ?
556. चंदला देवी ने स्वयंवर जयमाला किसको डाली ?
557. जैन दर्शन ने पदार्थ जानने के दो उपाय कौन से माने हैं ?

558. स्वर्ण शिला उपन्यास के लेखक कौन है ?
559. सत् संख्यादि पदार्थ जानने के कितने उपाय हैं ?
560. महाराजा मुंज ने किसके अपहरण की जिद पकड़ी ?
561. वह होयसल युवराज कौन था जिसने मुंज की सेना को घेरा था ?
562. मुंज किस भय से छद्म वेशी बनकर भागा था ?
563. रोयंग प्रभु ने परमार सेना को घेर कर क्या बन्द कर दी थी ?
564. मुंज ने किस नगर के मार्ग से पलायन किया था ?
565. ऋषभ देव को अपर नाम क्या है ?
566. ऋषभदेव को कौन से ऋषि भी कहते हैं ?
567. अर्ककीर्ति मुंज का कौन था ?
568. सिंहलदेव के सैन्य शिविर की दो बातें कौन सी थी ?
569. कमजोर व्यक्ति या राष्ट्र का कोई भी क्या नहीं होता है ?
570. सिंहलदेव ने विवाद में रूचि न लेकर क्या किया ?
571. सिंहलदेव के दंड का स्वरूप कैसा था ?
572. वात्सल्य उत्पत्ति का आधार क्या है ?
573. जनसंपर्क का प्रथम माध्यम क्या है ?
574. सिंहलदेव के सैन्य शिविर में किसको प्रोत्साहन नहीं दिया जाता था ?
575. सिंहलदेव के सैन्य शिविर में किसके संस्मरण सुनाये जाते थे ?
576. सिंहलदेव के सैन्य शिविर के शिक्षणार्थी किसे प्रणाम करते थे ?
577. सिंहलदेव के सैन्य शिविर की कार्य पद्धति कैसी थी ?
578. सिंहलदेव ने एकात्मता का मूलाधार क्या माना था ?
579. लौह दंड को उखाड़ने में पहले असफल कोन हुआ ?
580. योगी द्वारा गाढे गये लौह दंड को किसने उखाड़ा ?
581. सिंहलदेव ने राष्ट्र रक्षा को क्या माना ?
582. किस मंत्री के साथ मिल मुंज ने शुभचंद्र और भर्तृहरि को मरवाने की योजना बनाई ?
583. राजनैतिक व्यक्ति के मन और वाणी में अंतर समझना कैसा होता है ?
584. वशीकरण को उच्चाटन को उद्देश्य क्या होता है ?
585. उच्चाटन वशीकरण क्रिया का उद्देश्य क्या नहीं होता है ?
586. शुभचन्द्र जब प्रसाद खाने लगते तो क्या हुआ ?
587. भर्तृहरिजब प्रसाद खाने लगे तो शुभचन्द्र ने क्या किया ?

588. शिवपूजन के प्रसाद के लड्डुओं में क्या था ?
589. शुभचन्द्र और भर्तृहरि के तर्क से कौन सहमत हो गया ?
590. शुभचन्द्र और भर्तृहरि ने व्यर्थ की हिंसा को बढ़ाने के अलावा क्या उचित माना ?
591. संयोग हमेशा किसका कारण होता है ?
592. संयोग में संयोग हमेशा क्या नहीं रहा है ?
593. समता से वियोगों को भोगने पर क्या नहीं होता है ?
594. इन्द्र, चक्रवर्ती और तीर्थंकरों को भी किसका फल भोगना पड़ता ?
595. नियमों और सिद्धांतों का निर्माण किसने किया है ?
596. नीति निर्माण उद्देश्य क्या होता है ?
597. शुभचन्द्र ने पत्र किसको लिखा ?
598. भर्तृहरि कसकी चिंता में दुःखी हुआ ?
599. भर्तृहरि के गुरु कौन थे ?
600. शुभचन्द्र जी ने कौन सा रूप धारण किया ?

धवल कीर्तिमान

601. जैन धर्म रक्षण एवं संघर्ष के इतिहास की पुस्तक किस नाम से हैं ?
602. धवल कीर्तिमान पुस्तक का प्रकाशन कहां से हुआ ?
603. धवल कीर्तिमान पुस्तक के लेखक कौन थे ?
604. आर्य समाज से शास्त्रार्थ करने के लिये कौन से संघ की स्थापना की गई ?
605. भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रार्थ संघ की स्थापना कब की गई ?
606. शास्त्रार्थ संघ की स्थापना कहां पर हुई थी ?
607. प्रारंभ में शास्त्रार्थ संघ की कमान किसने संभाली ?
608. शास्त्रार्थ संघ ने लगभग कितने स्थानों पर शास्त्रार्थ किया ?
609. वे नगर जहां शास्त्रार्थ हुये कोई पांच नाम ?
610. लिखित शास्त्रार्थ कहां पर हुये ?
611. शास्त्रार्थ युग की सबसे बड़ी घटना क्या हुई ?
612. स्वामी कर्मानंद जी ने क्षुल्लक दीक्षा किससे ली ?
613. दीक्षा के बाद स्वामी कर्मानंद जी का क्या नाम रखा गया ?
614. श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रार्थ संघ से शास्त्रार्थ नाम कब निकाला गया ?
615. श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रार्थ संघ से शास्त्रार्थ ने नया नाम क्या रखा ?
616. वर्तमान में इसका कार्यालय कहां पर है ?

617. भारतवर्षीय दिगम्बर जैन संघ का मुख पत्र कौन सा है ?
 618. श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन संघ द्वारा जैन संदेश का प्रथम अंक कब प्रकाशित हुआ ?
 619. वे कौन थे जिन्होंने आर्य समाज से सबसे पहले शास्त्रार्थ किया ?
 620. वे कौन थे जिन्हें सबसे पहले शास्त्रार्थ प्रेमी कहा गया ?
 621. श्रीमान लाला शिबबामल जी कहां के रहने वाले थे ?
 622. वे कौन थे जो कथाओं को संगीत के माध्यम से जैन समाज की गौरवमयी संस्कृति का बोध कराते थे ?
 623. जैन संघ की वह कौन सी पुस्तक है जिसमें मुनियों के स्वतंत्र आहार-विहार के समर्थन के प्रमाणों का संग्रह किया गया ?
 624. दिगम्बरत्व और दिगम्बर मुनि के लेखक कौन है ?
 625. ईश्वर मीमांसा पुस्तक के लेखक कौन है ?
 626. जैन संघ ने जैन संदेश शोधांक का प्रकाशन कब शुरू किया ?
 627. जैन संदेश शोधांक का अंतिम अंक कब प्रकाशित हुआ ?
 628. वे कौन थे जो जैन संदेश शोधांक के संपादक थे ?
 629. दिगम्बर जैन आगम साहित्य के सुप्रसिद्ध ग्रंथ कषायपाहुड (जयधवला-) के 16 भागों का प्रकाशन कहां से हुआ ?
 360. कषायपाहुड के प्रथम भाग का संपादन कब हुआ था ?
 631. कषायपाहुड प्रथम भाग का संपादन किसने किया था ?
 632. कषायपाहुड के 2 से 16 ग्रंथों का संपादन किसने किया था ?
 633. 1948 में प्रकाशित लोकप्रिय कृति जैन धर्म के लेखक कौन थे ?
 634. धर्म का आदि प्रवर्तक पुस्तक के लेखक कौन है ?
 635. भारतवर्षीय दिगम्बर संघ से प्रकाशित सत्यार्थ दर्पण के लेखक कौन थे ?
 636. जैन संघ मथुरा ने जैन धर्म प्रचार-प्रसार के लिये कौन से क्रांतिकारी कदम उठाये ?
 637. जैन संघ मथुरा द्वारा जैन धर्म की प्रभावना के लिये कौन सा महत्वपूर्ण कार्य किया ?
 638. सबसे पहले रेडियों पर महावीर संदेश ब्राडकास्ट सर्वप्रथम कब हुआ ?
 639. सबसे पहले रेडियों पर महावीर संदेश ब्राडकास्ट किसने कराया ?
 640. जैन संघ ने भारत सरकार से लंबा पत्र व्यवहार किस विषय को लेकर हुआ ?
 641. जैन संघ द्वारा प्रकाशित वरांगचरित्र का अनुवाद किसने किया ?
 642. जैन संघ द्वारा प्रकाशित वरांगचरित्र लेखक कौन है ?
 643. जैन संघ द्वारा सबसे पहला पंडित सम्मेलन कब हुआ ?
 644. जैन संघ द्वारा सबसे पहला पंडित सम्मेलन कहां हुआ ?

645. जैन संघ ने समाज और धर्म की दृष्टि से विवाद सुलझाने में कौन सा महत्वपूर्ण कार्य हाथ में लिया था ?
 646. जैन संघ से प्रकाशित वृहत्कथा संग्रह (भाग-1-2) के लेखक कौन है ?
 647. जैन संघ से प्रकाशित तत्त्वार्थ सूत्र और नमस्कार महामंत्र के लेखक कौन है ?
 648. जैन संघ द्वारा प्रकाशित मुख पत्र जैन संदेश का कौन सा अंक ऐतिहासिक बन गया ?
 649. जैन संघ द्वारा प्रकाशित छहढाला (तत्त्व उपदेश) के रचयिता कौन है ?
 650. जैन संघ द्वारा श्रवणबेलगोला में होने वाले भगवान गोमटेश्वर मस्तकाभिषेक अवसर पर स्पेशल ट्रेन (रेल) का प्रबंध किस सन् में किया था ?

जैन विरासत से

651. वे कौन थे जिन्होंने जैन विरासत को सबसे पहिले लघु पुस्तिका के रूप में जन जन तक पहुंचाने की कल्पना की थी ?
 652. वे कौन थे जिन्होंने कहा था कि सत्य अहिंसा ऐसी मिसाइल है जिससे पूरी दुनिया में शांति स्थापित की जा सकती है ?
 653. वे कौन थे जिन्होंने बांये हाथ से अंकों का और दांये हाथ से लिपि का ज्ञान कराया ?
 654. वे कौन थे जिनका लिखवाया शिलालेख विश्व का प्राचीनतम शिलालेख है ?
 655. भगवान महावीर स्वामी के 26वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर नेपाल सरकार द्वारा कितने रूपये का चांदी का सिक्का निकाला गया ?
 656. वे कौन प्रसिद्ध शिक्षाविद् अध्यापक थे जिनके सम्मान में भारत सरकार ने डाक टिकिट जारी किया था ?
 657. वे कौन से सुप्रसिद्ध दिगम्बर उद्योगपति थे जिनके सम्मान में भारत सरकार ने डाकटिकिट जारी किया था ?
 658. वे कौन से दिगम्बर आचार्य है जिनके शिष्य आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज है जिनके सम्मान में भारत सरकार ने डाकटिकिट जारी किया गया था ?
 659. वे कौन थे जिनके नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष रखा गया ?
 660. वे कौन से दिगम्बर आचार्य है जिनके शिष्य आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज थे जिनके सम्मान में भारत सरकार ने डाकटिकिट जारी किया गया था ?
 661. जैन जीवन पद्धति के तीन प्रमुख कौन से बिंदु है ?
 662. मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में मिली नग्नमूर्तियाँ किसकी मानी गयी है ?
 663. वे कौन थी जिन्हें सर्वप्रथम लिपि का ज्ञान कराया गया था ?
 664. भगवान महावीर के 2500वें निर्वाण महोत्सव (13 नवम्बर 1974) पर भारत सरकार ने कौन सा डाक टिकिट जारी किया था ?

665. भगवान महावीर के 2600 वें जन्म कल्याण महोत्सव पर भारत सरकार (6 अप्रैल 2001) ने कौन सा डाक टिकिट जारी किया था ?
666. भगवान गोमटेश बाहुबली पर कब डाक टिकिट जारी हुआ था ?
667. 20 दिसम्बर 1994 में बड़ौदा संग्रहालय की 100वीं वर्षगांठ पर संग्रहालय की कौन सी मूर्ति का डाक टिकिट जारी किया गया था ?
668. वे कौन से विश्वविख्यात प्राकृत एवं जैन आगम के विद्वान थे जिन पर भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट जारी किया गया था ?
669. वे कौन प्रसिद्ध जैन सम्राट थे जिनके नाम पर भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट जारी किया गया था ?
670. वे कौन दानवीर थे जिनके नाम से भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट जारी किया गया था ?
671. वे कौन सुप्रसिद्ध जैन अन्वेषक थे जिनके सम्मान में भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट जारी किया गया था ?
672. 6 मार्च 1999 खजुराहो सहस्राब्दी महोत्सव पर भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट जारी किया गया था ? कौन सा डाक टिकिट जारी किया गया ?
673. 10 जनवरी 1973 विश्व हिन्दी सम्मेलन में भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट जारी किया गया था ?
674. वे कौन थी जिन्होंने सर्वप्रथम अंक विद्या सीखी ?
675. विश्व का अत्यन्त प्राचीन शिलालेख कहाँ पर है ?
676. एक विशाल पत्थर से निर्मित सबसे बड़ी पदमासन प्रतिमा कहाँ पर है ?
677. जैन दर्शन में भावों का थर्मामीटर किसे कहाँ गया है ?
678. वह कौन सी विशाल मूर्ति है जिसका निर्माण एक शिलाखण्ड में हुआ ?
679. वह कौन सा पर्व है जो परस्पर मैत्री भाव का संदेश देता है ?
680. दिगम्बर जैन साधु के आवश्यक उपकरण कौन से हैं ?
681. गणतंत्र दिवस परेड सन् 2005 में राजपथ पर कौन से भगवान का स्टेच्यु झांकी के रूप में निकाला था ?
682. भगवान महावीर स्वामी के 26वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर सरकार द्वारा कितने रुपये का चलन सिक्का निकाला गया था ?
683. वह कौन सी जगह है जहाँ एक ही स्थान पर सर्वाधिक शिलालेख है ?
684. जैन दर्शन के मूल सिद्धांत क्या है ?
685. जैन दर्शन में समतापूर्व मरण क्या कहलाता है ?
686. मानव समाज को सहिष्णुता के सूत्र में बांधने वाला सहजता से विवादों को निपटारा करने वाला कौन सा जैन सिद्धांत है ?

687. वे कौन थी जिन्हें प्रथम जैन स्वतंत्रता सेनानी शहीद माना गया है ?
688. वह कौन सी रचना जिसकी करोड़ों प्रतियां छप चुकी हैं, इसे म.प्र सरकार की हिन्दी पुस्तक पाठ्यक्रम में शामिल किया गया ?
689. सबसे पहला अहिंसक युद्ध किसके बीच हुआ था ?
690. वे कौन जैन आध्यात्मिक पुरुष थे जिनसे गांधी जी प्रभावित थे ?
691. वह कौन सा स्थान है जहाँ अयोध्या की स्वर्णमयी रचना है ?
692. दुर्लभ होती मुनि परम्परा के संवाहक कौन बने ?
693. भगवान महावीर स्वामी के 26वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर सन् 2001 में सरकार द्वारा कितने रुपये का स्मारक सिक्का निकाला गया था ?
694. वे कौन थी जो दान चिंतामणि नाम से प्रसिद्ध है ?
695. महात्मा गांधी जैन धर्म के किन प्रमुख सिद्धांतों से प्रभावित थे ?
696. वह कौन सा स्थान है जहाँ सबसे पहिले परिंदों का अस्पताल बनाया गया ?
697. वह कौन सा स्थान है जहाँ जैन भूगोल की अनुपम रचना की गयी ?
698. जैन प्रतीक का आधार वाक्य परस्परपंथों जीवानाम् किस ग्रंथ से लिया गया है ?
699. जैन जयस्तम्भ कहाँ पर है ?
700. वह कौन सा जैन मंदिर है जो लगभग 48 हजार वर्गफिट क्षेत्र में 1444 स्तंभ, 44 मोड़, 24 मंडप, 54 देव, कलाकारी होने पर भी किसी और से मूलनायक के दर्शन में बाधा नहीं आती है ?

मेरी जीवन गाथा भाग-1

701. पूज्य गणेश प्रसाद वर्णी का जन्म कब हुआ था ?
702. पूज्य वर्णी का जन्म कहाँ हुआ था ?
703. पूज्य वर्णी जी की जाति कौन सी थी ?
704. वर्णी जी के माता पिता का का क्या नाम था ?
705. वर्णी जी ने अपनी लौकिक शिक्षा कहाँ पर की थी ?
706. वर्णी जी की लौकिक शिक्षा कहाँ तक थी ?
707. वर्णी जी के माता-पिता का आचरण कैसा था ?
708. वर्णी जी को स्वाध्याय की रुचि कैसे हुई ?
709. पूज्य वर्णी जी ने रात्रि भोजन का त्याग कब किया ?
710. वर्णी जी के पिता को किस मंत्र पर श्रद्धा थी ?
711. जैन धर्म पालने पर उनके घर में किसको अच्छा नहीं लगा ?

712. पूज्यवर्णी जी अपने चचेरे भाई की शादी में गये लेकिन भोजन क्यों नहीं किया ?
 713. धर्म का स्वरूप आगम अभ्यास से ही संभव है यह किसे कहा था ?
 714. वर्णी जी को चिरौजाबाई के सम्पर्क में कौन लाया था ?
 715. वर्णी जी को देखकर चिरौजा बाई के मन में कैसे भाव हुये ?
 716. चिरौजा बाई पूज्य वर्णी जी के कौन से गुण के कारण अत्यधिक प्रभावित थी ?
 717. चिरौजा बाई ने कौन सा मंत्र पढ़कर प्राणों का विसर्जन किया ?
 718. पूज्य वर्णी जी ने जयपुर जाने का विचार क्यों किया था ?
 719. जयपुर जाकर अध्ययन करूंगा यह विचार वर्षों के लिये क्यों टल गया ?
 720. चिरौजा बाई कहा रहती थी ?
 721. चिरौजा बाई जी कितनी वर्ष की उम्र में विधवा हो गई थी ?
 722. विधवा होने पर बाई जी को कितना दुःख हुआ ?
 723. बाई जी को पति के इतने अधिक दुःख का कारण क्या था ?
 724. चिरौजा बाई की यह ममत्व वृद्धि कैसे दूर हो गई थी ?
 725. पूज्य वर्णी जी ने बुधजन रचित छहढाला किससे आदेशानुसार कंठस्थ की थी ?
 726. टीकमगढ़ में जिनधर्म के मार्मिक ज्ञाता विद्वान कौन थे ?
 727. वो कौन थे जिनके वचनों से वर्णी जी को दुःख हुआ और प्रतिज्ञा ली कि मैं किसी भी तरह से हो ज्ञान प्राप्त करूंगा ?
 728. वमराना में कौन से सज्जन थे जिनके यहां 50 से कम जैनी भोजन नहीं करते थे ?
 729. पूज्य वर्णी जी ने कातंत्र व्याकरण की शिक्षा किससे ली थी ?
 730. रत्नकरण्डक श्रावकाचार वर्णी जी को किसने पढ़ाया था ?
 731. पूज्य वर्णी जी परिचय पं. गोपालदास वरैया से कैसे हुआ ?
 732. परीक्षा फल देखकर वर्णी जी का किसने कहा कि हम तुम्हें 10 रुपये महीने बराबर देंगे ?
 733. चिरकाल की प्रतीक्षा के बाद जयपुर पहुंचे वहां उनकी मैत्री किससे हुई ?
 734. जयपुर में कितने महीने रहकर वर्णी जी ने कातंत्र व्याकरण का अभ्यास किया ?
 735. जयपुर में कौन से पंडित जी थे जिनके एक बार शास्त्र श्रवण करने से स्वाध्याय की रुचि हो जाती थी ?
 736. शुभध्यान की मुद्रा तो इससे उत्तम संसार में नहीं हो सकती ऐसा किसने किसको देखकर कहा था ?
 737. पूज्य वर्णी जी ने न्याय दीपिका का अध्ययन किससे किया ?
 738. गोपालदास वरैया जी के द्वारा किये गये महान कार्य कौन सा है ?
 739. गोपालदास वरैया रचित दो ग्रंथ कौन से हैं ?

740. पूज्य वर्णी जी को विद्यालय की स्थापना के लिये 1 रुपये का दान किसने किया था ?
 741. श्रीमान सरसेठ हुकुमचंद जी साहब के प्रमुख विद्वान कौन थे ?
 742. पूज्य वर्णी जी ने समयसार को पढ़ने की शिक्षा किसको दी ?
 743. सत्तर्क सुधा तरंगिणी को चमेली चोक में विशाल भवन किसकी कृपा से मिला था ?
 744. मोरा जी की जगह लेने की प्रेरणा वर्णी जी को किसने दी थी ?
 745. दान का द्रव्य व्यर्थ नहीं जाता हमने इसे अपने जीवन में अनुभव करके देखा यह वाक्य किसने कहा ?
 746. पूज्य वर्णी जी ने हीरे की अगूंठी किसको दी और क्यों दी ?
 747. पूज्य वर्णी जी सप्तम प्रतिमा के व्रत किससे और कहा ग्रहण किये ?
 748. वर्णी जी चिरौजा बाई का सबसे ज्यादा उपकार किसे मानते थे ?
 749. चिरौजा बाई जी दूसरी प्रतिमा के व्रत कहां पर ग्रहण किये ?
 750. श्री गणेशप्रसाद जी वर्णी को कौन सी वस्तु अच्छी लगती थी ?

जैन न्याय

751. प्रमाण परीक्षा के रचयिता कौन हैं ?
 752. सत्यशासन परीक्षा के रचयिता कौन हैं ?
 753. आप्त परीक्षा के रचयिता कौन हैं ?
 754. युक्तयनुशासन के रचयिता कौन हैं ?
 755. आप्त मीमांसा के रचयिता कौन हैं ?
 756. पत्र परीक्षा के रचयिता कौन हैं ?
 757. परीक्षामुख के रचयिता कौन हैं ?
 758. न्याय दीपिका के रचयिता कौन हैं ?
 759. स्वयंभू स्तोत्र के रचयिता कौन हैं ?
 760. युक्तयनुशासन अलंकार टीका के रचयिता कौन हैं ?
 761. राजवार्तिक का अपर नाम क्या है ?
 762. आप्तमीमांसा का अपर नाम क्या है ?
 763. अष्ट सहस्री ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?
 764. न्याय विनिश्चय के रचयिता कौन हैं ?
 765. सिद्धि विनिश्चय विवरण के रचयिता कौन हैं ?
 766. सिद्धि विनिश्चय के रचयिता कौन हैं ?
 767. न्याय विनिश्चय विवरण के रचयिता कौन हैं ?

768. स्वरूप संबोधन के रचयिता कौन है ?
769. पात्रकेसरी स्तोत्र के रचयिता कौन है ?
770. तत्त्वार्थसूत्र का वह कौन सा सूत्र है जो जैन न्याय का बीज माना जाता है ?
771. तत्त्वार्थसूत्र के मंगलाचरण में किसकी परिभाषा निश्चित होती है ?
772. श्लोकवार्तिक के रचयिता कौन है ?
773. तत्त्वार्थसूत्र में 5 ज्ञान को क्या कहा गया है ?
774. तत्त्वार्थसूत्र में प्रमाण के कितने भेद कहे गये हैं ?
775. वह कौन शब्द है जो जैन न्याय का लक्षण निर्धारित करता है ?
776. न्याय का पर्यायवाची क्या है ?
777. चिन्ता का पर्यायवाची शब्द क्या है ?
778. तत्त्वार्थसूत्र के प्रथम अध्याय के 23वें सूत्र में संज्ञा का पर्यायवाची शब्द क्या है ?
779. अभिनिबोध शब्द का पर्यायवाची क्या है ?
780. प्रमाण संग्रह ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
781. प्रमाण निर्णय ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
782. लघीयस्त्रीय ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
783. आलाप पद्धति ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
784. स्याद्वाद मंजरी ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
785. सन्मति तर्क सूत्र ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
786. न्यायावतार ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
787. प्रमेय रत्न माला ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
788. प्रमेय कमल मार्तण्ड ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
789. प्रमेय रत्नाकर ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
790. प्रमाण प्रमेय कलिका ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
791. अष्टशती ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
792. प्रमाण मीमांसा ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
793. प्रमेय रत्नाकर ग्रंथ के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
794. आप्तमीमांसा में कुल कितनी कारिकाएँ हैं ?
795. आप्त परीक्षा में कुल कितनी श्लोक हैं ?
796. युक्त्यनुशासन ग्रंथ में कुल कितने काव्य हैं ?
797. प्रवचनसार के रचयिता कौन से आचार्य हैं ?
798. जैन न्याय के लेखक कौन से विद्वान हैं ?
799. दिग्दर्शन जैन न्याय दर्शन के लेखक कौन हैं ?
800. न्याय का विद्वान् संकट में क्या नहीं होता ?

विशाल स्वरूप विद्यासागर तथा संस्कार सागर जनवरी 2019 से

801. सर्वाधिक दीक्षा प्रदाता आचार्य श्री विद्यासागरजी नामक लेख किसने लिखा ?
802. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज अभी तक कुल कितने साधकों को दीक्षा दे चुके हैं ?
803. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज जी से दीक्षित कुल कितनी मुनि दीक्षाएँ दी ?
804. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज जी से दीक्षित कुल कितनी आर्थिकायें दीक्षाएँ दी ?
805. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज जी से दीक्षित कुल कितनी एलक दीक्षाएँ दी ?
806. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज जी से दीक्षित कुल कितनी क्षुल्लक दीक्षाएँ दी ?
807. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज जी से दीक्षित कुल कितनी क्षुल्लिकायें दीक्षाएँ दी ?
808. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने सर्वप्रथम मुनि दीक्षा कहाँ दी थी ?
809. ऐसे मुनिराज का नाम बताइये जिन्होंने दीक्षा के दिन ही पड़गाहन करके घर पर आहार दिये आचार्य श्री को छोड़ने आये उसी दिन दीक्षा हो गई ?
810. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने सबसे पहले एलक दीक्षा कब कहाँ और किसे दी थी ?

संस्कार सागर जून 2017 से

811. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज का पूर्व नाम क्या था ?
812. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज जी कौनसी शताब्दी के आचार्य हुये ?
813. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी की आचार्य परम्परा के नाम बताइये ?
814. पण्डित भूरामल जी का दीक्षा के बाद क्या नाम रखा गया ?
815. आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज जी के संस्कृत महाकाव्य के नाम बताइये ?
816. संस्कृत महाकाव्यों की तुलना किन कवि के साहित्य से की गई ?
817. पण्डित भूरामल की दीक्षा कौन से सन् में हुई थी ?
818. पण्डित भूरामल जी ने दीक्षा किन गुरु से ली थी ?
819. आचार्य श्री शिवसागरजी के प्रथम शिष्य का नाम बताओं ?
820. पण्डित भूरामल जी ने शास्त्री परीक्षा कहाँ से की थी ?
821. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी ने साधु के आचरण का दिशा निर्देश संस्कृत की कौनसी कृति में किया ?
822. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी ने प्रथम तीर्थंकरों के ऊपर कौनसी कृति लिखी थी ?
823. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी ने रत्नरण्डक श्रावकाचार चार का अनुवाद किस ग्रंथ में किया ?
824. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी ने जीव विज्ञान के तथ्यों की रचना किस पुस्तक में की ?
825. बालक विद्याधर का जन्म कब और कहाँ किस प्रांत में हुआ था ?

826. मुनिश्री समयसागर जी महाराज और योगसार जी महाराज जी के ग्रहस्थ अवस्था में नाम बताओं ?
827. बालक विद्याधर की बहनों के नाम क्या है ?
828. माँ के मधानी चलाते वक्त विद्याधर की दृष्टि कहां रहती थी ?
829. अपने किये गये निश्चय में कभी पीछे नहीं हटना यह बात कब कही विद्याधर जी ने ?
830. बालक विद्याधर दोनों हाथ छोड़कर क्या चलाते थे ?
831. गुरु के दर्शन मिलना, उनकी वाणी सुनना व समीपता प्राप्त करना किसके सूचक है ?
832. जीवनशक्ति का प्राण क्या है ?
833. महावीर स्वामी का अहिंसा सूत्र क्या है ?
834. भारतीय संस्कृति की प्रधान एवं आदर्शमयी संस्कृति कौन सी है ?
835. निर्दोष साधना के द्वारा अप्रभावना से बचते रहना ही सच्ची प्रभावना है, यह बोध वाक्य किसने कहा ?
836. जैन धर्म के प्राण क्या है और प्राण को कौन धारण करे है ?
837. मूकमाटी की तुलना जयशंकर प्रसाद की किस रचना से की है ?

संस्कार सागर सितम्बर 2019 विशेषांक से

838. आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज जी ने आकुलता का कारण क्या बताया ?
839. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने अपने प्रवचनों में बताया कार्यकारी क्या नहीं है ?
840. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने बताया आत्मा का गुण कौन सा है ?
841. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने विनय का अर्थ क्या बताया ?
842. आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज जी ने अपने प्रवचनों में बताया विनयगुण कैसा है ?
843. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने बताया दुसरे के लिये कब तक खतरा है ?
844. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने यह बताया की हमारा कल्याण कब है ?
845. अहिंसा का पालन कब होगा ?
846. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने अपने प्रवचनों में यह बताया अंधविश्वास किसमें बाधक है ?
847. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने अपव्यय की परिभाषा क्या बताई ?
848. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने बताया अपव्यय कब नहीं होगा ?
849. हम आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज जी के दर्शनार्थ जाते है तो संघ के कक्षों के बाहर क्या लिखा रहता ?
850. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने बताया अपने प्रवचनों में विश्वशांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका किसकी है ?
851. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी ने वेशभूषा धारण करने का प्रयोजन बतलाते है ?

852. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी शिष्यों को और समाज को कौनसी प्रेरणा देते है ?
853. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी की प्रेरणा से प्रशासनिक प्रशिक्षक केन्द्र की स्थापना कहाँ हुई ?
854. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी कैसा जीवन जीते है ?
855. आचार्य श्री श्री विद्यासागर महाराज जी प्रवचनों में हमेशा क्या कहते है ?
856. आचार्य श्री श्री विद्यासागर महाराज जी ने क्या बनाने की प्रेरणा दी है ?
857. आचार्य श्री श्री विद्यासागर महाराज जी ने अपने प्रवचनों में गोधाम बनाने की जीक्र क्यों करते है ?
858. आचार्य श्री श्री विद्यासागर महाराज जी प्रेरणा और आशीर्वाद से भारत में कितनी गौशाला है ?
859. श्रमण संस्कृति के कीर्ति कलश कौन है ?
860. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने आगम ग्रन्थों की विलुप्त परम्परा को क्या दिया ?
861. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने सागर में किस ग्रन्थ वाचना की अनुमति दी ?
862. आचार्य विद्यासागर महाराज जी ने विभिन्न ग्रन्थों को कैसे समझाते है ?
863. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने षट्खण्डागम ग्रंथ को क्या कहा ?
864. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने वर्णी के बारे में क्या कहा ?
865. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने वर्णी शब्द का अर्थ क्या बतलाया ?
866. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने किसकी खबर लेने को कहा है ?
867. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने वर्णी जैसा बनने को किसको कहा हैं ?
868. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने प्रवचन के अंत में क्या कहा ?
869. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने किसको पिता तुल्य कहा हैं ?
870. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी पर किसका प्रभाव परिलक्षित होता है ?
871. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने समयसार किसे कहा है ?
872. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने तास का क्या महत्व बतलाया ?
873. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने धीरे धीरे क्या कम करने कहा ?
874. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कहाँ झाँकने को कहा ?
875. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने अपने प्रवचनों में क्या कहाँ अपने भीतर झाँकने से किसके दर्शन होंगे ?
876. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी शुद्धात्मा के दर्शन के लिये कौन सा उदाहरण दिया ?
877. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने समय की व्याख्या क्या बताई ?
878. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने स्वयंसेवकों का अर्थ क्या बतलाया ?
879. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने यह बताया कि जीव किससे बंधता है ?
880. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज जी ने यह बताया जीव किससे मुक्त होता है ?

881. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने बताया क्रिया कैसी करना चाहिये ?
882. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज जी ने बताया यह जीव आत्मा की उपासना को करना क्यों भूला ?
883. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कौनसा संकल्प लेने को कहा ?
884. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने किस पर दृष्टिपात करने को कहा ?
885. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने जीव रूपी लोह तत्व को कौन सी औषधी कहा है ?
886. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने जीव रूपी लोह तत्व स्वर्णमयी कब होता है ?
887. आचार्य श्री ने अपनी नीतिवाक्य का क्या अर्थ बनाया ?
888. आचार्य श्री ने मानव जीवन सरल है पर मनुष्य क्या ?
889. संत की वाणी में क्या बोलती है ?
890. गुरु की महिमा आपत्तियों में क्या करती है ?
891. गुरु वचन किसमें उपकरण माने गये है ?
892. गुरु के प्रसिद्ध पद चिन्ह हमारे लिये क्या काम करते ?
893. हमारे गुरु कैसे होते है ?
894. सच्चा शिष्य कैसी अनुभूति करता है ?
895. हमें गुरु चरणों में क्या चढ़ाना है ?
896. हमारा कल्याण कब होता है ?
897. आचार्य श्री का जीवन कैसा है ?
898. आचार्य श्री वाणी में क्या है ?
899. आचार्य श्री के वाणी में क्या है ?
900. आचार्य श्री कैसी बात करते है ?

संस्कार सागर विशेषांक अगस्त 2020 से

901. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी शिष्यों के साथ हो रहा है ?
902. आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
903. आचार्य श्री उदारसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
904. आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
905. आचार्य श्री भारतभूषण जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
906. आचार्य श्री चंद्रसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?

907. आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
908. आचार्य श्री देवसेन जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
909. आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
910. आचार्य श्री धर्मसेन जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
911. आचार्य श्री धर्मानंद जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
912. आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
913. आचार्य श्री त्रिलोकभूषण जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
914. आचार्य श्री मेरूभूषण जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
915. आचार्य श्री पारससागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
916. आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
917. आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
918. आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
919. आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
920. आचार्य श्री इंद्रनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
921. आचार्य श्री जयसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
922. आचार्य श्री नवीनसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
923. आचार्य श्री कुमुदनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहाँ एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?

- [illegible]

- [illegible]



हास्य तरंग

1. ऑपरेशन के लिये बेहोशी का इंजेक्शन लगाने से पहिले डॉक्टर महिला से पूछते हैं। आपकी उम्र 28 वर्ष, डॉक्टर आप अपनी सही उम्र बता रही हैं क्योंकि उसके हिसाब से बेहोशी की दवा की मात्रा तय की जाती है, महिला 35 वर्ष, डॉक्टर समझ लो दवाई की कम या ज्यादा मात्रा से ऑपरेशन के दौरान होश में आ जाता है या कोमा में चला जाता है एवं कभी कभी किडनी फैल हो जाती है महिला चीखते हुये 50 वर्ष और भले ही ऑपरेशन थ्रेटर से मेरी लाश ही क्यों न जायें।
2. ऊँचे पद पर कार्यरत अधिकारी को अनपढ़ पत्नी मिलने से उन्हें कई स्थानों पर लज्जित होना पड़ता था। उन्होंने पत्नी को सिखाया कि मुझे हसबेन्ड और तुम्हें बाईफ कहते हैं जब भी मेरे साथ पार्टी में चलो तो इस प्रकार से परिचय देना। दोनों पार्टी में गये तो पत्नी ने हाथ बटाते हुये परिचय दिया ये मेर हेन्डपम्प और मैं इनकी पाइप हूँ।
3. सेटी जी पहली बार हवाई जहाज से यात्रा कर रहे थे। एयरपोर्ट पहुँचने में दो घंटे लग गये थे। हवाई जहाज रनवे पर दौड़ रहा था। सेटी जी गुस्से से चिल्लाये पहिले से ही देर हो रही है और जहाज को अब बाय रोड जे जा रहे हो।
4. टीचर-बच्चों से पूछती है अक्ल बड़ी या भैंस बड़ी होती है। छात्र-टीचर जी दोनों की जन्मतिथि तो बताइये न।
5. पति-चिल्लाते हुये आज फिर बैंगन की सब्जी, जानती हो ज्यादा बैंगन खाने से व्यक्ति अगले जन्म में गंधा बनता है। पत्नी यह बात तो तुम्हें पिछले जन्म में सोचना चाहिये था।
6. फांसी को सजा के पूर्व, उनकी अंतिम इच्छा पूछी गई तो उसने कहा फांसी देते समय मुझे उल्टा कर दो।

संकलन: जिनेन्द्र कुमार जैन, गौरीनगर

संस्कार खेल

शरीर विकास के कुछ खेल

* पोस्टमेन

खिलाड़ियों की संख्या- 15-20

खेल वर्ग- बैठे का खेल

खेल विधि-सब स्वयंसेवक एक-एक

शहर का नाम शिखर जी, नैनागिरजी, पावापुरजी...आदि बतायेंगे। शिक्षक किसी खिलाड़ी (अ) को कोई वस्तु पत्थर, रूमाल देगा तथा उसे निर्धारित डाकघर उदा. चम्पापुर पर पहुँचाने को कहेगा (अ) अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर चम्पापुर बोलने वाले के पास जाकर खड़ा होगा। यदि अ ठीक है तो वह डाक ले लेगा। अन्यथा (अ) की पीठ पर एक मुक्का लगाकर उसे आगे भेज देगा। (अ) जब ठीक व्यक्ति को डाक दे देगा तो वह शिक्षक के निर्देश पर उसे अगले स्थान तक पहुँचायेगा।

* फुग्गा वाले बाबा

खिलाड़ियों की संख्या- 10-15

खेल वर्ग- बैठे का खेल

खेल विधि- मंडल में सब खिलाड़ी बैठे

रहेंगे। शिक्षक एक को फुग्गा वाला बाबा बनायेगा। जो फुग्गा वाला बाबा होगा। वह अपना रूप फुलायेगा। दूसरा खिलाड़ी उसके गाल पर चपत मारकर फुग्गा फोड़ने की कोशिश करेगा। यदि वह सफल हो जाता है और बाबा के दाँत दिख जाते हैं तो दूसरा खिलाड़ी सफल हो जायेगा।

* मुर्गा युद्ध

खिलाड़ियों की संख्या- 15-20

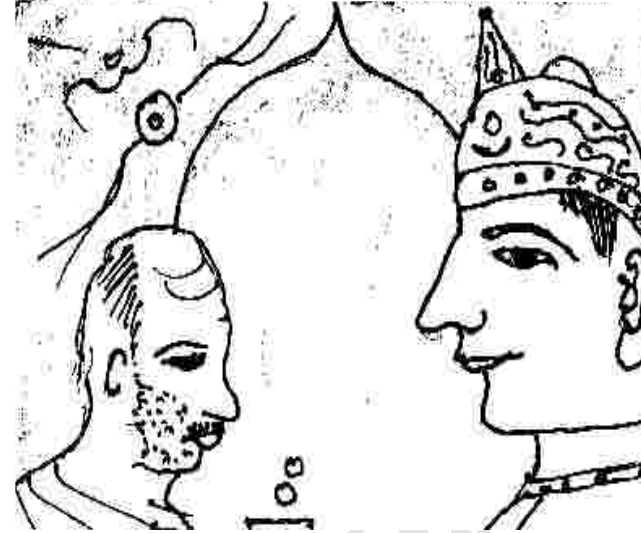
खेल वर्ग- बैठे का खेल

खेल विधि- स्वयंसेवक दोनों हाथों से

अपना कोई एक पैर पीछे की ओर पकड़ेंगे। इसी अवस्था में एक दूसरे को टक्कर मार कर मंडल से बाहर निकालेंगे।

बाल कहानी

अद्भुत भिखारी



महाराजा शीलभद्र दान करने में बहुत प्रसिद्ध थे कौशम्बी नगरी में वे राज्य करते थे उनके पास कोई भी दान लेते आता था तो वह खाली हाथ नहीं लाँट पाता था शीलभद्र जहाँ अपनी वीरता के लिये प्रसिद्ध थे वही शीलभद्र की दानशीलता भी कम नहीं थी प्रतापी राजा के

साथ-साथ दानवीर होना एक अपने आप में संयोग था शीलभद्र एक दिन अपने सिंहासन पर बैठ कि राज दरबारीयों ने खबर दी कि आज कोई दान लेने नहीं आया तब शीलभद्र के चेहरे पर चिंता की रेखा झलक गई और उसने कहा कि आज अगर मैं दान नहीं कर पाया तो भोजन कैसे करूँगा जब वे इस चिंता में डूबे हुये थे तभी समाचार आया कि एक भिखारी द्वार पर खड़ा है राजा ने कहा इसका कटोरा सोने के सिक्के से भर दो भण्डारी ने राज आज्ञा का पालन करना शुरू कर दिया।

भिखारी ने अपना कटोरा सामने बढ़ाया और भण्डारी ने सोने के सिक्के कटोरे में डाले लेकिन कटोरा भरा नहीं यह देखकर भण्डारी आश्चर्य में पड़ गया किन्तु राज आज्ञा थी इसलिये कटोरा तो भरना ही था परन्तु खजाने में सोने के जितने सिक्के थे वे सभी कटोरे में डाल दिये गये परन्तु कटोरा ऐसा जादू का था कि वह खाली का खाली रहा जब शीलभद्र को यह पता लगा कि सारे सिक्के डालने के बाद भी कटोरा भर नहीं रहा है। तब शीलभद्र ने हाथ जोड़कर भिखारी से कहा कि आज पहला ऐसा दिन जब हम किसी का पात्र पूरा नहीं भर पा रहे है तब भिखारी ने अपना देव रूप बनाते हुये कहा महाराज दान में कर्तव्य की भावना होना चाहिये कर्तापन का अहंकार नहीं होना चाहिये और भिखारी अंतरधान हो गया।

संस्कार गीत

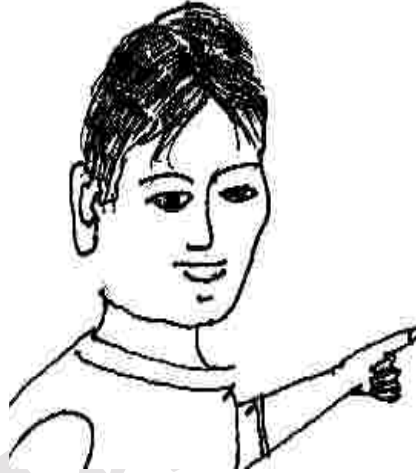
भारत स्वच्छ बनायें



उठो युवा साथी सब मिलकर
भारत स्वच्छ बनायें
बीमारी सब बाहर करने कचरा रोज हटायें
1.
राम नाम की साक्षी लेकर झाड़ू कर में थामे
गली मोहल्ला स्वच्छ करें सब
गीत प्रभु के गाये
बीमारी में धन न लुटाये गौरव उच्च बनायें
2.
गांधी मोदी का आह्वान सबके हित में भैया
धर्म अहिंसा मन में धारो
बचालो अपनी गईया
दया धर्म से मन मंदिर को अपना नेक बनायें
3.
आपस से हम प्रेम बढ़ाये निश्छल चित्त बनायें
अंतर बाहर से निर्भय बन अपना फर्ज निभायें
विश्व गुरु भारत बन जाये सब मिल हाथ बढ़ायें

बाल कविता

चेनू



जिंदी एक था लड़ा चेनू
उसका दोस्त था सज्जन सोनू
दोनों साथ साथ में पढ़ते
चेनू उधम बहुत ही करते
रोज शिक्षक की खाते मार
कुछ भी लाते नहीं सुधार
सोनू भैया कभी न पिटता
चेनू उससे ईर्ष्या करता
पढ़ना लिखता जो न भैय्या
उसकी डूब जायेगी नैय्या
चेनू बोला हम सुधरेंगे
पढ़ लिखकर हम योग्य बनेंगे
मात पिता की मानूँ बात
जिससे हो अच्छी शुरुआत।

अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा माह : अप्रैल 2020

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये

01. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी शिष्यों के साथ हो रहा है ?
02. आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
03. आचार्य श्री उदारसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
04. आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
05. आचार्य श्री भारतभूषण जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
06. आचार्य श्री चंद्रसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
07. आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
08. आचार्य श्री देवसेन जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
09. आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
10. आचार्य श्री धर्मसेन जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
11. आचार्य श्री धर्मानंद जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
12. आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
13. आचार्य श्री त्रिलोकभूषण जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
14. आचार्य श्री मेरुभूषण जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
15. आचार्य श्री पारससागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
16. आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
17. आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
18. आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
19. आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
20. आचार्य श्री इंद्रनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
21. आचार्य श्री जयसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
22. आचार्य श्री नवीनसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
23. आचार्य श्री कुमुदनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
24. आचार्य श्री कनकनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
25. आचार्य श्री कुशाग्रनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?

26. आचार्य श्री निर्मलसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
27. आचार्य श्री प्रसन्नत्रय जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
28. आचार्य श्री पद्मनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
29. आचार्य श्री पुष्पदंतसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
30. आचार्य श्री रयणसागर जी महाराज का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
31. आर्यिका श्री ऋजुमति माताजी सहित श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में कितनी माताजी का चातुर्मास कहां हो रहा है ?
32. आर्यिका श्री अनंतमति माताजी का सहित श्री बण्डा नगर में कितनी माताजी का चातुर्मास कहां हो रहा है ?
33. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित शिष्यों का कितने प्रांतों में चातुर्मास हो रहा है ?
34. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित कितने मुनिराजों का चातुर्मास हो रहा है ?
35. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित कितनी आर्यिकाओं माताजी का चातुर्मास हो रहा है ?
36. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक आचार्यश्री सुनिलसागर महाराज जी ने कितनी दीक्षाएँ दी ?
37. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक आचार्यश्री आर्जवसागर महाराज जी ने कितनी दीक्षाएँ दी ?
38. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक आचार्यश्री सौभाग्यसागर महाराज जी दिल्ली ने कितनी दीक्षाएँ दी ?
39. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक आचार्यश्री पुष्पदंतसागर महाराज जी ने कितनी दीक्षाएँ दी ?
40. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक गणिनी आर्यिका शुभमति माताजी ने कितनी दीक्षाएँ दी ?
41. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक आचार्यश्री पुष्पदंतसागर महाराज जी ने कितने आचार्य बनाये ?
42. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक कितने आचार्य बने ?
43. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक कितनी दीक्षाएँ दी गई ?
44. 15 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2020 तक कितनी समाधियां हुई ?
45. मुनिश्री संभवसागर महाराज जी का चातुर्मास कहां और कितने साधुओं के साथ हो रहा है ?
46. मुनि श्री संस्कारसागर जी महाराज गुरु आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज जी का चातुर्मास कहां एवं कितने पिच्छिधारी साधुओं के साथ हो रहा है ?
47. मुनिश्री विद्यासागर जी महाराज चातुर्मास कहां और कितने साधुओं के साथ हो रहा है ?
48. गणिनी आर्यिका ज्ञानमति माताजी का चातुर्मास कहां और कितने साधुओं के साथ हो रहा है ?
49. गणिनी आर्यिका विशुद्धमति माताजी का चातुर्मास कहां और कितने साधुओं के साथ हो रहा है ?
50. वर्तमान में कुल कितने साधुओं का चातुर्मास हो रहा है ?

50 प्रश्न संस्कार सागर अगस्त 2020 चातुर्मास विशेषांक से लिये गये हैं।

अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा: अप्रैल 2020

प्रश्न पत्र भरकर भेजने की अंतिम तिथि माह की 25 तारीख रहेगी

नाम स्थान

उम्र सदस्यता क्र.

पूर्ण पता

पिन कोड फोन नं. (एस.टी.डी.)

1	2	3	4	5
6	7	8	9	10
11	12	13	14	15
16	17	18	19	20
21	22	23	24	25
26	27	28	29	30
31	32	33	34	35
36	37	38	39	40
41	42	43	44	45
46	47	48	49	50

आपके नगर के संवाददाता का नाम हस्ताक्षर
नियम :- जब तक दूसरा प्रश्न-पत्र भरकर नहीं भेजे तब तक के लिए।

वर्ग पहेली 252

1	2	3		4	5		6	7
8				9			10	
11					12			
				13	14			15
16		17				18		
		19			20			
21	22							24
25			26	27			28	
		29				30		

ऊपर से नीचे

- | | | |
|-----|---|----|
| 1. | मेल तालमेल सत्संग, साथ रहना | -3 |
| 2. | भवन निलय | -2 |
| 3. | तुण घास | -3 |
| 4. | रखने का भाव | -2 |
| 5. | एक ऐसा पत्थर जिससे लौहा घिसकर आग निकलती है। | -4 |
| 6. | ताज्जुब आश्चर्य | -3 |
| 7. | लीन होने का भाव | -2 |
| 14. | क्षणिक प्रकाश ज्योति | -3 |
| 15. | स्वर्ग, नासिका, | -2 |
| 17. | दोजख, श्वभ्र | -3 |
| 20. | पूजा करने वाला | -3 |
| 22. | मेरा | -2 |
| 23. | जैन शास्त्र जिनवाणी | -3 |
| 24. | उर्दू का गीत | -3 |
| 26. | आनंद, सुकून | -2 |
| 27. | किनारा तट | -2 |

बाये से दाये

1. भगवान महावीर का एक नाम -3
4. बनाने वाला रचना करने वाला सृजक -5
8. गम्भीर, गहरा -3
9. राख, मिट्टी -2
10. पराजय, हार -2
11. उन्नति शील, उन्नत -3
12. अफसोस, अपने दुष्कृत्य पर घ्रणा -3
13. लोच, झोल -3
16. घर्मंड, स्वाभिमान -3
18. सोना, स्वर्ण, धतूरा गीला आटा -3
19. राजस्थान का कला पूर्ण श्वेताम्बर जैनतीर्थ-5
21. एक शब्दालंकार जिसमें एक शब्द के कई अर्थ निकलते हैं -3
23. अग्नि ज्वाला -2
25. अंधकार, अंधेरा -2
26. पान में डालने वाला गोल फल -3
28. हाथी -2
29. तेज, उग्र -3
30. मान रहित, निर्मल, स्वच्छ -3

वर्ग पहेली 251 का हल

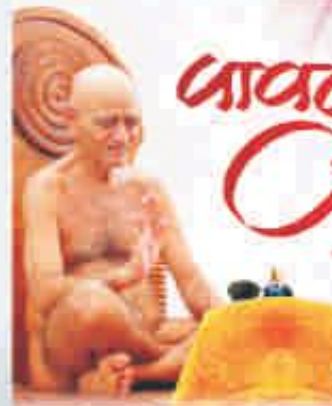
1 च		2 गु	त	3 मौ	4 र्य		5 ना	ज
च		ला		6 त	म	7 क	ना	
ल		8 ब	9 ल			म		10 वा
	11 प		12 ह	र	13 ह	र		ग
14 सु	रा	सु	र		म		15 ज	वा
16 ख	ग			17 म		18 ग	ग	न
		19 प	20 व	न		म		
21 न	22 दा	र	त		23 व	न	24 रा	25 ज
26 ग	म		27 न	म	न		28 ह	रा

..... सदस्यता क्र.

पता :

वर्ग पहली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को **हरसाहमल सत्येन्द्रकुमार जैन** (गोकुल बाजार, रेवाड़ी, हरियाणा) की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार : 10 रु., द्वितीय पुरस्कार 5 रु., तृतीय पुरस्कार 4 रु.) प्रतियोगिता भरकर भेजने की अंतिम तिथि माह की 25 तारीख रहेगी

[illegible]



બાવટા ઈશ્વાર

2020

તીર્થંકર ધર્મ
સર્વતોમુખ્ય અદ્વૈતમુખ્ય જિનાલય
પ્રતિભા રહલી વેવતીલેજ ઢવ્ઢોલ



શ્રીમતી શ્રીમતી મોનકા જેલ
શ્રીમતી મુકા શ્રીમતી જેલ
શ્રીમતી મોનકા મિલિયા જેલ
વિજાજ, વિજાજા, વિજાજા
વિજાજા, વિજાજા જેલ મિલિયા જેલ પલિકાજ



ગિન્ની ગ્રુપ

વિશ્વમ દુસ્ટેટ સંસ્થાપન ઈન્ડિયા પ્રાઇવેટ લિમિટેડ
ગિન્ની ગ્રુપ, પુ. ની. ૭-૯ મોનકા પ્રમાણ, ગાંધી (મ.પ.)
M:- 983032-15856, 988270-31356, F:- 0731-4041356
Website :- www.ginnireality.com & Email :- ginnireality@yahoo.com & ginnigroup@yahoo.com



સંપર્ક કરો - 0731-4003506, 8989505108, 8989121008